सेंसेक्स	~	80,956.33
निफ्टी	~	24,467.45
सोना	~	77,780
चांदी	~	91,000
डॉलर	~	84.75

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
गुरुवार 05 दिसम्बर 2024
मार्गशीर्ष शुक्ल 04 विक्रम सम्वत 2081
वर्ष 16, अंक 73
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

महाराष्ट्र में नई सरकार का गठन आज...

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री होंगे शामिल

मुंबई । महाराष्ट्र में नई सरकार का गठन गुरूवार को होगा। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। फडणवीस ने शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, एनसीपी लीडर अजित पवार के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान भाजपा के ऑब्जर्वर्स विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण भी मौजूद थे। वहीं सूत्रों के मुताबिक, वह डिप्टी सीएम पद की शपथ लेने को तैयार हो गए हैं। मतलब शिंदे भी सरकार का हिस्सा होंगे। एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम के साथ-साथ गृह मंत्रालय भी मांग रहे हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने साफ कर दिया है कि अगर गृह मंत्रालय नहीं मिलता है तो वो सरकार में शामिल नहीं होंगे। हालांकि, फडणवीस ने एकनाथ शिंदे से इस मसले पर लगभग घंटेभर तक चर्चा की। उन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया है कि वो उनकी इस मांग पर हाईकमान से बात करेंगे।

शिंदे शपथ को राजी, गृह मंत्रालय पर अड़े

गौरतलब है कि बुधवार को भाजपा कोर कमेटी की बैठक में देवेंद्र फडणवीस के नाम पर मुहर लग गई है। इसके बाद भाजपा विधायक दल की बैठक में पार्टी नेता चंद्रकांत पाटिल और सुधीर मुनगांटीवार ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा। इस पर सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से देवेंद्र फडणवीस को अपना नेता चुना। केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में महाराष्ट्र विधानसभा भवन में विधायक दल की बैठक हुई। पांच दिसंबर को शाम पांच बजे दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्रियों और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री की मौजूदगी में देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुने जाने के बाद फडणवीस ने दल के सभी सदस्यों का आभार जताया। साथ ही छत्रपति शिवाजी, अटल बिहारी वाजपेयी और अहिल्याबाई होल्कर को याद किया। वहीं उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बने और अब मैं भी तीसरी बार सीएम बन गया हूं। उन्होंने कहा, मैं विधायक दल के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं कि आप सभी ने मुझे सर्वसम्मति से चुना। मैं हमारे केंद्रीय पर्यवेक्षकों विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण का भी आभार जताता हूं। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ये ऐतिहासिक चुनाव थे और इन चुनावों ने साबित कर दिया है कि एक हैं तो सेफ हैं और मोदी है तो मुमकिन है।

सीएम, डिप्टी सीएम सिर्फ तकनीकी पद

राज्यपाल को सरकार बनाने का दावा पेश करने के बाद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महायुति ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है। मैं शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए मेरे नाम का समर्थन किया है। एनसीपी नेता अजित पवार ने भी मेरे नाम की सिफारिश की। कल शाम 5.30 बजे आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह होगा। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। सीएम, डिप्टी सीएम सिर्फ तकनीकी पद हैं। पिछले ढाई साल में हमने साथ मिलकर काम किया है। आगे भी हम सब मिलकर अच्छी सरकार देने का प्रयास करेंगे। हमारा प्रयास होगा कि हमने जो वादे जनता से किए हैं वे हम पूरे करें। महाराष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प पूरा करेंगे। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मेरे जैसे एक कार्यकर्ता को लगातार नेतृत्व करने का अवसर दिया। हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ निभाने वाले रामदास अठावले, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं। हम महाराष्ट्र को नया विजन देंगे।

हम तीनों एक

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हम तीनों नेता एक हैं। डिप्टी सीएम और सीएम सिर्फ तकनीकी पद हैं। कौन-कौन शपथ लेगा, ये शाम तक बता दिया जाएगा। मैंने एकनाथ जी से सरकार में शामिल होने और डिप्टी सीएम बनने का अनुरोध किया था। एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुझे क्या मिल रहा है, यह सवाल ही नहीं था। हमारे मन में सिर्फ यह भावना थी कि महाराष्ट्र को क्या मिला। इसी पर हमने काम किया। महायुति में कोई ऊंच-नीच नहीं है। सब ठीक है। पिछली बार देवेंद्र फडणवीसजी ने मेरे नाम की सिफारिश की थी। इस बार मैं उनका नाम मुख्यमंत्री के तौर पर ले रहा हूं।

दादा को सुबह-शाम शपथ लेने का अनुभव

राज्यपाल से मुलाकात के बाद इसके बाद फडणवीस, शिंदे और पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मीडिया ने सवाल पूछा कि शिंदे और पवार डिप्टी सीएम की शपथ लेंगे। इस पर अजित पवार ने कहा- कोई ले रहा है, या नहीं, ये अलग बात है, पर मैं तो शपथ ले रहा हूं यह तय है। इस पर शिंदे ने कहा कि अजित दादा को दिन में और शाम को शपथ लेने का अनुभव है। फडणवीस और शिंदे दोनों ने कहा कि कितने और कौन-कौन मंत्री शपथ लेंगे, इसकी जानकारी दे दी जाएगी। शपथ ग्रहण का कार्यक्रम गुरूवार को 5:30 बजे आजाद मैदान में होगा। फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में यह कार्यक्रम होगा।

शपथ ग्रहण समारोह के लिए हाई सिक्योरिटी

महाराष्ट्र में गुरुवार को नई सरकार का शपथ ग्रहण होना है। देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह के लिए मुंबई में हाई सिक्योरिटी है। मुंबई पुलिस के जॉइंट कमिश्नर सत्य नारायण चौधरी ने बताया कि 5 एडिशनल कमिश्नर, 15 डीसीपी और 700 से ज्यादा अधिकारियों के अलावा 3 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। आठ हजार से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी।

खास खबर

असम में बीफ पर बैन

गुवाहाटी। असम सरकार ने बीफ पर बैन लगा दिया है। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। सीएम ने बताया कि यह फैसला मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। अब राज्य के होटलों, रेस्टोरेंट्स और सार्वजनिक स्थानों पर परोसा नहीं जा सकेगा। इसकी घोषणा करते हुए जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा ने कहा- कांग्रेस इस फैसले का स्वागत करे या पाकिस्तान जाए। दरअसल, सामगुरी सीट पर उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान हुआ था। 23 नवंबर को रिजल्ट आने के बाद कांग्रेस की हार पर सांसद रकीबुल हुसैन ने भाजपा पर बीफ बांटने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने भाजपा की बैठक के बाद मीडिया से कहा- वे राज्य में गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं,बशर्ते कांग्रेस इसे लिखित में दें।

बेल मिलते ही फिर अरेस्ट हुए बालियान

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बालियान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। बुधवार को कोर्ट ने नरेश बालियान जबरन वसूली मामले में जमानत दे दी थी, लेकिन इसी बीच दिल्ली पुलिस ने उन्हें मकोका में फिर से गिरफ्तार कर लिया। जबरन वसूली मामले में बुधवार को बालियान की तीन दिन की कस्टडी पूरी होने पर उन्हें राउस एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने एक नया आवेदन दायर कर बालियान को न्यायिक हिरासत में भेजने का आग्रह किया। साथ ही महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज एक अन्य मामले में उनकी फिर से गिरफ्तारी की मांग की। कोर्ट ने बालियान को जबरन वसूली मामले में 50 हजार के मुचलके और एक जमानती की शर्त पर जमानत दे दी। लेकिन इसी के बाद पुलिस ने उन्हें मकोका मामले में फिर से गिरफ्तार कर लिया।

डीआरआई ने 16 किलो मेफेड्रोन ड्रग्स की जब्त, 1.93 करोड़ कैश भी मिला

मुंबई,। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने हैदराबाद से मुंबई आ रही एक बस में छापा मारकर 16 किलोग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 24 करोड़ रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही तीन आरोपियों से 1.93 करोड़ रुपए कैश बरामद किए गए हैं। एजेंसी के मुताबिक डीआरआई जोनल टीम को खुफिया जानकारी मिली थी कि हैदराबाद से मुंबई के बीच बस में ड्रग्स की तस्करी हो रही है। संदिग्धों पर नजर रखी गई और उन्हें बस से उतारकर उनके सामान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान 16 किलोग्राम सफेद पाउडर मिला, जिसकी जांच की तो वह मेफेड्रोन है, जो एक सिंथेटिक नशीला पदार्थ है।

दक्षिण कोरिया के 12 मंत्रियों का इस्तीफा

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया में इस समय राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। मार्शल लॉ लगाने के उनके ऐलान और फिर फैसले से यूटर्न के बाद से उन्हें लोगों के गुस्से का भी सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में उनकी धुर विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी ने ही नहीं सत्तारूढ़ पार्टी के कई सदस्यों ने बगावती सुर अख्तियार किए हैं। 12 मंत्रियों के इस्तीफे हो चुके हैं। खुद राष्ट्रपति पर भी महाभियोग की तलवार लटक रही है। कई अन्य शीर्ष नेताओं ने भी इस्तीफे की पेशकश की है।मार्शल लॉ के फैसले का सिर्फ विरोधी ही नहीं बल्कि कैबिनेट के ही कई नेता भी विरोध कर रहे हैं।

मलिक के बाद अब धनखड़ ने किसानों के मुद्दे को लेकर सरकार पर उठाए सवाल, कहा-

किसान आंदोलन कर रहे हैं, आखिर उनसे बातचीत क्यों नहीं कर रही सरकार

नई दिल्ली। किसानों का आंदोलन एक बार फिर चर्चा में आ गया है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किसानों के मुद्दे को लेकर सीधे सरकार पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। जाट नेता धनखड़ किसानों के मुद्दे को जिस तरह से कृषि मंत्री के सामने बेलाग लपेट के उठाया है इससे सत्यपाल मलिक याद आ गए हैं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल रहे इस जाट नेता ने तो किसानों के मुद्दे पर सीधे पीएम मोदी को कटघरे में खड़ा कर दिया है। किसानों के मुद्दे पर जिस तरह से जाट नेता सवाल उठा रहे हैं, इससे बीजेपी के साथ केंद्र सरकार पर नैतिक दबाव पड़ेगा।

सत्यपाल मलिक ने कृषि कानूनों के संदर्भ में पीएम मोदी को अहंकारी तक बता डाला था। मलिक ने जयपुर की एक सभा में कहा था कि मैं जब किसानों के मामले में प्रधानमंत्री से मिलने गया, तो मेरी पांच मिनट में लड़ाई हो गई। वह बहुत घमंड में थे। मलिक के मुताबिक जब मैंने उनसे कहा कि हमारे 500 लोग मर गए...तो उसने (मोदी) ने कहा कि मेरे लिए मारे गए हैं? मलिक (मैंने) कहा आपके लिए ही तो मरे थे, जो आप राजा बने हुए हो...मेरा झगड़ा हो गया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सवाल किया है कि आखिरकार किसानों से बातचीत क्यों नहीं हो रही है। धनखड़ ने कहा कि कृषि मंत्री जी, हर पल आपके लिए महत्वपूर्ण है। किसान संकट में हैं और आंदोलन कर रहे हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि किसानों से बातचीत क्यों नहीं हो रही है। यह स्थिति देश के समग्र कल्याण के

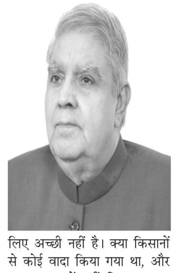

लिए अच्छी नहीं है। क्या किसानों से कोई वादा किया गया था, और वह वादा क्यों नहीं निभाया गया। हम वादा पूरा करने के लिए क्या कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले साल भी आंदोलन हुआ था, इस साल भी आंदोलन और समय जा रहा है, लेकिन हम कुछ नहीं कर रहे हैं। धनखड़ ने कहा कि कृषि मंत्री जी, मुझे तकलीफ हो रही है। मेरी चिंता यह है कि अब तक यह पहल क्यों नहीं हुई। आप कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल और जाट नेता सत्यपाल मलिक किसानों के मुद्दे पर मोदी सरकार पर हमलावर रहे हैं। मलिक लगातार किसानों की सभाओं में केंद्र की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं।

पंजाब, हरियाणा से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बीजेपी के प्रति किसानों की नाराजगी स्पष्ट तौर पर उभर कर आती है। ऐसे में उपराष्ट्रपति ने जिस तरह से किसानों के मुद्दे पर सरकार पर सवाल उठाए हैं इससे पार्टी के साथ ही सरकार को जवाब देना होगा।

कार पर लिखा था भारत सरकार, अंदर मिला पैसों से भरा बैग

सीतामढ़ी। बिहार के सीतामढ़ी जिले में प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज के नेताओं के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक बिहार के सीतामढ़ी के डुमरा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शंकर चौक से एक लग्जरी कार से पैसों से भरा बैग के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। हिरासत में लिए गए लोग जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं। वहीं जिस वाहन से पैसे से भरा बैग बरामद किया है उसपर भारत सरकार लिखा है। बता दें, सीतामढ़ी में तिरहुत स्नातक निर्वाचन का उपचुनाव हो रहा है जिसको लेकर गुरुवार 5 दिसंबर को मतदान होना है। हिरासत में लिए गए लोगों पर वोटरों को चुनाव को पैसा बांटने का आरोप लग रहा है। जन सुराज पार्टी से मुजफ्फरपुर के रहने वाले विनायक गौतम प्रत्याशी हैं। जन सुराज पार्टी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर अपने उम्मीदवार के पक्ष में सीतामढ़ी शिवहर मुजफ्फरपुर और वैशाली जिले में चुनाव प्रचार कर रहे थे।

प्रदूषण के बहाने गडकरी ने कसा तंज बोले- दिल्ली जाने से पहले सोचता हूं जाऊं की नहीं!

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की अपनी शैली है वे सियासी बातों पर ज्यादा फोकस नहीं करते, केवल काम की बाते करते है और काम करने में विश्वास करते हैं। लेकिन कभी जभी ऐसा तंज देते हैं कि एक से एक दिग्गज हिल जाते हैं। इस बार उन्होंने दिल्ली के प्रदूषण को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि अब तो दिल्ली जाने से पहले कई बार सोचना पड़ता है कि दिल्ली जाऊं की नहीं जाऊ..! उन्होंने ये भी कहा कि वहां

दो दिन दिल्ली में रहता हूं तो मुझे संक्रमण हो जाता है। हर बार दिल्ली आते हुए लगता है कि जाना चाहिए या नहीं। इतना भयंकर प्रदूषण है। गडकरी ने यह बयान ऊर्जा संक्रमण और टिकाऊ सड़क परिवहन पर आयोजित एक कार्यक्रम में दिया। उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि दिल्ली का गंभीर वायु प्रदूषण यहां के लोगों के जीवन को बुरी तरह प्रभावित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदूषण के प्रति जागरूकता की कमी अभी भी बनी हुई है।

उन्होंने गांवों से दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे बड़े शहरों की ओर हो रहे बड़े पैमाने पर पलायन को कई समस्याओं का कारण बताया। गडकरी ने कहा, दिल्ली में कई जगह पानी बहता दिखता है, लेकिन वह केवल सीवेज का पानी है। गडकरी ने कहा कि वायु प्रदूषण को कम करने का सबसे अच्छा तरीका जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल) के उपयोग को घटाना और बायो-सीएनजी और अन्य वैकल्पिक ईंधनों को अपनाना है। गडकरी ने दिल्ली के चार पुराने लैंडफिल साइट्स को पर्यटक स्थल करार देते हुए कहा कि यह स्थिति शहर के लिए शर्मनाक है। उन्होंने कहा, पिछले चार वर्षों में इन स्थलों के प्रोसेस्ड मटीरियल का उपयोग राजमार्ग परियोजनाओं में करने की कोशिश की, लेकिन संबंधित एजेंसियों ने कई मुद्दे उठाए जिनमें कचरे का पृथक्करण (सेग्रेगेशन) भी शामिल है।

गडकरी ने जानकारी दी कि अब तक इन कचरा स्थलों से 80 लाख टन प्रोसेस्ड मटीरियल का उपयोग राजमार्ग परियोजनाओं में किया जा चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि सोमवार को उन्होंने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) आयुक्त और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी। एमसीडी ने कचरे के पृथक्करण और प्रोसेसिंग के लिए निविदाएं (बिड्स) जारी की हैं। नितिन गडकरी के इस बयान ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और कचरा प्रबंधन की विफलताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उनकी सलाह है कि वैकल्पिक ईंधनों को अपनाकर और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को प्राथमिकता देकर प्रदूषण के खिलाफ ठोस कदम उठाए जाएं।

बहुत सख्त है उत्तर प्रदेश का गुंडा एक्ट - सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश का गुंडा और गैर सामाजिक गतिविधि रोकथाम कानून बहुत सख्त है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बात कही। दरअसल इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मई 2023 में गुंडा एक्ट के तहत लंबित कार्यवाही रोकने की मांग वाली एक याचिका खारिज कर दी थी। इस पर याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने का फैसला किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर बीते साल नवंबर में उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा था। साथ ही शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत किसी कार्रवाई पर भी रोक लगा दी थी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल और अधिवक्ता तन्वी दुबे के जरिए याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि यूपी गैंगस्टर्स एक्ट के तहत उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निराधार है और पिछली प्राथमिकी से उपजी है। याचिका में कहा गया है कि यह प्राथमिकी दर्ज करना कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है। इसमें तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ गैंगस्टर्स एक्ट लगाना पक्षपातपूर्ण है और यह पुलिस एवं न्यायिक मशीनरी का दुरुपयोग है।

कानून के प्रावधानों की संवैधानिकता पर भी सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

बुधवार को याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क देते हुए कहा कि उनके खिलाफ पहले 1986 एक्ट की धाराओं में अवैध खनन का मामला दर्ज किया गया। एक ही आरोप में दो बार मामला दर्ज किया गया। गुंडा एक्ट की आलोचना करते हुए पीठ ने कहा कि इस पर विचार किए जाने की जरूरत है। पीठ ने ये भी कहा कि इस कानून के कुछ प्रावधानों की संवैधानिकता को चुनौती वाली एक अन्य याचिका पर भी अदालत सुनवाई करेगी। इससे पहले हाई कोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने तर्क दिया कि उसे गैंगस्टर अधिनियम के तहत दर्ज मामले में झूठा फंसाया गया है।

देश में निष्क्रिय बैंक अकाउंट में 1 लाख करोड़

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकों में बढ़ रहे फ्रीज और इनऑपरेटिव अकाउंट पर चिंता जताई है। बैंकों को निर्देश दिया है कि वे ऐसे अकाउंट में कमी लाने के लिए तत्काल हर संभव जरूरी कदम उठाएं। बैंकों से कहा गया है कि ऐसे अकाउंट्स की केवायसी के लिए मोबाइल या इंटरनेट बैंकिंग, नॉन-होम ब्रांच, वीडियो कस्टमर आइडेंटिफिकेशन जैसी आसान प्रोसेस अपनाएं। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि ऐसे अकाउंट में केंद्र या राज्य सरकारों की विभिन्न स्कीमों के जरिए आ रहा अमाउंट बिना किसी दिक्कत के जमा होते रहे। ऐसे अकाउंट जिनमें दो साल से अधिक समय तक लेन-देन नहीं होता, उन्हें निष्क्रिय खातों की श्रेणी में डाल दिया जाता है।

अनक्लेम्ड डिपॉजिट सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़ा

आरबीआई ने बैंकों को सलाह दी है कि वे तिमाही आधार पर इनऑपरेटिव अकाउंट पर रिपोर्ट जारी करें।

छुट्टी लेने शिक्षक ने लिखा-छात्र के अंतिम संस्कार में जा रहा हूं, खुली पोल

जिंदा छात्र को मृत बताने वाला शिक्षक निलंबित

रीवा। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले के नईगढ़ी क्षेत्र में एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय चिगिरका टोला के शिक्षक हीरालाल पटेल ने छुट्टी लेने के लिए एक छात्र को मृत बताया दिया। उन्होंने स्कूल के रजिस्टर में लीव लिखा और साथ में लिखा कि मैं हीरालाल पटेल, छात्र जितेंद्र कोरी जो 3 कक्षा का छात्र है के निधन के कारण उसके अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहा हूं, लेकिन जब यह जानकारी छात्र के परिजनों को लगी तो वे हैरान रह गए क्योंकि छात्र पूरी तरह स्वस्थ था। उसके पिता रामसरोज कोरी ने शिक्षक के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है और इस हरकत पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

यह मामला जब जिला कलेक्टर के पास पहुंचा तो उन्होंने तुरंत शिक्षक को निलंबित कर दिया और जांच के आदेश दिए हैं। डीपीसी को मामले की पूरी जांच सौंपी गई है। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक की यह हरकत बहुत गंभीर है। एक जिंदा छात्र को मृत बताकर छुट्टी लेना सरकारी कामकाज के प्रति गैर-जिम्मेदाराना रवैया है। शिक्षक पर उचित कार्रवाई तय की जाएगी।

राहुल-प्रियंका संभल नहीं जा सके, गाजीपुर बॉर्डर से लौटे

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस पर 4 घंटे जाम से लोग परेशान, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीटा

नई दिल्ली/संभल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी बुधवार को उत्तर प्रदेश के संभल नहीं जा सके। यहां उन्हें हिंसा में मारे गए लोगों के परिजन से मिलना था। उत्तर प्रदेश पुलिस ने उनके काफिले को गाजीपुर बॉर्डर पर रोक लिया। इससे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस पर 4 घंटे तक 5 किमी लंबा जाम लगा रहा। इससे ट्रैफिक में फंसे लोग नाराज हो गए। उनकी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से झड़प हुई। लोगों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीट दिया। इससे पहले राहुल ने भी अफसरों से बातचीत की। कहा- मैं पुलिस की गाड़ी में अकेले जाने को तैयार हूं। लेकिन अफसर राजी नहीं हुए। राहुल हाथ में संविधान लेकर कार

पर चढ़ गए। मीडिया को संबोधित किया। इसके बाद राहुल-प्रियंका दिल्ली लौट गए। उन्होंने कहा- अब 6 दिसंबर को संभल जाएंगे।

संभल में कोर्ट के आदेश पर 24 नवंबर को जामा मस्जिद का सर्वे किया जा रहा था। इस दौरान हिंसा भडक़ गई थी, जिसमें गोली लगने से चार युवकों की मौत हो गई थी। इससे पहले, शनिवार को सपा और रविवार को कांग्रेस के डेलिगेशन ने भी संभल जाने का ऐलान किया था। हालांकि, पुलिस ने जगह-जगह घेराबंदी करके किसी को संभल नहीं जाने दिया।

सुखबीर पर हमला करने वाले का बब्बर खालसा से कनेक्शन

लोगों ने आरोपी को दबोचा, धार्मिक सजा के चलते पहरेदारी दे रहे थे बादल

चंडीगढ़,। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल पर अमृतसर में बुधवार सुबह जानलेवा हमला किया गया। इस हमले में बादल बाल-बाल बच गए। ये घटना स्वर्ण मंदिर के एंट्री गेट पर उस समय हुई जब शिरोमणि अकाली दल के नेता और पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल बतौर धार्मिक सजा के तौर पर पहरेदारी कर रहे थे। सुखबीर के पैर में फैक्चर हुआ है, इसलिए वह व्हीलचेयर पर बैठे थे। इसी बीच हमलावर हाथ में पिस्टल लहराते हुए आया और सुखबीर पर पिस्टल तान दी। यह देख वहां मौजूद लोग हमलावर से भिड़ गए। इस बीच, हमलावर ने ट्रिगर दबा दिया और गोली हवा में चल गई। भीड़ ने हमलावर का दबोच लिया है और पुलिस के हवाले कर दिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। हमलावर ने अपना नाम नारायण सिंह चौरा बताया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी बब्बर खालसा से जुड़ा है। सूत्रों के मुताबिक हमलावर नारायण सिंह चौरा बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) का आतंकवादी रहा है। नारायण चौरा 1984 में पाकिस्तान गया था और आतंकवाद के शुरुआती चरण के दौरान पंजाब में हथियारों और विस्फोटकों की बड़ी खेप की तस्करी में मददगार रहा है।

10 रु बचाने के चक्कर में हो रहा 50 रु का नुकसान?

निर्धारित समय पर नहीं चल रही ट्रेनें,यात्री परेशान, प्रबंधक ने भी उच्च अधिकारियों को लिखा पत्र

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। लाख जतन के बावजूद भी ट्रेनों की लेट लतीफी का सिलसिला अब भी बा-दस्तूर जारी है. जहां एक्का दुक्का ट्रेनो को छोड़कर लगभग सभी ट्रेने अपने पूर्व निर्धारित टाइम टेबल के अनुसार चलाने में रेलवे प्रशासन अब भी पिछड़ा हुआ है। रोजाना ट्रेनों की हो रही लेट लतीफी के चलते किराए में मिली छूट भी यात्रियों को नहीं भा रही है और वह ट्रेनों को सही समय पर चलाए जाने की लगातार मांग कर रहे हैं। आए दिनों की तरह ट्रेनों की लेटलतीफी का सिलसिला बुधवार को भी देखने को मिला। जहां ट्रेन लेट होने के चलते बालाघाट रेलवे स्टेशन पर पहुंचे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि बालाघाट से होकर गुजरने वाली केवल लोकल ट्रेन ही लेट नहीं हो रही है, बल्कि एक्सप्रेस, सुपरफास्ट और स्पेशल ट्रेन भी रोजाना देरी से चल रही है। जिस पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए यात्रियों ने ट्रेनों को समय पर चलाए जाने की बात कही ,तो वहीं यात्रियों द्वारा मालगाड़ी की जगह यात्री ट्रेनों को प्राथमिकता दिए जाने की गुहार लगाते हुए व्यवस्थाओं में सुधार किया जाने की मांग की है।

ट्रेनों का सफर लगने लगा महंगा

बेबस सिस्टम, लचर व्यवस्था ने रेल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लंबे समय से यात्री ट्रेन का शेड्यूल ठीक नहीं हो पाया है। सवारी गाड़ी कभी तीन, तो कभी चार घंटे विलंब से चल रही है।वही ,रीवा इतवारी, चांदाफोर्ट और अन्य एक्सप्रेस ट्रेन भी विलंब से चल रहीं हैं। निर्धारित समय पर ट्रेन नहीं चलने के कारण यात्रियों को मानसिक एवं आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।बालाघाट से गोंदिया और गोंदिया से बालाघाट की ओर चलने वाली पैसेजर ट्रेन हर दिन विलंब से पहुंच रही है। घंटों विलंब से ट्रेन चलने के कारण यात्रियों को गंतव्य स्थानों की ओर बस के जरिए महंगा सफर तय करना पड़ रहा है।

10 रु बचाने के चक्कर मे हो रहा 50 रु का नुकसान

ट्रेनों का सफर सबसे सुरक्षित सफर माना जाता है बताया जा रहा है कि किराया कम होने और सुरक्षित सफर होने के चलते ही ज्यादातर लोग ट्रेनों का सफर करना पसंद करते हैं। लेकिन अब यही ट्रेनों का सफर यात्रियों के लिए सर दर्द बन चुका है वही कुछ स्थान तो ऐसे हैं जहां का किराया महज 10रु होने के बावजूद भी ट्रेन लेट होने के चलते यात्रियों को 50 से 100 रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं। बताया जा रहा है कि समनापुर का ट्रेन का किराया 10 रु है, जबकि

बस का किराया 20 रुपए लगता है जहां यात्रिगण 10 रु बचाने के लिए ट्रेन से समनापुर जाना पसंद करते हैं लेकिन समनापुर का ट्रेन टिकट खरीदने के बाद उन्हें उस ट्रेन के लिए ढाई से तीन घण्टे तक ट्रेन आने का इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में पानी की बोतल, चाय, नाश्ता, बिस्किट आदि खाने में उनके अधिक पैसे लग जाते हैं जहां एक ओर समय के साथ-साथ पैसे भी अधिक लग रहे हैं। कुल मिलाकर कहें तो बालाघाट से धापेवाड़ा, समनापुर, मगरदर्रा, चरेगांव, या लामता सहित अन्य आसपास के स्टेशनों जाने के लिए 10 बचाने के चक्कर में यात्रियों का 50 से 100 रु तक का नुकसान हो रहा है।

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता का दंश झेल रही जनता

आपको बताए कि ट्रेनों की लेटलतीफी का सिलसिला कोई आज का नही है बल्कि लगभग 2 साल से ज्यादा का वक्त गुजर जाने के बाद भी सिस्टम में सुधार नहीं आ पा रहा है।जहा टाइमटेबल के अनुरूप यात्रियों को ट्रेन सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।कई बार जन प्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित कराए जाने के बाद भी किसी प्रकार के कारगर कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। जिसके चलते जनप्रतिनिधियों की उदासीनता का दंश जिले की जनता को भुगतना पड़ रहा है। जिसपर जिम्मेदारो का कोई ध्यान नही है।

यात्री की जगह मालगाड़ी को दी जा रही प्राथमिकता

ट्रेन आने की राह देखकर परेशान हो चुके यात्रियों का आरोप है कि रोजाना ट्रेन अपने निर्धारित समय से नही चल रही है और आए दिन लेट हो रही है। जहां यात्रियों ने, रेलवे प्रशासन पर माल गाड़ियों को प्राथमिकता देने और मालगाड़ी को पास करने के चक्कर में यात्री ट्रेनों को रोजाना लेट किए जाने का आरोप लगाया है। जिन्होंने मालगाड़ी की जगह यात्री ट्रेनों को प्राथमिकता देकर सभी ट्रेने टाइम टेबल के अनुसार चलाए जाने की मांग की है।

ये ट्रेनें रोजाना हो रही लेट

बालाघाट स्टेशन से गुजरने वाली लंबी दूरी और लोकल ट्रेनो के देरी से चलने से यात्री परेशान है, कोई एक दिन की बात हो तो ट्रेनो की देरी का कारण समझ में आता है लेकिन विगत एक पखवाड़े से ट्रेनो की लेटलतीफी से यात्रियो में नाराजगी है। ट्रेनो की देरी से चलने के कारण, यात्री, बस से महंगी यात्रा करने मजबूर है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार बालाघाट से होकर गुजरने वाली चंद्रपुर-जबलपुर, गढ़ा-गोंदिया, रीवा-ईतवारी और ईतवारी बालाघाट से गोदिया से कटंगी लोकल ट्रेने, देरी से चल रही है, जिसके कारण जहां रेलवे को राजस्व का नुकसान हो रहा है, वहीं समय पर ट्रेन नहीं चलने से जिले के यात्रियों को रेलसुविधा नहीं मिल पा रही है।

विभाग के पास नही है कोई स्पष्ट कारण

रोजाना ट्रेनों की लेट लतीफी को लेकर विभाग के पास कोई स्पष्ट कारण नहीं है कभी ट्रेनो की लेटलतीफी को लेकर मालगाड़ी को वजह बताया जाता है तो कभी गोंदिया में तकनीकि कारणों को इसका कारण बताते है, जिससे यह साफ है कि ट्रेनो की देरी से चलने की विभाग के पास भी वजह बताने कोई स्पष्ट कारण नहीं है। दूसरी ओर रेल यात्रियों के पास इंतजार करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है।

वरिष्ठ अधिकारियों से पत्राचार किया गया है- चौधरी

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान बालाघाट रेलवे स्टेशन प्रबंधक कृष्ण कुमार चौधरी ने बताया कि पिछले दो दिनों से ट्रेन कुछ ज्यादा ही देरी से चल रही है ।गोंदिया बालाघाट की ट्रेन, कटंगी से तिरोड़ी की ट्रेन भी देरी से पहुंच रही है हमारा प्रयास है की ट्रेने सही समय पर चले इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों से पत्राचार भी किया गया है।

सड़क बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सौपा ज्ञापन

15 दिनों का अल्टीमेटम देकर दी आंदोलन की चेतावनी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। एक ओर शासन प्रशासन द्वारा पूरे जिले में पक्की सड़कों का जाल बिछाने और गांव-गांव में पक्की सड़को का निर्माण कर गांवो को शहरों से जोड़े जाने का दावा किया जा रहा है।तो वहीं दूसरी ओर अब भी जिले के कई गांव ऐसे हैं जहां अब तक पक्की सड़क की सौगात ग्रामीणों को नहीं मिल पाई है। तो वही वहां के ग्रामीण अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए भी तरस रहे हैं। जहां आवेदन निवेदन पर भी उनकी कहीं कोई सुनवाई न होने के चलते ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ते जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को बिरसा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम टिंगीपुर के निवासियों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें उन्होंने जल्द से जल्द टिंगीपुर के बजरंगनदी बाबा लोढ़ापाठ से सरईटोला पहुच मार्ग खैरमाता चौक मार्ग, और ग्राम टिंगीपुर के खैरमाता चौक से स्कुलटोला चौराहा तक पक्की सड़क बनाए जाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि इसके पूर्व भी कई बार अपनी इसी मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है।बावजूद इसके भी अब तक उनके गांव में सड़क का निर्माण नहीं कराया गया है जिसके चलते 10 से 15 गांव के लोगों को आवागमन करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।तो वहीं उन्होंने इस ज्ञापन को आखरी ज्ञापन कहते हुए 15 दिनों के भीतर सड़क का निर्माण कार्य ना होने या निर्माण की स्वीकृति नहीं मिलने पर कलेक्टर कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी दी। उक्त मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे ग्रामीणों में रामप्रसाद तुरकर, गौयर चौधरी, जियालाल सोनवाने, उमाशंकर बिसेन, नितिन गौतम, कलादेवी पंच तिलक ,भैया लाल पंचतिलक, सावन लाल मानेश्वर,दोहा राम तुरकर, दुलीचंद सोनवाने, अशोक खैरवार ,हेमंत गौतम, मन्नूलाल राऊत, सहित अन्य ग्रामीण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

4 साल से लगातार सौप रहे ज्ञापन, कुछ नहीं हुआ

ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में कई वर्षों पूर्व आर एस विभाग के माध्यम से एक सड़क का निर्माण कराया गया था जो पूर्ण रूप से जर्जर हो चुकी है वह सड़क चलने लायक नहीं बची है उस सड़क को बनाने के लिए कई बार शासन प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया है बावजूद इसके भी शासन प्रशासन द्वारा सड़क पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है सड़क निर्माण ना होने से करीब 10 से 15 गांव के लोग काफी परेशान है मलाजखंड पास में रहने के बाद भी ग्रामवासियों को 10 से 15 किलोमीटर घूम कर जाना पड़ता है। हमारी मांग है कि जल्द से जल्द किसी भी मद से उक्त सड़क मार्ग का निर्माण कराया जाए।उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 2020 से हम ज्ञापन सौप रहे हैं। पूरे 4 साल हो गए लेकिन आज तक अधिकारियों कर्मचारियों ने हमारी मांग की सुध नहीं ली है। विधायक से भी हमने गुहार लगाई है जिन्होंने 15 दिन के भीतर कुछ ना कुछ समस्या का निराकरण निकालने की बात कही है इसीलिए आज हमने कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौपकर 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है यदि इस बीच सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया जाता तो फिर आंदोलन किया जाएगा।

तो 15 दिन बाद कलेक्ट्रेट में करेंगे धरना प्रदर्शन- उमाशंकर बिसेन

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान स्थानीय ग्रामीण उमाशंकर बिसेन ने बताया कि सड़क न होने के चलते लोगों को काफी परेशानियां हो रही हैं सड़क बनाए जाने की मांग को लेकर हमने नेता राजनेता कलेक्टर पीडब्ल्यूडी आरएस विभाग सहित अन्य अधिकारियों कर्मचारियों को ज्ञापन सौंप चुके हैं लेकिन आज तक हमारे गांव में सड़क का निर्माण नहीं कराया गया है। इसलिए आज हमारे द्वारा आखरी बार ज्ञापन सौंपा गया है यदि 15 दिनों के भीतर सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जाता या सड़क निर्माण के आदेश जारी नहीं किए जाते, तो समस्त ग्रामवासी कलेक्टर कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन करेंगे वही मांग पूरी न होने तक अनशन किया जाएगा।

कटंगी विकासखंड के 34 हितग्राहियों को मिला फायदा

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बुधवार को दोपहर डेढ़ बजे सिंगल क्लिक के माध्यम से 'मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना' के हितग्राहियों के खाते में सीधे राशि जमा करवाई. प्रदेश के योजना अंतर्गत 10,236 श्रमिक परिवारों को 225 करोड़ की अनुग्रह राशि का अंतरण किया गया. जिसमें विकासखंड कटंगी के 34 हितग्राही भी शामिल है. कटंगी के इन हितग्राहियों को जनपद पंचायत कटंगी के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन कर मुख्यमंत्री की चर्चा से सीधे जो ?ा गया. जनपद में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी दीपक कर्पे, उपाध्यक्ष भानु सिंह पटले, मंडल अध्यक्ष भाजपा मुकेश चौकसे सहित हितग्राही मौजूद रहे. कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री ने टंट्या भील को पुण्यतिथि पर उन्हें और उनके योगदान को याद किया. उन्होंने कहा कि आज 225 करोड़ की अनुग्रह राशि का अंतरण किया जा रहा है. मुख्यमंत्री ने जब से यह योजना शुरू हुई है तब से लेकर अब तक कितने हितग्राहियों को इसका फायदा मिला है उसके आंकड़े भी प्रस्तुत किए. उन्होंने हितग्राहियों से कहा कि यह राशि नहीं है बल्कि हमारी संवेदनशीलता है. यह हमारा सहारा है आज अपनी राशि के भरोसे से हम आपके भावों को समझ सकते है. इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटले भी मौजूद रहे।

REQUIREMENT
Teachers required for reputed English medium school for kirnapur for Primary grade.
* Candidate should be good in communication
* Local candidates will get prefference.
* Friendly with English.
* graduate/PG +D.Ed./B.Ed.
- Contact -
KIDZ VALLEY ENGLISH SCHOOL, KIRNAPUR
7987431437

पुलिस संवाद एवं तनाव प्रबंधन सेमिनार का हुआ आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मां बैनगंगा नदी के पावन तट पर स्थित 36 वीं वाहिनी (एस.आई.आर.बी.) विसबल कनकी बालाघाट के परिसर में 4 दिसंबर को अध्यात्मिक विश्वा विभूति डॉक्टर चिन्मय पंड्या प्रति कुलपति देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार के द्वारा वाहिनी परिसर में श्री हनुमान मंदिर पहुंचकर राष्ट्र की सुरक्षा हेतु प्रार्थना की गई। तत्पश्चात समाज को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए हलदर पौधे जैसे काजू बादाम आम जामुन अमरूद आदि का रोपण किया गया उनके द्वारा पुलिस जवानों के लिए एक घंटे का पुलिस संवाद एवं तनाव प्रबंधन सेमिनार का आयोजन भी किया गया जिसमें जीवन को संरक्षित सुखमय एवं कैसे दैनिक सामाजिक तनावो को बीच रहकर स्वयं को पहचान कर प्रसन्न रहने तथा दूसरों को प्रसन्न रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में संजय कुमार सिंह पुलिस महानिरीक्षक जॉन बालाघाट, मुकेश श्रीवास्तव को उप पुलिस महा निरीक्षक रेंज बालाघाट, नगेंद्र सिंह पुलिस अधीक्षक बालाघाट एवं सेनानी 36वीं वाहिनी विसबल ,दिवाकर सिंह कुलाधिपति सरदार पटेल विश्वविद्यालय, जगदीश कुलमी, डॉक्टर चारुदत्त जोशी, महेश खजांची ,रामचंद्र जी के द्वारा अपनी विस्मरणीय एवं गरिमा में उपस्थित के साथ कार्यक्रम में डुलेन्द्र ठाकरे सभापति जिला पंचायत, अनिल डहरवाल, गोविंद कड़वे, टेकचंद गौतम, पूरनलाल ठाकरे, भूरिया लिल्हारे, अमिता चौधरी, रिखीराम भगत तथा उप सेनानी मनोज करवेती, सहायक सेनानी अजय बहादुर लावरे, सहायक सेनानी रॉबिन जैन, रक्षित निरीक्षक कमलेश परस्ते, निरीक्षक रामदत्त पांडे, निरीक्षक विनोद तुमराम, उप निरीक्षक सूबेदार मेजर राजोल सिंह, उप निरीक्षक बुद्ध प्रकाश गौतम, उपनिरीक्षक अनिल रजक, उप निरीक्षक राजकुमार भवेदी, सहायक उप निरीक्षक सतीश डायरे, एवं वाहिनी परिसर में हाक फोर्स बालाघाट जिला पुलिस बल बालाघाट तथा वाहिनी के पुलिस जवानो ने उपस्थित होकर पूर्ण उत्साह ऊर्जा के साथ कार्यक्रम को संपन्न किया गया।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं आरिफ कुरैशी पिता स्व. रफीक कुरैशी जाति मुसलमान ग्राम पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. की निवासी हुं। मेरी माताजी स्व. शहीदा कुरैशी पति स्व. रफीक कुरैशी की मृत्यु दिनांक २६.०४.२०२४ को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत पुत्र आरिफ कुरैशी, फारूख कुरैशी, पुत्री अफरोज कुरैशी, तबस्सुम कुरैशी व शबाना कुरैशी वारसान है एवं मुझे ग्राम पंचायत कार्यालय से वारसान प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे ग्राम पंचायत कार्यालय पांढरवानी ला. पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
आरिफ कुरैशी
निवासी - वार्ड नं. २० शांति नगर ग्राम पंचायत पांढरवानी
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)

तृतीय पुण्य स्मरण
स्व. पृथ्वीदास ब्रम्हे

स्व. पृथ्वीदास ब्रम्हे
स्वर्गवास 05.12.2021
आपका आदर्श, व्यक्तित्व कर्मशील जीवन एवं आपके संस्कार सभी को सदा सद्कर्म की प्रेरणा देते रहेंगे।
आपकी तृतीय पुण्यतिथी पर
पुण्य स्मरण करते हुये श्रद्धासुमन अर्पित करते है
शुभेच्छु - पत्नि श्रीमती जयवंता ब्रम्हे, पुत्र संतोष ब्रम्हे, सुनील ब्रम्हे, बंटी ब्रम्हे सहित समस्त ब्रम्हे परिवार पनबिहरी।

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु बी.ई., बी कॉम., प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण Freshers एवं सी.ए. आर्टिकल, सी.ए. इन्टर फाईनल युवक/युवती की आवश्यकता है।
कम्प्यूटर एक्सल की संपूर्ण जानकारी आवश्यक है।
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एंड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक, बालाघाट (मप्र)
मो. 09201340520/09244872544
बायोडाटा देने मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

आवश्यकता है
चपरासी की आवश्यकता है
बालाघाट एवं आसपास में रहने वाले ही 25 वर्ष से कम उम्र के युवक/युवती ही संपर्क करें
अनिवार्यतः साइकिल चलाना आना चाहिए
वेतनमान- 10000+
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल हनुमान चौक, मेन रोड बालाघाट (मप्र)
244944 मो. 9201340520,9244872544
मिलने एवं फोन लगाने का समय- शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

लामता में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

परसवाड़ा में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव में मौसम के पूर्व अनुमान के लिए लगाया गया वेदर स्टेशन चार माह से है बंद

बरसात में तकनीकी खराबी आने से अभी तक नहीं किया गया है दुरुस्त, 2021 के बाद जिले के किसानों के मोबाइल पर आती थी, कृषि से संबंधित मौसम की पूर्वअनुमान की जानकारी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। किरनापुर क्षेत्र के बड़गांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में सन 2021 में स्थापित किया गया ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन बीते 3 से 4 महीने से बंद है जबकि सरकार द्वारा इसे ऑटोमेटिक मौसम के पूर्व अनुमान की जानकारी देने के लिए लगाया गया था, किंतु यह बरसात में खराब होने की वजह से इसे अभी तक नहीं सुधारा गया है जबकि संबंधित अधिकारी बताते हैं कि इसे रिपेयर करने के लिए उन्होंने अपने पुणे स्थित संबंधित विभाग को पत्राचार भी किया है, किंतु वहां से अभी तक कोई टेक्निकल इंजीनियर इसे बनाने नहीं पहुंचा है जिस कारण से यह बंद पड़ा हुआ है एवं कब तक इस दुरुस्त किया जा सकता है, इस पर भी वह कुछ नहीं कहना चाह रहे हैं। आपको बता दे कि जिले के बड़गांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) में स्थापित आटोमैटिक वेदर स्टेशन जुलाई माह से बंद है। स्टेशनों में तकनीकी खामियां और स्टेशनों के अभाव का असर सीधे किसानों पर पड़ रहा है। मौसम पूर्वानुमान न मिलने के कारण किसानों के खेती-किसानी के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बालाघाट के आटोमैटिक वेदर स्टेशन में लगे सेंसर बिगड़ने से अधिकतम व न्यूनतम तापमान का अधिकृत आंकड़ा नहीं मिल रहा है। यानी जिले में वर्तमान में पारा कितना गिरा या कितना उछला, इसका सही आंकड़ा नहीं है। जबकि जानकारों का कहना है कि मोबाइल या इंटरनेट मीडिया से प्राप्त तापमान और वेदर स्टेशन के तापमान में बड़ा अंतर होता है। यह अभी ही वर्ष 2021 में लगाया गया था और इसके बाद जिले के किसानों को ऑटोमेटिक किरनापुर के कृषि विज्ञान केंद्र का मैसेज जाता था और किसान वेदर स्टेशन का फायदा भी उठाते थे, किंतु यह बीते कुछ महीनो से अब जिले के किसानों के मोबाइल पर कोई मैसेज नहीं जा रहा है और ना ही यहां जिले से कोई मौसम के पूर्व अनुमान की जानकारी अभी किसानों को मिल रही है, जिसके पीछे बारिश में वेदर स्टेशन का खराब होना जानकार बता रहे हैं और विभाग द्वारा इसे दुरुस्त करवाने के लिए संबंधित विभाग को पत्राचार भी कर दिया गया है पर अभी तक यह वेदर स्टेशन दुरुस्त नहीं करवाया गया है।

सात से आठ सेंसर तकनीकी खराबी के कारण हैं बंद

बड़गांव में वर्ष 2021 में आटोमैटिक वेदर स्टेशन लगाया गया था। इसके संचालन और देखरेख अब तक जिला कृषि मौसम इकाई करती थी, लेकिन सालभर पहले केंद्र सरकार द्वारा देशभर की 199 इकाइयां बंद करने के बाद वेदर स्टेशन भगवान भरोसे है। बताया गया कि पुणे की एक कंपनी एनुअल मेंटेनेंस चार्ज (एएनएम) लेकर इस स्टेशन के मेंटेनेंस का कार्य करती है। कुछ दिन पूर्व कंपनी द्वारा स्टेशन के सेंसरों की जांच की गई, लेकिन सुधार नहीं हो सका। बालाघाट के वेदर स्टेशन में लगे सात से आठ सेंसर तकनीकी खराबी के कारण बंद हैं। ये सेंसर अधिकतम व न्यूनतम तापमान के साथ वर्षा का आंकड़ा (मिमी में), आद्रता, हवा की दिशा, सोलर रेडिएशन, मृदा ताप, मृदा नमी की सटीक जानकारी देते हैं। वर्तमान में कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा भोपाल से प्राप्त पूर्वानुमान की जानकारी साझा की जाती है।

अन्य जिलों में भी यही हैं परेशानी

बालाघाट के अलावा आस पास के केवीके में स्थापित वेदर स्टेशन में भी तकनीकी खराबी है। यहां 27 नवंबर को न्यूनतम तापमान जारी हुआ, लेकिन तकनीकी दिक्कत के कारण अधिकतम तापमान जारी नहीं हुआ। बताया गया कि स्टेशन से न्यूनतम तापमान को छोड़कर अन्य जानकारी नहीं मिल रही है। सुधार कार्य के बाद सटीक आंकड़े प्राप्त होंगे। वहीं, कुछ जिले के कृषि विज्ञान केंद्र में आटोमैटिक वेदर स्टेशन ही नहीं है। मौसम विभाग के कार्यालय से मौसम या तापमान संबंधी जानकारी जिलास्तर पर साझा नहीं की जाती।

अभी तक कोई इसे सुधार कार्य के लिए नहीं आया है - आरएल राउत

जब हमारे द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव के डा. आरएल राउत से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि बीते दिनों बरसात में वेदर स्टेशन में तकनीकी खराबी आ जाने के कारण बंद हो गया है यह वेदर स्टेशन वर्ष 2021 में लगाया गया था और बरसात के समय वेदर स्टेशन के सेंसर में संभवत: पानी लग जाने के कारण 7 से 8 सेंसर स्टेशन के खराब हो गए हैं, जिसके लिए पुणे स्थित संबंधित कार्यालय को उनके द्वारा पत्राचार भी कर दिया गया है किंतु तीन से चार महीने बीत जाने के बावजूद भी अभी यहां कोई इसे सुधार कार्य के लिए नहीं आया है वहीं उन्होंने यह भी बताया कि लगभग बरसात के समय सेंसर में पानी लगने से तकनीकी खराबी आती है इस वजह से ही यह वेदर स्टेशन अभी बंद हो गया है।

251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं विराट संस्कार महोत्सव सम्पन्न

5 दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन, पूणाहुति कार्यक्रम के साथ किया गया समापन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। सनातनी परंपराओं से पहचाने जाने वाले बालाघाट जिले में, 30 नवंबर से 04

दिसंबर तक आयोजित 251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं विराट संस्कार महोत्सव का बुधवार को पूणाहुति कार्यक्रम के साथ समापन किया गया।आपको बताए कि राष्ट्र जागरण के तहत शांतिकुंज हरिद्धार के दिव्य संरक्षण एवं मार्गदर्शन में गायत्री शक्तिपीठ बालाघाट के तत्वाधान में आयोजित इस संस्कार महोत्सव में 30 नवंबर से लेकर 4 दिसंबर तक रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जिसमे 30 नवंबर को नगर के काली पुतली चौक स्थित हनुमान मंदिर से 1008 कलश शोभायात्रा के साथ ही 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी।

रोजाना तीन चरणों मे हुए आयोजन

आपको बताए कि जिले में पहली बार भव्य रूप से 5 दिवसीय आयोजित इन कार्यक्रमों को रोजाना तीन चरणों मे सम्पन्न कराया गया। जहा 30 नवंबर को भव्य 1008 कलश यात्रा, सम्पन्न कराई गई तो उसके अगले दिन 01 दिसंबर से तीन चरणो में 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया।जहा प्रतिदिन 8 से 12 बजे तक गायत्री महायज्ञ, 12 से 4 बजे तक संस्कार कार्यक्रम, 04 से 5 बजे तक गायत्री परिवार के वरिष्ठों का प्रवचन और सायंकाल 06 से रात्रि 08 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। वही महिला सम्मेलन, नारियो जागो-स्वयं को पहचानो विषय पर कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें पीएचई मंत्री संपतिया उईके शामिल हुई थी। इसके अगले दिन विराट संस्कार महोत्सव के तहत विभिन्न संस्कार महोत्सव कराए गए।तो वहीं 03 दिसंबर को युवा महोत्सव में डॉ. चिन्मय पांडेय का उद्बोधन हुआ। वही इसी दिन शाम 04 बजे दीपयज्ञ का विशाल कार्यक्रम 51 हजार यज्ञ स्थल पर दीप यज्ञ कराया गया था। जिसमें सीएम डॉ. मोहन यादव भी शामिल हुए थे। जिसके अंतिम दिन बुधवार 04 दिसंबर को पूणाहुति के साथ कार्यक्रम

कचरा उठाने की गाड़ी में मृत जानवर के शव उठाकर रात भर रखा पानी टंकी के नीचे

नपा. ने तीन कर्मचारियों को भेजा नोटिस, वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद प्रतिनिधि ने उठाया था मामला, कचरा उठाने की गाड़ी में नगर पालिका के कर्मचारियों ने उठाए थे मृत जानवर के शव

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। नगर पालिका के कुछ कर्मचारियों द्वारा स्थानीय बूढी पानी टंकी के पास मृत जानवरों को कचरा उठाने की गाड़ी में रख कर रात भर रखा गया, जिस पर वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद प्रतिनिधि द्वारा कचरा फेंकने की गाड़ी में मृत जानवरों को ले जाने एवं रात भर गाड़ी में मृत जानवर को रख कर फैल रही बदबू के विषय को उठाया था, जिस पर नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा स्वास्थ्य शाखा के तीन कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है एवं जानकारी यह भी आ रही है कि जब नगर पालिका में अतरिक्त मृत जानवरों को उठाने के लिए गाड़ी है तो क्यों कचरा गाड़ी का प्रयोग किया गया, इस पर सवाल खड़े किया गया था। आपको बता दे की वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान द्वारा नगर पालिका की कचरा उठाने वाली गाड़ियों से मरे हुए जानवरों को ले जाने को लेकर नाराजगी जाहिर की गई है, उनका कहना है कि जब नगर पालिका में मरे हुए जानवरों को उठाने के लिये अतिरिक्त गाड़ी है, तो फिर क्यों नगर पालिका द्वारा कचरा उठाने की गाड़ियों से मरे हुए जानवरों को उठाया जा रहा है, जबकि यह गाड़ियां वार्ड में कचरा उठाने जाती है और नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा मृत हुए जानवरों को गाड़ी में लेकर पूरे वार्ड में कचरा उठाया जा रहा है, जिससे मरे जानवर गाड़ी में रहने से वार्ड में बदबू फैल रही है और इससे बीमारी का भी खतरा बना रहता है तो इस प्रकार से नगर पालिका को मरे हुए जानवर को, मरे हुए जानवर उठाने वाली गाड़ी से लेकर जाना चाहिए ना कि इस प्रकार से मरे हुए जानवरों को वार्ड में कचरा उठाने वाले वाहन में लेकर घूमना चाहिए, वहीं इस विषय पर नगर पालिका द्वारा भी कार्रवाई

करते हुए स्वास्थ्य शाखा के तीन कर्मचारियों पर कारण बताओं नोटिस जारी कर दिया गया है और जानकारी में यह भी आ रहा है कि कर्मचारियों द्वारा मरे हुए जानवरों को 1 दिन पहले ही वार्ड से कचरा उठाने की गाड़ी में उठाकर गाड़ी को बूढी पानी टंकी के नीचे खड़ा कर दिया गया था और यह रात भर मरे हुए जानवर और गाड़ी पानी टंकी के नीचे खड़ी रही उसके बाद यह गाड़ी पुन: कचरा उठाने के लिए वार्ड में मरे हुए जानवर को लेकर चले गई, जिसके बाद वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद प्रतिनिधि ने इस बात का विरोध किया।

कचरा उठाने की गाड़ी में क्यों मरे जानवर ले कर जाया जा रहा है - सोहेल खान

पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने नगर पालिका पर आरोप लगाए हैं कि आखिर इस प्रकार से नगर पालिका को मरे हुए जानवर को कचरा उठाने की गाड़ी में क्यों ले जाया जा रहा है, क्यों आखिर मरे हुए जानवर को लेकर नगर पालिका की कचरा उठाने की गाड़ी वार्ड में लेकर घूम रही है जबकि नगर पालिका में मरे हुए जानवर को उठाने के लिए अतिरिक्त गाड़ी है क्या नगर पालिका इस प्रकार से शहर में स्वच्छता लाने का कार्य कर रही है या फिर शहर को खुद ही नगर पालिका के द्वारा दूषित किया जा रहा है।

कारण बताओं नोटिस जारी कर दिया गया है - प्रीति घरते

जब हमारे द्वारा इस पूरे विषय को लेकर नगर पालिका की स्वास्थ्य शाखा की नोडल प्रीति घरते से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि उन्हें भी जानकारी लगी है कि कुछ कर्मचारियों द्वारा मरे हुए जानवर को कचरा गाड़ी में उठाया गया है और उसे रात भर पानी टंकी बूढी के पास खड़ा रखा गया है, जिस पर उन्होंने स्वास्थ्य शाखा के तीन कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस भी जारी किया है, उन्होंने यह भी बताया कि जिस प्रकार से कर्मचारियों द्वारा कचरा उठाने की गाड़ी से जो जानवर उठाने का कार्य किया है उसमें प्रथम दृष्टिया जानकारी यह आ रही है कि जिस वार्ड से उन्होंने यह मरे हुए जानवर उठाने थे वहां बड़ी गाड़ी नहीं जा सकती थी, इसलिए कर्मचारियों द्वारा व्यवस्था बनाने और अपने स्व विवेक से यह कार्य किया है, किंतु उनके द्वारा मरे हुए जानवरों को बूढी पानी टंकी के नीचे रात भर रखा गया है यह गलत है इस पर नगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारी से चर्चा कर उन पर कारण बताओं नोटिस जारी कर दिया गया है और जल्द ही उन पर नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

इन लोगों को जारी किया कारण बताओं नोटिस

नगर पालिका द्वारा स्वास्थ्य शाखा के तीन कर्मचारियों पर मृत जानवर को उठाकर उनके शव को गाड़ी में रखकर पानी टंकी के नीचे रात भर रखने और मरे जानवरों को संबंधित स्थान पर डिस्पोज नहीं करने के कारण नगर पालिका के कर्मचारी राम दूधबुरे, साधुराम चमकेल और आकाश भारद्वाज पर कार्य में लापरवाही बरतने के संबंध में नोटिस जारी किया गया है।

2 स्कूलों से नदारत मिले 4 शिक्षक, पालक समिति ने जताई आपत्ति

जनशिक्षक से शिकायत कर कराई गई जांच, जनशिक्षक ने बनाया पंचनामा, उच्च अधिकारियों से लिखित शिकायत की कही बात, चरेगांव संकूल के ग्राम अतरी और भालेवाड़ा का मामला

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। जिले सहित प्रदेश भर के तमाम सरकारी स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों के शैक्षणिक स्तर को ऊंचा उठने के लिए शासन द्वारा प्रतिवर्ष लाखों करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। तो वही दूसरी ओर जिनके कंधों पर यह जिम्मेदारी सौंपी गई है ऐसे कुछ शिक्षक कार्य में लापरवाही बरतकर सरकार की इस मंशा को पलीता लगाने में जुटे हुए हैं। जो कभी समय बे समय स्कूल पहुंच रहे हैं। तो वही आए दिनों बिना सूचना दिए ही स्कूल से नदारत रहते हैं। शिक्षकों का स्कूल से नदारत रहने का ताजा मामला जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर चरेगांव संकुल के अंतर्गत आने वाले ग्राम भालेवाड़ा और ग्राम अतरी स्कूल में सामने आया है। जहां भालेवाड़ा स्कूल में पदस्थ 05 में से 03 शिक्षक निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले। तो वही ग्राम पंचायत अतरी स्कूल में जन शिक्षक द्वारा किए गए निरीक्षण में एक शिक्षक अनुपस्थित मिला है। जहा शिक्षक के बिना सूचना दिए पिछले 03 दिनों से अनुपस्थित रहने की बात सामने आई है। जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए दोनों ही गांव के ग्रामीण, पंचायत प्रतिनिधियों और पालक समिती पदाधिकारियों ने बिना सूचना दिए स्कूलों से नदारत रहने वाले शिक्षकों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। जिनकी इस मांग पर जन शिक्षक ने तत्काल मौके पर पहुँचकर पंचनामा बनाया है तो वही इन शिक्षकों की शिकायत उच्च अधिकारियों से करने और संबंधित शिक्षकों को कारण बताओं नोटिस जारी कर जवाब तलब किए जाने की बात कही है।

ये शिक्षक रहे अनुपस्थिति, बनाया गया पंचनामा

आए दिनों शिक्षकों के अनुपस्थित रहने की जानकारी मिलने पर दोनों ही गांव के ग्रामीण और पालक समिति द्वारा बुधवार को स्कूल पहुंचकर निरीक्षण किया गया। जहां शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल अतरी और भालेवाड़ा स्कूल में बिना सूचना दिए चार शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। जिसकी शिकायत जन शिक्षा केंद्र चरेगांव से की गई। जिस पर जन शिक्षक ने मौके पर पहुंचकर स्कूल का निरीक्षण कर, पंचनामा तैयार किया। वहीं संबंधित शिक्षकों को कारण बताओं नोटिस जारी कर मामले की सूचना उच्च अधिकारियों को दिए जाने की बात कही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कूलों के किए गए इस निरीक्षण मे अतरी स्कूल से एक शिक्षक घनश्याम पाठक व भालेवाड़ा स्कूल से तीन शिक्षक आर के वैध, राजकुमारी दुबे, चित्रेश्वरी राहंगडाले स्कूल से नदारत पाए गए है।जहां जानकारी यह भी मिली कि शिक्षक घनश्याम पाठक बिना सूचना दिए पिछले तीन दिनों से स्कूल नहीं पहुंचे हैं। जिसपर जन शिक्षक चरेगांव द्वारा स्कूलों में उपस्थित शिक्षकों, पालक समिति के अध्यक्ष, सदस्य एवं ग्राम पंचायत के सरपंच के समक्ष पंचनामा तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को दूरभाष में जानकारी दी गई।

आज तक नहीं हुआ टेस्ट

अनुपस्थित शिक्षकों के बारे में सवाल पूछे जाने पर स्कूली छात्र छात्राओं ने पालक समिति व जन शिक्षक को बताया गया कि अतरी में पदस्थ शिक्षक घनश्याम पाठक प्रतिदिन स्कूल नहीं आते जो पिछले 3 दिनों से स्कूल नही आए है। वही भालेवाड़ा स्कूल के शिक्षकों के भी प्रतिदिन स्कूल नहीं आने की जानकारी मिली है।वहीं कुछ छात्राओं ने समिति पदाधिकारी, ग्रामीण, जनप्रतिनिधियों व जन शिक्षक को बताया कि उनके स्कूल में आज तक किसी भी विषय में टेस्ट नहीं लिया गया है और ना ही उनका अब तक पाठ्यक्रम कंप्लीट हो पाया है। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए जन शिक्षक द्वारा संबंधित शिक्षकों के विरुद्ध पंचनामा तैयार कर मामले की जानकारी से उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि पालक समिति और जन शिक्षक द्वारा किए गए इस निरीक्षण में अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों पर वैधानिक कार्रवाई की जाती है या नही। या फिर शिक्षकों के अनुपस्थित रहने का यह सिलसिला आगे भी बदस्तूर जारी रहता है।

बच्चों का भविष्य अंधकार में जा रहा है -मानेश्वर

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्राम भालेवाड़ा निवासी ग्रामीण मानेश्वर रहांगडाले और बंसीलाल उईके संयुक्त रूप से बताया कि कई दिनों से शिकायत मिल रही थी कि शिक्षक स्कूल नहीं पहुंचते हैं। आज आकर देखा गया स्कूल में शिक्षक नहीं है। यहां 05 शिक्षक पदस्थ है जिसमें से 03 शिक्षक बिना सूचना दिए स्कूल से नदारत है। इससे बच्चों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। ऐसे शिक्षकों पर वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए।

ऐसे शिक्षकों पर वैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिए -सरपंच

वही ग्राम पंचायत अतरी के सरपंच जयचंद बिसेन ने बताया कि शिक्षकों की भारी लापरवाही देखी जा रही है जो आए दिनों स्कूल लेट पहुंच रहे हैं तो स्कूल से गायब रहने की भी शिकायत मिल रही है। शिक्षक की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह जब भी छुट्टी पर जा रहे हैं या किसी काम से कहीं जा रहे हैं तो इसकी सूचना देंना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वह कर्तव्य में लापरवाही बरते। ऐसे शिक्षकों पर अतिशीघ्र वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए।

कारण बताओं नोटिस जारी कर, उच्च अधिकारियों से की जाएगी शिकायत- रमेश कुमार

वही शिकायत मिलने पर स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे चरेगांव संकुल जनशिक्षक रमेश कुमार बिसेन ने बताया कि मेरे द्वारा अवलोकन करने पर अतरी स्कूल में एक शिक्षक घनश्याम पाठक अनुपस्थित पाए गए है। जानकारी मिली है कि वह पिछले तीन दिनों से स्कूल नहीं आ रहे हैं। वही भालेवाड़ा स्कूल में भी शिक्षकों के अनुपस्थित रहने की शिकायत मिली है। जिसका वे निरीक्षण करेंगे। आज शिकायत मिलने पर पालक समिति अतरी, ग्राम पंचायत अतरी के सरपंच समक्ष पंचनामा तैयार किया गया है। संबंधितों को कारण बताओं नोटिस जारी कर जवाब तलब किया जाएगा।वहीं इस पूरे मामले पर कार्यवाही के लिए उच्च अधिकारियों को लिखित में भी सूचना दी जाएगी।

अपार आईडी की गतिशीलता में तीव्रता लाने के लिए आयोजित हुई बैठक

डीईओ ने समस्त अशासकीय स्कूलों के प्राचार्यो को किया निर्देशित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बुधवार को जिला शिक्षा अधिकारी ने जिले के समस्त अशासकीय स्कूल प्राचार्यो के साथ अपार आईडी के संबंध में समीक्षा बैठक ली। बैठक में बताया गया कि युडाइसी पोर्टल पर आधारित कक्षा 1 से 12 में अध्ययनरत छात्रों की आटोमेटेड परमानेंट एकाडमिक एकाउंट रजिस्ट्री (अपार आईडी) बनाया जाना है। जिस पर शासकीय विद्यालयों में अपार आई डी बनाये जाने की

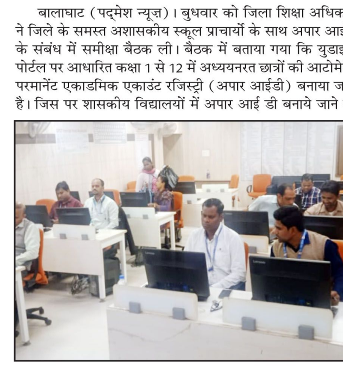

प्रक्रिया संतोषजनक स्थिति में है, किन्तु अशासकीय विद्यालयों की अपार आई डी बनाये जाने की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई जा रही है, जिससे जिले की रैंकिंग प्रभावित हो रही है। बैठक में समस्त अशासकीय प्राचार्यो को आपार आईडी निर्माण की समीक्षा स्कूलवार करने, नामांकन, एनएएस कक्षा 3 एवं 6,9, सीएम हेल्पलाइन की तथा छात्रवृति की समीक्षा निर्धारित की गई। बैठक में अपार आईडी निर्माण की पूरी प्रक्रिया समस्त प्राचार्यो को समझायी गई। जिसमे अपार आईडी निर्माण के लिए स्कूलों को अपार और इसके विशिष्ट उपयोग मामलों को पेश करने, स्कूल अभिभावकों को भौतिक सहमति प्रपत्र उपलब्ध कराने, नाबालिग छात्रों के लिए, माता-पिता को अनुमति प्रपत्र भरकर उस पर हस्ताक्षर करने जैसी विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।

रेत ठेकेदार के कर्मचारियों ने दिनदहाड़े ट्रैक्टर चालक एवं ग्रामीणों पर किया धारदार तलवार से जानलेवा हमला

ग्रामीणों के आक्रोश को देखकर चौपहिया वाहन को छोड़कर भागे रेत ठेकेदार के कर्मचारी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित बजरंग मंदिर चौक के समीप बुधवार को प्रात: १०.३० बजे बिना रायल्टी की बात को लेकर रेत ठेकेदार के कर्मचारियों ने ट्रैक्टर से भसवा (बारिक मिट्टी) लेकर आ रहे चालक को दिनदहाड़े रोककर उसके साथ मारपीट कर धारदार तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान चौक में स्थित ग्रामीणजनों के द्वारा जब ट्रैक्टर चालक के बीच-बचाव करने का प्रयास किया गया तो उन पर भी धारदार तलवार एवं बैट-बल्ले से जानलेवा हमला करने का प्रयास किये तो घटना स्थल में उपस्थितजनों ने ग्रामीणों का बचाव करते हुए रेत ठेकेदार के कर्मचारियों को खदेड़ दिया। यानि की ग्रामीणजनों के आक्रोश को देखते हुए रेत ठेकेदार के दो चौपहिया वाहन से आये १० से १२ कर्मचारियों ने एक वाहन को घटना स्थल पर छोड़कर दुसरे वाहन से फरार हो गये। वहीं ग्रामीणों के बीच-बचाव के चलते ट्रैक्टर चालक की जान बच गई नही तो बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था। जिसके बाद पुलिस घटना स्थल पहुंची और घटना की जानकारी लेने के साथ ही आक्रोशित ग्रामीणजनों को समझाईश दी गई कि आवश्यक कार्यवाही की जायेगी तक जाकर ग्रामीणजनों का आक्रोश शांत हुआ। वहीं इस घटनाक्रम के दौरान रेत ठेकेदार के कर्मचारियों का वाहन भी क्षतिग्रस्त हो चुका है। साथ ही रेत ठेकेदार के कर्मचारियों के द्वारा ट्रैक्टर चालक एवं ग्रामीण पर धारदार तलवार से हमला करने की घटना से आक्रोशित ग्रामीणजनों ने बुधवार को दोपहर २ बजे थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर जिन लोगों ने ट्रैक्टर चालक एवं ग्रामीण पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया है उन्हे गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही एवं ओवरलोड डम्फर के आवागमन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। पुलिस ने प्रार्थी विकास पडवार की शिकायत पर तुलसी शिवहरे, देवा धुर्वे, मोहित रावते सहित अन्य लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा २९६, ११५(२), ३५१(२), १९१(१), १९१(२), १९१(३), ३(५), अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम १९८९ (संसोधन २०१५) की धारा ३(१)द, ध, ३(२)(व्हीए) के तहत मामला पंजीबध्द कर जांच में जुट गई है।

पुलिस ने मारपीट एवं जानलेवा हमला करने करने वालों के खिलाफ किया विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत अमोली में पंचायत के द्वारा नाली का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। जिसमें ट्रैक्टर चालक विकास पडवार बुधवार को प्रात: १०.३० बजे अमोली के समीप से गुजरी सर्राटी नदी से ट्रैक्टर में भसवा (बारिक मिट्टी) लेकर जा रहा था और बजरंग मंदिर चौक पहुंचा था। तभी अचानक रेत ठेकेदार के १० से १२ कर्मचारी दो चौपहिया वाहन से पहुंचे और ट्रैक्टर चालक को रोककर बिना रायल्टी के रेत चोरी कर ला रहा कहकर उसके साथ मारपीट कर धारदार तलवार निकालकर जानलेवा हमला करने लगे। तभी बजरंग मंदिर चौक में खड़े लोग एकत्रित हो गये और चालक पर हमला करते देखकर बीच-बचाव करने दौड़े जिन्हे देखकर रेत ठेकेदार के कर्मचारियों ने अपने वाहन में रखे अन्य धारदार हथियार एवं बैट-बल्ले निकालकर ग्रामीणजनों पर हमला करने का प्रयास किया। तो ग्रामीणजन एकजुट होने के साथ ही आक्रोशित होकर दौड़े तो उन्हे देखकर रेत ठेकेदार के कर्मचारी भाग गये। यदि ग्रामीणजन एकजुट नही होते तो रेत ठेकेदार के १०-१२ कर्मचारी जो दो चौपहिया वाहन से आये थे वे ट्रैक्टर चालक विकास पडवार सहित अन्य ग्रामीण की हत्या या बड़ी घटना को अंजाम दे सकते थे। वहीं यह घटना रेत ले जाने को लेकर होने की बात कही जा रही है। साथ ही वैनगंगा नदी सहित अन्य छोटी नदियों से ग्रामीणजन व पंचायत निर्माण कार्य के लिए रेत लेकर आते है तो उनके साथ रेत ठेकेदार के कर्मचारियों के द्वारा मारपीट की जाती है ऐसे व्यक्तियों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग ग्रामीणजनों ने की है। साथ ही ग्रामीणजनों ने बताया कि अमोली के समीप से गुजरी सर्राटी नदी एवं वैनगंगा नदी नीलाम नही हुई है और ग्रामीणजन इन स्थानों से घरेलु कार्य एवं पंचायत में जारी निर्माण कार्य के लिए रेत, मिट्टीयुक्त रेत व मिट्टी लेकर आते है तो रेत ठेकेदार के कर्मचारियों के द्वारा ट्रैक्टर चालक सहित ग्रामीणजनों को परेशान किया जाता है और रायल्टी की रेत खरीदी करने के लिए दबाव बनाते है एवं मध्यम वर्ग के लोग इतनी महंगी रेत कैसे ले सकता है। जबकि सर्राटी नदी रेत घाट स्वीकृत ही नही है इसलिए ग्रामीणजन अपने उपयोग के लिए रेत लेकर आ रहे है परन्तु रेत ठेकेदार के कर्मचारी उनके साथ मारपीट कर धारदार तलवार से जानलेवा हमला कर रहे है। जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर मारपीट एवं जानलेवा हमले करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर लिया है।

गर्दन में तलवार टीका कर मारने की दी धमकी -

विकास

ट्रैक्टर चालक विकास पडवार ने बताया कि सर्राटी नदी अमोली से सुबह १०.३० बजे ट्रैक्टर में भसवा मिट्टी लेकर पंचायत के नाली निर्माण कार्य में लेकर जा रहा था तभी अमोली बजरंग मंदिर के समीप दो चौपहिया वाहन से रेत ठेकेदार के १० से १२ लोग आये और ट्रैक्टर को रोककर मारपीट करने के साथ ही गर्दन में धारदार तलवार टीका कर मारने की धमकी दे रहे थे। जिसके बाद चौक में उपस्थित ग्रामीणजन बीच-बचाव करने आये उसके बाद वे भाग गये नही तो मेरी हत्या कर देते। श्री पडवार ने बताया कि मेरे साथ पहली बार यह घटना हुई है और मेरे द्वारा नदी से रेत नही मिट्टी लेकर जा रहा था, पुलिस प्रशासन से मांग है कि जिन लोगों ने जानलेवा हमला कर मारपीट किये है उन्हे गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

जानलेवा हमला करने वालों पर सख्त कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - चंद्रकुमार

चंद्रकुमार बसेने ने बताया कि बजरंग मंदिर अमोली चौक में रेत के ठेकेदार के कर्मचारियों (गुर्गों) के द्वारा ट्रैक्टर चालक के साथ मारपीट की जा रही थी, जिसकी जानकारी लगने पर बीच-बचाव करने पहुंचा तो जो गुंडे आये थे वे तलवार सहित अन्य सामग्री लेकर मुझ पर जानलेवा हमला करने का प्रयास करने लगे। जिसके बाद ग्रामीणजन एकत्रित हो गये और उन्हे देखकर भाग गये, अगर ग्रामीणजन बीच-बचाव नही करते तो वे हमारी जान ले सकते थे। श्री बसेने ने बताया कि रेत ठेकेदार के कर्मचारी गांव-गांव घुमकर गरीब लोग जो नदी, नाला से अपने उपयोग के लिए रेत लेकर आते है उन्हे परेशान एवं रूपयों की मांग करते है। जबकि वर्तमान में रेत घाट बंद है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि रेत ठेकेदार के जिन कर्मचारियों ने जानलेवा हमला किया है उन पर सख्त कार्यवाही करें।

ओवरलोड डम्फरों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाये प्रशासन - बालकरण

जनपद सदस्य प्रतिनिधि, पूर्व सरपंच बालकरण पंचेश्वर ने बताया कि अमोली पंचायत में नाली का निर्माण कार्य जारी है और ट्रैक्टर चालक के द्वारा सरकारी निर्माण कार्य के लिए नदी से भसवा मिट्टी एवं रेत लाई जा रही है और वैनगंगा नदी रेत घाट के ठेकेदार के १० से १२ कर्मचारी गुंडागर्दी करते हुए ट्रैक्टर चालक पर धारदार तलवार से जानलेवा हमला कर उसके साथ मारपीट की है। ग्रामीणों के बीच-बचाव के चलते युवक की जान बच गई, इस घटना के बाद से ग्रामीणजनों में भारी आक्रोश व्याप्त है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि कोई रेत घाट स्वीकृत नही हुई है लेकिन रेत ठेकेदार के द्वारा अवैध उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा है और ओवर लोड डम्फरों के आवागन ने नल-जल योजना की पाईपलाईन क्षतिग्रस्त होने के साथ ही दुर्घटनाएं भी होती है। थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर जिन लोगों ने जानलेवा हमला कर मारपीट की है उन पर सख्त कार्यवाही करने एवं ओवरलोड़ डम्फरों के परिवहन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

इनका कहना है

ट्रैक्टर चालक लालबर्रा निवासी विकास पडवार बुधवार को ट्रैक्टर में भसवा बारिक मिट्टी लेकर जा रहा था तभी दो चौपहिया वाहन से आये लोगों ने उसके साथ मारपीट कर जानलेवा हमला करने का प्रयास किया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर तुलसी शिवहरे, देवा धुर्वे, मोहित रावते सहित अन्य लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर लिया गया है एवं मामले की जांच कर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

हेमंत नायक
थाना प्रभारी
लालबर्रा

घोटी में सांई रथ का किया गया भव्य स्वागत

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग ६ किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी में बुधवार को सांई रथ यात्रा पहुंची जिसका श्री सत्य सांई सेवा समिति एवं ग्रामीणजनों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। यह सांई रथ यात्रा पुरे ग्राम का भ्रमण की, इस दौरान ग्रामीणजनों ने अपने-अपने आंगन में रंगोली, माला एवं श्री सत्य सांई बाबा की फोटो एवं आरती की थाल सजाकर रखे थे और जब सांई रथ ग्रामीणजनों के मकानों के सामने से गुजरी तो ग्रामीणजनों ने दीप जलाकर रथ का स्वागत किया एवं रथ में विराजमान श्री सत्य सांई बाबा की चरण पादुका एवं उनकी प्रतिमा की पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित किये। वहीं इस रथ यात्रा में शामिल श्रध्दालुजनों ने सांई भजन का भी गायन किया जिससे पूरा ग्राम भक्तिमय नजर आया। चर्चा में श्री सत्य सांई समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गत दिवस से लालबर्रा विकासखण्ड के ग्रामों में सांई रथ यात्रा पहुंच रही है जिसका ग्रामीणजनों के द्वारा स्वागत किया जा रहा है एवं रथ में रखे श्री सत्य सांई बाबा की चरण पादुका की पूजा अर्चना करना धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। साथ ही इस रथ यात्रा के माध्यम से बाबा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर अमित तिवारी, गोलू केकती, शैलेश आश्वले, आशीष खैरवार, प्रकाश देशमुख, मानिकराम चौधरी, तीरथ बिसेन, राजेंद्र देशमुख, टूपेन्द्र देशमुख, सीताराम गजबे, वासुदेव लानगे, तानसेन देशमुख, चेतन गौतम, गजेन्द्र अंगूरे, नेतराम गजबे, लक्ष्मण वाघाड़े सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

धरना प्रदर्शन कर रहे किसानों ने उपज विक्रय करने पहुंचे किसान को धान के साथ किया वापस

सरकार के खिलाफ किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त, ३१०० रूपये धान का समर्थन मूल्य की मांग पर अड़े किसान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। सरकार की वादाखिलाफी एवं धान का समर्थन मूल्य ३१०० रूपये दिये जाने की मांग को लेकर लालबर्रा विकासखण्ड में बनाये गये धान खरीदी केन्द्रों में किसानों के द्वारा गत २ दिसंबर से धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सेवा सहकारी समिति घोटी की उपकेन्द्र टेंगनीकला को भी धान का खरीदी केन्द्र बनाया गया है जहां समिति के कर्मचारियों के द्वारा समर्थन मूल्य २३०० रूपये में धान खरीदी करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। साथ ही किसानों के द्वारा समिति केन्द्र के सामने बैठकर ३१०० रूपये धान का समर्थन मूल्य देने की मांग को लेकर २ दिसंबर से धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। बुधवार को एक किसान पिकअप वाहन में धान विक्रय करने के लिए टेंगनीकला खरीदी केन्द्र पहुंचा था जहां धरना प्रदर्शन कर रहे किसानों ने उक्त किसान को देखकर आक्रोशित हो गये और उससे कहा कि जिलेभर में किसानों के द्वारा धान का समर्थन मूल्य ३१०० रूपये दिये जाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन किया जा रहा है। बावजूद उसके उपज विक्रय करने समिति क्यों आये इसी बात हो लेकर किसान एवं धरना प्रदर्शन कर रहे किसानों के बीच में विवाद की स्थिति निर्मित हो गई और उपज विक्रय करने आये किसान को वापस कर दिया यानि खदेड़ दिया। इस तरह से किसान समर्थन मूल्य की मांग एवं उपज विक्रय करने को लेकर आमने-सामने हो गये है परन्तु किसानों के विरोध को देखते हुए उपज विक्रय करने पहुंचे किसान बिना विक्रय किये वापस हो गया। इस तरह से सरकार की वादाखिलाफी एवं धान का समर्थन मूल्य ३१०० रूपये दिये जाने की मांग को लेकर किसान-किसान के बीच में विवाद की भी स्थिति निर्मित हो रही है परन्तु शासन-प्रशासन के द्वारा उनकी मांगों की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही खरीदी प्रारंभ हुए तीन दिन बीत जाने के बाद भी एक भी खरीदी केन्द्र में धान खरीदी का कार्य शुरू नही हो पाया है एवं किसान अपनी मांगों पर अड़े है। इस अवसर पर धरना प्रदर्शन कर रहे किसानगण उपस्थित रहे।

मांगे पूरी नही होने पर करेगें आंदोलन - गेंदलाल

दूरभाष पर चर्चा में धरना प्रदर्शन कर रहे किसान गेंदलाल कारे ने बताया कि विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में भाजपा के बड़े नेताओं ने घोषणा की थी कि भाजपा की सरकार बनेगी तो धान का समर्थन मूल्य ३१०० रूपये, गेंहू का २७०० रूपये एवं कृषि कार्य के लिए २४ घंटे बिजली दी जायेगी। जिनकी बातों पर विश्वास कर किसानों ने मतदान किया और प्रदेश एवं केन्द्र में भाजपा की सरकार बन चुकी है लेकिन सरकार अपने वादे को पूरा नही किया है। जिससे किसानों में सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त है और वर्तमान में २ दिसंबर से २३०० रूपये समर्थन मूल्य प्रति क्विं. की दर से धान खरीदी की जा रही है जो गलत है। साथ ही यह भी बताया कि धान का समर्थन मूल्य ३१०० रूपये प्रति क्विं., गेंहू २७०० रूपये एवं बोनस की राशि ९१७ रूपये दिये जाने की मांग को लेकर २ दिसंबर से किसानों के द्वारा खरीदी केन्द्रों में सामने धरना प्रदर्शन किया जा रहा है और किसानों से अपील है कि कोई भी अपनी उपज विक्रय न करें एवं किसानों का समर्थन भी मिल रहा है। श्री कारे ने बताया कि बुधवार को एक किसान टेंगनीकला में बनाये गये खरीदी केन्द्र में अपनी उपज विक्रय करने आया था जिससे किसान आक्रोशित हो गये एवं उनके साथ बहस हुई और इस दौरान उसे समझाईश दी गई है कि किसानों की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे है इसलिए उपज विक्रय न करें एवं उन्हे वापस कर दिया। सरकार से मांग है कि हमारी मांगों को जल्द पूरा करें नही तो उग्र आंदोलन किया जायेगा।

वार्षिक बोर्ड पैटर्न पर होगी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूल की अर्ध्दवार्षिक परीक्षा 9 से

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार आगामी ९ दिसंबर से हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल की अर्ध्दवार्षिक परीक्षा शुरू होने वाली है और इस वर्ष यह परीक्षा वार्षिक बोर्ड परीक्षा की तरह संपन्न होगी। जिसकी तैयारी शिक्षा विभाग के द्वारा की जा रही है। वहीं स्कूल के प्राचार्य भोपाल स्तर से प्राप्त हुए परीक्षा के प्रश्नपत्र एवं गोपनीय सामग्री को स्थानीय थानों में जमा कर परीक्षा तिथि के दिन प्रश्नपत्र लेकर जायेगें और परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तरपुस्तिका जमा करने के लिए बनाये गये केन्द्रों में जमा करेगें। जिसके बाद उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन के लिए अन्य विद्यालय भेजा जायेगा यानि की यह अर्ध्दवार्षिक परीक्षा पुरी तरह से वार्षिक बोर्ड परीक्षा की तरह ही संपन्न होगी। इसी कड़ी में लालबर्रा विकासखण्ड में स्थित शासकीय हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्राचार्य बालाघाट से अर्ध्दवार्षिक परीक्षा की सामग्री प्राप्त कर उसे लालबर्रा थाना में जमा कर रहे है और बुधवार को शासकीय हाई स्कूल टेंगनीखुर्द के शिक्षकगण अर्ध्दवार्षिक परीक्षा की सामग्री थाने में जमा किये है। इसी तरह अन्य स्कूलों के प्राचार्य एवं शिक्षकगण भी पुलिसकर्मियों की उपस्थिति में भोपाल स्तर से प्राप्त हुए प्रश्नपत्र को जमा कर रहे है और जिस विषय का पेपर जिस तिथि पर होगी उस दिन परीक्षा शुरू होने के एक घंटे पुर्व थाना पहुंचकर प्रश्नपत्र सहित अन्य सामग्री लेकर स्कूल पहुंचेगें और कक्षा ९ से १२ वीं तक के छात्र-छात्राओं की परीक्षा ली जायेगी। साथ ही परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तरपुस्तिकाओं को लालबर्रा सीएम राइज स्कूल में रखा जायेगा और अर्ध्दवार्षिक परीक्षा संपन्न होने के बाद मूल्यांकन के लिए उत्तरपुस्तिकाओं को स्कूल में भेजा जायेगा। इस तरह से इस वर्ष वार्षिक बोर्ड परीक्षा की तरह अर्ध्दवार्षिक परीक्षा होने से छात्र-छात्राओं के मन में बोर्ड परीक्षा कर डर बना रहता है वह दूर होगा और वे अच्छी पढ़ाई कर परीक्षा की तैयारी कर वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो सकते है। इसी मंशा को लेकर लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूल की अर्ध्दवार्षिक परीक्षा शिक्षा विभाग के द्वारा ली जा रही है और पूर्व में अर्ध्दवार्षिक परीक्षा स्कूल के शिक्षकों के द्वारा तैयार किये गये प्रश्नपत्र के आधार पर ली जाती थी परन्तु इस वर्ष भोपाल स्तर से प्राप्त हुए प्रश्नपत्र से अर्ध्दवार्षिक परीक्षा संपन्न होगी। चर्चा में शिक्षक प्रकाश नगपुरे ने बताया कि ९ दिसंबर से हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल की अर्ध्दवार्षिक परीक्षा शुरू होने वाली है, परीक्षा की सामग्री को थाना में जमा कर रहे है और इस वर्ष वार्षिक बोर्ड परीक्षा की तरह अर्ध्दवाषिक परीक्षा ली जायेगी एवं परीक्षा तिथि पर थाने में प्रश्नपत्र लेकर जायेगें उसके बाद परीक्षा संपन्न करवाई जायेगी।

किसान देश की रीढ़ हैं, सरकार अपना वादा निभायें - अनुभा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। धान का समर्थन मूल्य ३१०० रूपये दिये जाने की मांग को लेकर किसानों के द्वारा गत २ दिसंबर से धरना प्रदर्शन किया जा रहा है जो तीसरे दिन भी जारी रहा। बुधवार को बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जाम स्थित सेवा सहकारी समिति केन्द्र में धरना प्रदर्शन कर रहे किसानों के बीच पहुंची और धरना प्रदर्शन को समर्थन देते हुए कहा कि १६ दिसंबर से शीतकालीन सत्र शुरू हो रही है जिसमें विधानसभा का घेराव कर किसानों की मांगों को उठाया जायेगा। साथ ही यह भी कहा कि किसान हमारे देश की रीढ़ हैं और रीढ़ को जिस तरह से प्रदेश व देश की बीजेपी सरकार प्रताड़ित व परेशान कर रही वह बहुत चिंतनीय हैं। किसानों से किये गये वादे को प्रदेश सरकार पूरा नही कर रही है जो गलत है। आपकों बता दे कि बालाघाट विधानसभा के लालबर्रा क्षेत्र के जाम, बहेगांव, सिहोरा, कंजई सहित अन्य स्थानों पर धान की दर ३१०० रूपये प्रति क्विं. देने की मांग को लेकर किसानों द्वारा धान खरीदी केन्द्र पर ही धरना प्रदर्शन किया जा रहा हैं। इस प्रदर्शन स्थल पर विधायक अनुभा मुंजारे पहुंची और उन्होने किसानों के साथ धरना देकर अपना समर्थन दिया। विधायक श्रीमती मुंजारे ने कहा कि आज के दौर में किसान अपने हक व अधिकार के लिए सचेत है और अब वे मैदान में उतर गये हैं। किसानों का यह आंदोलन सही भी हैं क्योंकि जिन किसानों के भरोसे प्रदेश में बीजेपी सरकार काबिज हुई वह उन किसानों को भुलाने का कार्य कर रही हैं। साथ ही यह भी कहा कि कि प्रदेश की सरकार जिन मुददों पर काबिज हुई थी उसमें दो प्रमुख मुद्दे है जिसमें प्रथम मुद्दा लाड़ली बहनाओं को ३ हजार रूपये हर महीने देने का और किसानों की धान की उपज को ३१०० रूपये प्रति क्विं., गेहूं २७०० रूपये व सोयाबीन ६ हजार रूपये प्रति क्विं. तथा उज्जवला योजना की बहनों को ४५० रूपये में गैस उपलब्ध करवाना शामिल थे। लेकिन साल बीत गये पर प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार ने इस वादा को पूरा नहीं किया हैं। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि प्रदेश की सरकार ने अपना एक भी वादा को पूरा नहीं किया हैं एवं २ दिसंबर से धान की खरीदी प्रारंभ हो गई हैं। धान की दर को लेकर किसानों से किसी तरह का विचार-विमर्श नहीं किया गया और ना ही किसानों को भरोसा में लिया गया और सीधे खरीदी की तारीख नियत कर खरीदना प्रारंभ कर दिया गया हैं। किसान अपनी उपज का सही दाम मांग रहे हैं और सरकार को उनका वादा याद दिलाते हुए ३१०० रूपये की दर दिये जाने की मांग कर रहे हैं और किसानों का हमारा पूरा समर्थन है। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि किसानों के हर लड़ाई में हम साथ हैं, किसान जिस तरह से भी लड़ाई जारी रखेगें हमेशा समर्थन रहेगा और आगामी १६ दिसंबर से प्रदेश का शीतकालीन सत्र प्रारंभ होने जा रहा हैं। इस सत्र में विधानसभा का घेराव व किसानों की मांग को पुरजोर तरीके से उठाया जायेगा। इस अवसर पर विधायक श्रीमती मुंजारे सहित अन्य कार्यकर्ता एवं किसानगण उपस्थित रहे।

कोस्ते खरीदी केंद्र में किसानों का धरना आंदोलन प्रारंभ

सरकार २३०० के लॉलीपॉप की जगह घोषणा को पूरा करें-कृषकगण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कोस्ते की सेवा सहकारी समिति स्थित समर्थन मूल्य पर धान खरीदी केंद्र के रास्ते पर किसानों के द्वारा टेंट लगाकर धरना आंदोलन प्रारंभ कर दिया गया है। सरकार के द्वारा दिए जा रहे २३०० रुपये के समर्थन मूल्य का विरोध कर चुनाव में की गई घोषणा ३१०० रुपये प्रति क्विंटल धान का समर्थन मूल्य दिए जाने की मांग की जा रही है। यह धरना आंदोलन किसानों के द्वारा किसान गर्जना संगठन के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद कर किया जा रहा है। जिसमें संगठन से जुड़े किसान और अन्य किसान भी साथ में आकर आंदोलन में आवाज बुलंद कर रहे हैं। वहीं खरीदी केंद्रो में किसानों को धान देने से रोक कर उन्हें अपनी हक की लड़ाई लड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। यह धरना आंदोलन १ दिसंबर से किसान गर्जना संगठन के माध्यम से प्रारंभ किया गया है। उसके बाद से लगातार खरीदी केंद्रो में धरना आंदोलन प्रारंभ होते जा रहे हैं। इसी कड़ी में ४ दिसंबर को कोस्ते के किसानों के द्वारा खरीदी केंद्र के सामने धरना आंदोलन प्रारंभ किया गया। जो सुबह १० बजे से टेंट एवं फ्लेक्स लगाकर बैठे हुए हैं वह विभिन्न प्रकार के नारे लगाते हुए शासन को उनके द्वारा की गई विधानसभा चुनाव की घोषणा याद दिलाते हुए उसे पूरा करने की मांग की जा रही है।

शासन के द्वारा की जा रही वादा खिलाफी के खिलाफ में विरोध किया जा रहा है

किसानों के खरीफ की धान की उपज खरीदने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा वारासिवनी अंतर्गत २१ उपार्जन केंद्र की स्थापना करवाई गई है। जहां पर किसान अपनी उपज लेकर बेचने के लिए नहीं जा रहे हैं ,जहां पर सन्नाटा पसरा हुआ है तो वहीं खरीदी केंद्र के उपकरण यथावत रखे हुए हैं। इस प्रकार भी किसानों के द्वारा अपने घरों में रहकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है तो वहीं कई किसानों के द्वारा खरीदी केंद्रो के सामने लगे टेंट में बैठकर धरना दिया जा रहा है। इस दोनों स्थिति में उपार्जन केंद्र खाली पड़े हुए हैं जहां पर खरीदी के तीसरे दिन भी किसी किसान के द्वारा अपनी उपज प्रशासन को नहीं दी गई। इसी से किसानों में आक्रोश व्याप्त हो रहा है तो वहीं समिति को धान देने से पहले होने वाली स्लॉट बुकिंग भी किसानों के द्वारा नहीं की जा रही है। इस प्रकार से किसानों के द्वारा शासन के द्वारा की जा रही वादा खिलाफी के खिलाफ में विरोध किया जा रहा है।

जब तक किसानों की मांग पुरी नहीं होगी आंदोलन चलता रहेगा-धनलाल ठाकरे

किसान धनलाल ठाकरे ने बताया कि चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के द्वारा ३१०० रुपये प्रति क्विंटल धान का समर्थन मूल्य देने के लिए घोषणा की गई थी। इसके बाद हमारा एक सीजन बीत गया समर्थन मूल्य नहीं दिया गया फिर दूसरे चुनाव में फिर से समर्थन मूल्य देने की बात कही गई सरकार बनने के बाद वह फिर नहीं दिया गया। इस प्रकार की वादा खिलाफी के खिलाफ किसानों ने अपनी मांग रखा है कि ३१०० रुपये प्रति क्विंटल धान का समर्थन मूल्य जब तक नहीं देंगे तब तक किसान आंदोलन करता रहेगा। बाकी किसानों का भी इस आंदोलन को समर्थन है जिस कारण से किसान अपनी धान खरीदी केंद्रो में लेकर नहीं आ रहे हैं।

सरकार किसानों को लॉलीपॉप दे रही है-सत्यप्रकाश बिसेन

किसान सत्यप्रकाश बिसेन ने बताया कि विधानसभा चुनाव में घोषणा पत्र में भाजपा ने कहा था की धान का ३१००, गेहूं का २७०० रुपये समर्थन मूल्य सरकार देगी और फिर वादे से भटकी गयी। उसके बाद लोकसभा चुनाव में हमने मांग किये तो सरकार के नेताओं ने कहा इसे हम आगे देंगे। किंतु आज भी यह हमें २३०० रुपये के रूप में बेवकूफ बना रहे हैं। जबकि हमें अपनी मेहनत का वाजिब दाम मिलना चाहिए इसलिए मांग कर रहे हैं और जब तक नहीं मिलेगा तब तक प्रदर्शन चलता रहेगा। यह लोग किसान को २३०० रुपये के रूप में लॉलीपॉप दे रहे हैं ,मुख्यमंत्री अभी बालाघाट आए एक शब्द उन्होंने किसानो के लिए नहीं कहा चुनाव के समय तो बहुत वादा किया था। यह आंदोलन १० दिसंबर तक चलना है और उसके बाद फिर आगे आंदोलन को बढ़ाया जायेगा।

सरकार अपनी कुर्सी बचाने लोगों को आलसी बना रही है-जियालाल भौरगढ़े

किसान जियालाल भौरगढ़े ने बताया कि सरकार अपनी कुर्सी बचाने लाडली बहन योजना में रुपये बाटकर लोगों को आलसी बना रही है। शिक्षित बेरोजगार आज डिग्री लेकर रोड़ पर घूम रहे हैं परंतु किसी की भी किसी प्रकार की सुनवाई नहीं हो रही है। किसान गर्जना किसान के हित में आंदोलन कर रहा है सरकार अपनी बातों से मुकर गई है अपने वादे पर खड़ी नहीं है। ऐसी सरकार जो मुकर जाती है उस पर हमारा भरोसा नहीं है। हम सेवा सहकारी समिति के उपार्जन केंद्र में धान नहीं देंगे जब तक सरकार हमें ३१०० रुपये का दाम नहीं देगी। किसानों में बहुत आक्रोश है हम शांति पूर्वक अपनी मांग को पुरा करवाना चाहते हैं।

किसान अपनी मांगों को पूरा करने कर रहे है धरना प्रदर्शन

किसानों के हित में बड़ी बड़ी बाते करने वाले भाजपा नेता आएं सड़क पर-विवेक पटेल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सरकार के द्वारा ३१ सौ रूपये प्रति क्विंटल धान खरीदी की मांग को लेकर वारासिवनी खैरलाँजी क्षेत्र के किसान खरीदी केंद्र के सामने पंडाल लगाकर धरने पर बैठे है। २ दिसंबर से किसानों का धरना प्रदर्शन प्रारंभ हुआ जो बुधवार को भी जारी रहा। जिसके धान खरीदी केंद्रों में सन्नाटा दिखाई दिया और क्षेत्र के एक भी किसान अपनी धान लेकर खरीदी केंद्र नही पहुँचे। जिन किसानों के द्वारा स्लॉट बुक कराए गए थे वे भी किसान धान लेकर खरीदी केंद्र पर नहीं पहुंचे । मंगलवार को प्रदेश के मुखिया मोहन यादव बालाघाट स्वदेशी मेले में पहुंचे थे। मगर उनके द्वारा भी किसानों को कोई आश्वासन नहीं दिया गया। जिससे किसानों का आक्रोश और बढ़ रहा है ,जब बालाघाट जिले के पत्रकारों ने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से सवाल पूछा तो उन्होंने मीडिया को किनारा करते हुए वहां से चले गए। इससे समझ आता है कि प्रदेश की सरकार किसानों के हित में कोई भी कार्य नहीं कर रही है। जबकि चुनाव के समय भारतीय जनता पार्टी ने किसानों की हित को लेकर अपना घोषणा पत्र जारी किया था। जिसमें मोदी की गारंटी का नाम दिया गया था और ३१ सौ रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से धान और २७ सौ रुपये के हिसाब गेहूं खरीदने की बात कही थीं। मगर भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को किनारा करते हुए अपने वादों को पूरा नहीं किया। जिससे किसानों में और आक्रोश दिखाई दे रहा है और किसानो के द्वारा खरीदी केंद्रों के सामने शांति पूर्वक धरना दिया जा रहा है। वहीं क्षेत्र के किसान भाजपा सरकार से अपना वादा पूरा करने की मांग कर रहे है। प्रदेश सहित जिले के हजारों किसानो ने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को किसी ना किसी के माध्यम से धान का ३१ सौ रूपये प्रति क्विंटल खरीदने के लिए ज्ञापन दिया था। वहीं पूर्व विधायक के द्वारा भी ज्ञापन दिया गया। वहीं क्षेत्र के किसानो के द्वारा पूर्व विधायक के द्वारा चुनाव के पूर्व जारी घोषणा पत्र सोशल मीडिया पर जमकर वायरल किया जा रहा है और उनसे सवाल किया जा रहा कि आपके द्वारा दिया गया घोषणा पत्र का वादा कब पूरा किया जाएगा । और जब किसान धरने पर बैठे हैं तो सत्ताधारी पक्ष के नेता किसानों से क्यों दूरी बनाए बैठे हुए है। विधायक विवेक पटेल ने कहा की २ दिसंबर से धान खरीदी शुरू हो गई है मगर किसान अपनी धान बेचने की बजाय खरीदी केंद्रो के सामने पंडाल लगाकर धरने पर बैठे हुए है। और सबकी इक्षा है की भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव के पूर्व जो घोषणा की थी कि हम चुनाव जीतने के बाद ३१ सौ रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से किसानों की धान खरीदेंगे । मगर मंगलवार को स्वदेशी मेले में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बालाघाट पहुंचे थे । मगर उनके द्वारा किसानों के हित में कोई भी आश्वासन उनके द्वारा नहीं दिया गया । जिले का किसान उनकी ओर टकटकी लगा के देख रहा था कि किसानों के बारे में प्रदेश के मुख्यमंत्री कुछ कहेंगे । मगर मुख्यमंत्री ने किसानों के बारे में कुछ ना कहते हुए उन्हें निराश करते हुए वहां से चले गए । विधायक पटेल ने कहा कि किसान अपनी धान बेचने धान खरीदी केंद्र नहीं जा रहा है वे चाहते हैं कि सरकार ने जो घोषणा किया था वह पूरा करें । मैं हमेशा किसानों के साथ खड़ा हूं सड़क से लेकर विधानसभा तक में किसानों के हित में लड़ाई लड़ता रहूंगा।

नहर की हालत खस्ताहाल किसान परेशान

नहर की साफ सफाई व खेतों तक पानी पहुंचाने किसान कर रहे मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खंडवा में किसानों को खेतों में पानी नहर के माध्यम से बमुश्किल ही मिल पा रहा है। जिसको लेकर उनके द्वारा नहर की खस्ताहाल हालात को जिम्मेदार बताया जा रहा है, जिसकी साफ सफ ाई और मरम्मत कई वर्षों से नहीं की गई है। जिस कारण से पानी भी बहुत मुश्किल से आता है तो वहीं पर्याप्त पानी खेतों तक नहीं पहुंच रहा है। जिसमें कुछ स्थान तो ऐसे है जहां पर पानी ही नहीं आता है परंतु सिंचाई विभाग के अधिकारी पानी का टैक्स लेने के लिए पहुंच जाते हैं। जिसको लेकर अनेकों बार ग्रामीणों के द्वारा अधिकारियों को शिकायत की गई है । परंतु वर्तमान तक समस्या का समाधान किसी भी अधिकारी के द्वारा नहीं किया गया है। ऐसे में किसान केवल परेशान हो रहे हैं जिसमें कई किसान रबी की फसल लगाने से भी वंचित नजर आ रहे हैं । इस परिस्थिति में किसानों के द्वारा नहर की साफ सफाई और व्यवस्था बनाकर पानी छोड़ने की बात कही जा रही है। ताकि सभी किसान अपनी खेती से बेहतर फसल ले सके।

राजीव सागर नहर परियोजना से निकला है माइनर

सीतेकसा बांध का पानी राजीव सागर परियोजना की नहर के माध्यम से सिंचाई के लिए दिया जाता है। यह नहर खापा तक आती है जहां पर ओपन केप के पास से एक माइनर ग्राम खंडवा की तरफजाता है जिसके माध्यम से खापा और खंडवा के किसान अपनी भूमि की सिंचाई करते हैं। परंतु देखने में आ रहा है कि ग्राम खंडवा में आने वाली नहर की हालात बहुत ज्यादा खराब हो गई है । जहां पर विभिन्न प्रकार की झाड़ियां नहर के अंदर उग चुकी है तो वहीं पेड़ पौधे भी पनपने लगे हैं। जिसके कुलपे भी जगह जगह से बंद हो गए है यह नहर बहुत गहरी खापा में है जिस कारण से बहुत कम पानी खापा से खंडवा की ओर जाता है। वह भी झाड़ियों के कारण तेजी से आगे नहीं बढ़ पाता है और अंतिम छोर तक नहीं पहुंचता है । इस दौरान बीच में खंडवा के किसान लोगों को भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है। ऐसे में उन्हें भगवान के भरोसे रहना पड़ता है तो वहीं दूसरे साधन भी तलाश ने होते हैं जिससे लोग बहुत ज्यादा परेशान है और लगातार उनके द्वारा सिंचाई विभाग को शिकायत की जा रही है। कई शिकायत के बाद भी समस्या यथावत बनी हुई है जिसका निराकरण आज तक नहीं किया गया है । इस दौरान सिंचाई का निर्धारण टैक्स तो विभागीय अधिकारियों के द्वारा समय पर किसानों से वसूल कर लिया जाता है। परंतु पानी पहुंचाने की जिम्मेदारी किसी के द्वारा पूरी नहीं की जा रही है।

रबी की फसल से वंचित हो रहा है किसान

किसानों के लिए राजीव गांधी नहर परियोजना खापा के ओपन केप से खंडवा के आखरी टोली तक बनी हुई है। परंतु पानी ग्राम खंडवा की बस्ती तक भी बड़ी मुश्किल से पहुंच पा रहा है ,इस दौरान बस्ती से लगे खेतों में यह पानी की बहुत ज्यादा समस्या बनी हुई है। जहां के अधिकांश किसान दोनों फसल को लगाते हैं परंतु पानी के अभाव में वह अब रबी फसल लगाने के लिए वंचित हो रहे हैं या चिंतन कर रहे हैं कि क्या किया जाए। क्योंकि उन्हें डर सता रहा है कि समय रहते उन्हें आवश्यकता का पानी नहीं मिला तो परेशानी होगी ऐसे में किसान वंचित होते नजर आ रहे हैं। जिनके द्वारा समय रहते विभाग से पानी की व्यवस्था और साफ सफाई कर नहर की मरम्मत करने की मांग की जा रही है।

सिचांई विभाग नहरों की साफ सफाई नही करता है-दुर्गाप्रसाद सिंघई

किसान दुर्गाप्रसाद सिंघई ने बताया कि नहर में बहुत ज्यादा कचरा हो गया है पानी नहीं मिल पाता है और सही ढंग से पानी हमें नहीं मिल रहा है। ३ दिन पानी आता है परंतु पर्याप्त पानी नहीं हो पता है इधर पानी आगे नहीं बढ़ता है बहुत ज्यादा लड़ाई किसानों के बीच होती रहती है। जो पानी है उसमें प्रेशर नहीं होने के कारण वह आगे नहीं बढ़ता है बहुत ही मुश्किल से नहर में थोड़ा दूर तक पानी आता है और यहां जो खेत है उन्हें पानी नहीं मिल पाता है। अब रबी की फसल जब हम लगाएंगे तो उसके लिए जागना पड़ेगा । तब जाकर हमें पानी मिल पाएगा हम चाहते हैं कि पर्याप्त पानी मिले नहर की साफ सफाई हो अभी देख सकते हैं कितना कचरा है।

किसानों को पानी ही नही मिलता तो पैसा किस बात का देंगे-गौरीशंकर मानेश्वर

किसान गौरीशंकर मानेश्वर ने बताया कि नहर के पानी की बहुत बड़ी समस्या है हमारा खेत नहर के किनारे लगा है पर पानी नहीं आता है। साफ सफाई नहर में नहीं है कचरा बहुत है जिस कारण भी पानी नहीं आता है चार दिन पानी दिया जाता है जिसमें एक दिन पानी ठीक मिलता है। अब हम रबी लगाने के लिए सोच रहे हैं कि कैसे लगाएंगे यदि पानी समय पर नहीं मिला तो नुकसान होना है और स्थिति यह है कि केवल जमीन गीली होती है। पैसा तो यह समय पर लेने के लिए आ जाते हैं उन लोगों को बोलते हैं गांव के लोगो को पानी नहीं मिला तो पैसा किस बात का देगें और शिकायत भी कियें परंतु आज तक किसी शिकायत का निराकरण नहीं हुआ।

रबी फसल लगाने नही मिल रहा किसानों को पानी-दुर्गेश पटले

दुर्गेश पटले ने बताया कि नहर की समस्या और खेतों में पानी नहीं आता है खापा वाले जो है पानी रोक लेते हैं। जबकि कृषि हमारा काम है धान पकाने में बहुत समस्या होती है रबी लगाना बहुत सारे किसानों को है पर पानी की समस्या बनी हुई है। बुवाई कर लिए है बस वह पानी को देख रहे हैं नहर में कोई साफ सफाई नहीं है। नहर का पानी सभी को पर्याप्त रूप से मिलना चाहिए जिसकी शिकायत भी कियें पर कोई समस्या का समाधान नहीं कर पा रहा है। रात रात भर जागकर पानी की व्यवस्था कर रहे हैं।

शारदा प्रसाद नगपुरे को ६ माह का सश्रम कारावास

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी न्यायालय की न्यायधीश सुश्री नेहा बाथरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत ने बेटियों के जन्म पर आक्रोशित होते हुए पत्नी को प्रताड़ित करने वाले पति शारदा प्रसाद नगपुरे को ६ महीने के सश्रम कारावास एवं ५००रुपये के अर्थ दंड से दंडित कर सजा सुनाई । प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता का विवाह १ अप्रैल २०११ को सामाजिक रीति रिवाज अनुसार ग्राम भेण्डारा निवासी शारदाप्रसाद के साथ मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के अंतर्गत हुआ। विवाह उपरांत उसके घर में ३ बेटियों ने जन्म लिया पीड़िता का पति शारदाप्रसाद उसकी दूसरी बेटी का जन्म होने के बाद कहता था कि दो लड़की हो गयी है उसके पास जमीन जायदाद और पैसा नहीं कहकर मारपीट करता था। जो कहता था कि अपने पिता के घर से एक लाख रूपये एवं पांच तोला सोना लेकर आओ नही तो उसके घर से चले जाओ। वह लड़की की शादी ब्याह कैसे करेगा कहकर रोज शराब पीकर मारपीट करता था उसकी सास व ससुर घर पर ही रहते थे परंतु उसके पति को कुछ नहीं बोलते थे। उसे पुत्री हुई तो अभियुक्त उसे पांच माह तक मानसिक एवं शारीरिक रूप से परेशान करने लगा। पीड़िता का पति शारदाप्रसाद ने उसे तीनों बच्चो सहित मायके में छोड़ दिया और कहा कि एक लाख रूपये और पांच तोला सोना लेकर आना अन्यथा मत आना कहकर चले गया। जिसके बाद पीड़िता ने परिवार परामर्श केन्द्र बालाघाट में शिकायत की जहां अभियुक्त नहीं माना। उसके पश्चात् पीड़िता के द्वारा रिपोर्ट दर्ज की गई पीड़िता की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस थाना रामपायली द्वारा प्रकरण में आवश्यक विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद यह प्रकरण वारासिवनी न्यायालय की न्यायाधीश सुश्री नेहा बाथरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत में विचाराधीन था। जहाँ आरोपी शारदा प्रसाद पिता गणेशलाल नगपुरे निवासी ग्राम भेण्डारा थाना रामपायली का दोष सिद्ध होने पर उसे भादवी की धारा ४९८ के अपराध में ६ माह के सश्रम कारावास एवं ५०० रूपये के अर्थदंड एवं अर्थदण्ड राशि अदायगी के व्यतिक्रम में १ माह का साधारण कारावास से दंडित किया गया। अभियोजन की ओर से पैरवी ऋतुराज कुमरे सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी वारासिवनी के द्वारा की गई।

हवन पूजन के साथ भागवत कथा का हुआ समापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गर्रा के अंतर्गत ब्राह्मणटोली में २७ नवंबर से संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण साप्ताहिक यज्ञ का आयोजन किया गया। कथा को हवन पूजन के साथ ३ दिसंबर को विराम दिया गया। कथा का वाचन चित्रकूट सतना से पधारे पंडित परमानंद त्रिपाठी की ओर से दोपहर १२ बजे से शाम ४ बजे तक किया गया। वहीं २८ नवंबर को धुर्व चरित्र, २९ नवंबर को वामन अवतार की कथा सुनाई। ३० नवंबर को श्रीकृष्ण अवतार में भगवान की बाल लीला और एक दिसंबर को रुक्मणी विवाह, गोवर्धन की कथा का विस्तृत वर्णन कथा में बताया गया। २ दिसंबर को सुदामा चरित्र, गीता ज्ञान, ३ दिसंबर को हवन पूजन के साथ कथा को विराम और दहीकला विसर्जन व भंडारे का आयोजन कर सैकड़ों लोगों ने महाप्रसादी ग्रहण की।

बदतर स्थिति से निपटने की तैयारी

उत्तर-पूर्वी मानसून (जो श्रीलंका और मालदीव के लिए भी महत्वपूर्ण है) के दौरान भारी और बहुत भारी बारिश का होना दक्षिणी प्रायद्वीप के लिए असामान्य नहीं है। लेकिन जब फेंगल चक्रवात 30 नवंबर को पुदुचेरी के पास तट से गुजरा, तो जिस पैमाने पर तबाही मची उसका अनुमान न तो तमिलनाडु और न ही पुदुचेरी ने लगाया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे एक पत्र में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि तकरीबन 70 लाख परिवार और 1.5 करोड़ व्यक्ति प्रभावित हुए हैं। पुदुचेरी के चार समेत सोलह लोगों ने अपनी जान गंवायी है। तिरुवन्नामलाई में एक भू-स्खलन ने पांच बच्चों सहित सात लोगों की जिंदगी छीन ली। तमिलनाडु के उत्तर व पश्चिमोत्तर हिस्सों और पुदुचेरी में कई जगहों पर एक दिन में असामान्य रूप से भारी बारिश (40-50 सेंटीमीटर) दर्ज की गयी। एक शुरुआती अनुमान के मुताबिक, पुदुचेरी के 10,000 हेक्टेयर सहित 2.21 लाख हेक्टेयर से ज्यादा कृषि भूमि जलमग्न हो गयी। चक्रवाती तूफान बाद में कमजोर पड़ा और पूर्व मध्य अरब सागर से लगे तटीय कर्नाटक को पार किया। हालांकि बहुत-से दक्षिणी हिस्सों में बारिश हुई, लेकिन सबसे ज्यादा मार तमिलनाडु के कई जिलों और पुदुचेरी ने झेली। कुछ जिलों में, अन्यथा सूखी रहने वाली दक्षिण पेन्नई नदी में आयी बाढ़ ने लोगों की दुर्दशा बढ़ा दी। सोमवार को इसका प्रवाह 2.4 लाख क्यूसेक का था। स्टालिन ने केंद्र से 2,000 करोड़ रुपये फौरन जारी करने की मांग की है। पुदुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगास्वामी ने 210 करोड़ रुपये की मदद का एलान किया है। वक्त आ गया है कि बहुत भारी बारिश की बढ़ती बारंबारता को देखते हुए, संबंधित प्राधिकारी चरम मौसम की घटनाओं का सामना करने के लिए खुद को तैयार करें। पिछले साल, तूतुकुड़ी के कायलपट्टिनम में 95 सेंटीमीटर बारिश हुई, जबकि इस बार उत्तर और पश्चिमोत्तर के जिले ऐसे ही अनुभव से गुजरे। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का साल 2022 का एक मोनोग्राफ इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि हर उत्तर-पूर्वी मानसून सीजन के दौरान, औसतन चार कम दबाव वाली स्तिथियों (डिप्रेशंस) या चक्रवाती तूफानों से दक्षिणी प्रायद्वीप के प्रभावित होने की उम्मीद की जा सकती है। प्राधिकारियों को राहत और पुनर्वास मुहैया कराने के घिसे-पिटे तरीकों से परे जाकर अपने ठोस और मूर्त दीर्घकालिक कदमों को तेज करना चाहिए। हालांकि चेन्नई इस बार बुरी तरह चपेट में नहीं आया, पर राज्य सरकार को पूर्व नौकरशाह वी. तिरुप्पुगल की अध्यक्षता वाली, 'चेन्नई महानगर क्षेत्र में बाढ़ के जोखिम के न्यूनीकरण व प्रबंधन के लिए सलाहकार समिति' की रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए। तटबंध मजबूत करने, जलधाराओं से गाद की नियमित निकासी और जल निकायों के अतिक्रमण के खिलाफ अथक अभियान जैसे अन्य उपाय किये जाने चाहिए। इस तरह के कदम ही लोगों के लिए उपयोगी साबित होंगे; जमाने पुराने सिंचाई प्रबंधन पर गर्व करना काफी नहीं है।

सदन में करवटें बदलतीं आत्माएं

आपने यदि गौर किया हो तो आप पाएंगे कि आजकल संसद के दोनों सदनों में पीठासीन प्रमुखों की आत्माएं अचानक करवटें बदलती दिखाई दे रहीं हैं । सदन चलने को लेकर दुनिया भर से मिल रही लानत मलानत के बाद लोकसभा हो या राज्य सभा अब केंद्रीय मंत्रियों को लताड़ मिलती दिखाई दे रहीं है। लोकसभा में यदि स्पीकर श्री ओम बिरला जी यदि संसदीय कार्यकमंत्री पर बिफरे तो राजयसभा कि सभापति माननीय धनकड़ जी ने सदन कि बाहर एक कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की क्लास ले ली।

मंगलवार लोकसभा में शून्यकाल शुरू होने से पहले कार्यसूची में तमाम मंत्रियों के नाम से अंकित दस्तावेज संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की ओर से प्रस्तुत किए जाने पर स्पीकर ने नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि जिन मंत्रियों के नाम कार्यसूची में हैं, वे सदन में उपस्थित रहें. दरअसल, सदन में प्रश्नकाल खत्म होने के बाद दोपहर 12 बजे कार्यसूची में अंकित जरूरी कागजात संबंधित मंत्रियों की ओर से सदन के पटल पर रखे जाते हैं। हालांकि अगर कोई मंत्री सदन में उपस्थित नहीं रहता तो उनकी तरफ से संसदीय कार्य राज्य मंत्री इन्हें प्रस्तुत करते आये हैं। संसद में बहुत दिनों बाद स्पीकर को बदली हुई मुद्रा में देश ने देखा है। लगता है कि अब उन्हें उनकी आत्मा कचोटने लगी है। अहसास करने लगी है कि वे केवल सत्तापक्ष के लिए ही नहीं बने हैं।

सदन में जरूरी प्रपत्र पेश किए जाने के दौरान वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के नाम पर अंकित एक दस्तावेज को संसदीय कार्य राज्य मंत्री मेघवाल ने रखा. इस पर स्पीकर बिरला ने कहा कि उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सदन में बैठे हैं और उन्हें दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा जाना चाहिए था। इसके बाद गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार अपने नाम से अंकित दस्तावेज सदन के पटल पर रख रहे थे. उन्हें कठिनाई होने पर अन्य मंत्री उनकी मदद करते नजर आए. इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने इन मंत्रियों से कहा, "आप एक-दूसरे को मत समझाओ." फिर स्पीकर ने संसदीय राज्य मंत्री मेघवाल से ही संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा।

लोकसभा की ही तरह राज्य सभा के बाहर एक समारोह में सभापति जयदीप धनकड़ अचानक किसान आंदोलन का प्रश्न आते ही केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर पिल पड़े। किसान आंदोलन को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को सीधे कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से कई सवाल किए।उन्होंने शिवराज की ओर इशारा करते हुए कहा, कृषि मंत्री जी, आपका एक-एक पल भारी है। मेरा आपसे आग्रह है और भारत के संविधान के तहत दूसरे पद पर विराजमान व्यक्ति आपसे अनुरोध कर रहा है कि कृपया करके मुझे बताइए कि किसान से क्या वादा किया गया था? और जो वादा किया गया था, वह क्यों नहीं निभाया गया ? आपको बता दें कि देश कि किसान एक बार फिर आंदोलित हो रहे हैं।

धनकड़ का रूप विपक्ष के किसी संसद जैसा था । उन्होंने सवाल किया कि - वादा निभाने के लिए हम क्या कर रहे हैं? बीते साल भी आंदोलन था, इस साल भी आंदोलन है। कालचक्र घूम रहा है। हम कुछ नहीं कर रहे हैं।धनखड़ ने मुंबई में केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान के शताब्दी समारोह के में ये बातें कहीं। कार्यक्रम में शिवराज भी मौजूद थे।हालांकि, उन्होंने उपराष्ट्रपति के सवालों का जवाब नहीं दिया।आपको याद होगा कि किसान आंदोलन को लेकर पूर्व में भाजपा के वरिष्ठ नेता और राजयपाल रहे सत्यपाल मलिक भी आग -बबूला हो चुके हैं और इसका खामियाजा भी उन्हें भुगतना पड़ा है ,लेकिन धनकड़ को पता है कि अब उनका कुछ बिगड़ने वाला नहीं है । भाजपा उन्हें राष्ट्रपति तो बनाने से रही।

दुर्भाग्य ये है कि संसद को हंगामे से उबरने के लिए हुई बैठक भी बहुत ज्यादा कामयाब नजर नहीं आयी,क्योंकि मंगलवार को संसद में अडानी का नाम आते ही फिर हंगामा हुआ था। कांग्रेस के गौरव गोगोई द्वारा अडानी और मोदी का नाम लेते ही सत्तापक्ष बिफर गया था और उसने गौरव के शब्दों को सदन की कार्रवाई से निकलवाकर ही चैन की सांस ली थी। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर लोकसभा की कार्रवाई का न सिर्फ बहिष्कार किया ब्लल्कि बैनर लेकर ये संदेश भी दिया की मोदी जी और अडानी जी एक हैं। कांग्रेस के इस कदम का साथ हालाँकि उनके सहयोगी समाजवादी दल और तृणमूल कांग्रेस ने नहीं दिया।

मुझे लगता है कि यदि लोकसभा और राजयसभा का संचालन निष्पक्षता से किया जाये तो सदन की तस्वीर बदल सकती है। लोकसभा अध्यक्ष को भी मान लेना चाहिए कि ये उनका दूसरा और अंतिम कार्यकाल है,वे चाहें तो इसका इस्तेमाल अतीत में बिगड़ी अपनी छवि को सूधारने में कर सकते हैं। वे अगर संगमा बनना चाहें तो बन सकते है। वे यदि सोमनाथ चटर्जी बनना चाहें तो उन्हें कोई नहीं रोक सकता । यहां तक कि प्रधानमंत्री मोदी जी भी। कोई उन्हें पदच्युत करने की स्थिति में नहीं है। यही बात राज्य सभा के सभापति माननीय धनकड़ साहब पर लागू होती है। उन्होंने बंगाल के राजयपाल के रूप में ही नहीं बल्कि राजयसभा के सभापति के रूप में भी भाजपा के लिए जितना समर्पण किया जा सकता था, वे कर चुके है। अब उन्हें अपनी छवि सुधारने के लिए सदन के बाहर ही नहीं बल्कि भीतर भी विपक्ष के साथ होई सत्तापक्ष की कान -कुच्ची [कान खिंचाई] करना चाहिए।

देश ने एक लम्बे अरसे से लोकसभा और राजयसभामें पहले की तरह किसी भी मुद्दे पर कोई गंभीर बहस नहीं हुई है । ऐसी बहस जिसे देखने -सुनने के लिए देश दो-चार घंटे टीवी स्क्रीन के सामने बैठने को मजबूर हो। ये तीसरी लोकसभा है जिसमें कोई सारगर्भित बहस होती नजर नहीं आय। पिछले दस साल में प्रधानमंत्री जी भी जितनी बार सदन में बोले वे राष्ट्रनायक के रूप में नहीं बोले । उन्होने हमेशा किसी विपक्षी नेता की तरह भाषण दिया और असली विपक्ष की बखिया उधेड़ने की कोशिश की ।मुझे एक बार भी नहीं लगा कि वे देश को चलाने के लिए विपक्ष की किसी भूमिका को सराहने का माद्दा रखते हैं। उन्हें विपक्ष अपना सनातन शत्रु नजर आता है। वे पंडित जवाहर लाल नेहरू की तरह आज के विपक्ष में बैठे किसी अटल बिहारी बाजपेयी को अपना आशीर्वाद नहीं दे सकते। बहरहाल जो परिवर्तन फिलहाल दिखाई दे रहा है वो सुखद है। भगवान ,अल्लाह करे की आने वाले दिन सदन के लिए शुभ हों।

- राकेश अचल

मानव जनसंख्या की वृद्धि आवश्यक है

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदुओं का नाम लिए बिना भारत में उनकी घटती आबादी पर चिंता जताई है. उन्होंने कहा कि यदि समाज की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत से कम हो जाये तो समाज को किसी को नष्ट करने की आवश्यकता नहीं है, वह स्वयं ही नष्ट हो जायेगा। इसलिए कम से कम तीन बच्चे पैदा करना जरूरी है। यह कथन सही है क्योंकि आंकड़े बताते हैं प्राकृतिक पर्यावरण अपनी वहन क्षमता के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिस तरह कोरोना और किसी भी रोगो से मृत्यु हुई है उसका जन्म भी होना चाहिए पर्यावरण में जीवन-निर्वाह संसाधन सीमित हैं और व्यक्तिगत प्रजातियों के सदस्यों के लिए अधिक जनसंख्या घनत्व और अन्य प्रजातियों से प्रतिस्पर्धा, अन्य कारकों के अलावा कम हो सकते हैं। इसके अलावा, प्रजनन क्षमता, मृत्यु दर और प्रवास सभी खाद्य उपलब्धता, साथी की उपलब्धता और प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं जैसे पर्यावरणीय तनाव कारकों से प्रभावित होते हैं।विश्व की मानव जनसंख्या ने 18वीं शताब्दी से घातीय वृद्धि का अनुभव किया, लेकिन 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से वृद्धि दर में गिरावट आ रही है। हालाँकि देशों के बीच जनसंख्या वृद्धि दर में काफी भिन्नता है और कुछ क्षेत्रों में वृद्धि दर में वृद्धि जारी है, लेकिन समग्र वृद्धि दर घट रही है।नवंबर 2024 में दुनिया की मानव आबादी 8.2 बिलियन तक पहुँच गई और 2080 तक 10.4 बिलियन तक पहुँचने और सदी के अंत तक उस स्तर पर बने रहने का अनुमान है। हालाँकि मानव मृत्यु दर औसतन कम हो रही है, लेकिन घटती जनसंख्या वृद्धि दर का मुख्य कारण कम प्रजनन क्षमता है। प्रजनन व्यवहार पैटर्न के आधार पर प्रजनन क्षमता भिन्न होती है, जो बदले में सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक आर्थिक स्थितियों, गर्भनिरोधक तक पहुँच और जनसंख्या घनत्व जैसे पारिस्थितिक चर जैसे कारकों पर निर्भर करती है।जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या पारिस्थितिकी में, किसी विशेष समय अवधि के दौरान किसी विशेष स्थान पर किसी निश्चित पौधे या पशु प्रजाति के सदस्यों की संख्या में परिवर्तन। जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारकों में प्रजनन क्षमता, मृत्यु दर और जानवरों में प्रवास शामिल हैं - यानी किसी विशेष स्थान पर आप्रवास या प्रवास। समय के साथ जनसंख्या में औसत परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि दर कहा जाता है। सकारात्मक वृद्धि दर जनसंख्या वृद्धि को इंगित करती है, और नकारात्मक वृद्धि दर जनसंख्या में कमी को इंगित करती है। किसी दिए गए वातावरण में जनसंख्या की ऊपरी सीमा, जिसे पर्यावरण की वहन क्षमता कहा जाता है, उस जनसंख्या के लिए जीवन-निर्वाह करने वाले संसाधनों की मात्रा और उपलब्धता से निर्धारित होती है।किसी दिए गए स्थान और समय अवधि में जनसंख्या वृद्धि दर की गणना जनसंख्या हानि, या मृत्यु दर और प्रवास की संयुक्त दरों को जनसंख्या लाभ, या प्रजनन क्षमता और आप्रवास की संयुक्त दरों से घटाकर की जा सकती है। प्रजनन क्षमता एक निश्चित पर्यावरणीय परिस्थितियों में एक व्यक्तिगत प्रजाति के सदस्य द्वारा समय अवधि में औसतन पैदा की गई संतानों की संख्या है। प्रजनन क्षमता को प्रजनन क्षमता से भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए - किसी प्रजाति के सदस्य द्वारा किसी निश्चित समय अवधि में पैदा की जा सकने वाली संतानों की सैद्धांतिक अधिकतम संख्या। जनसंख्या का लिंग अनुपात और आयु संरचना प्रजनन दर को प्रभावित करती है, क्योंकि वे प्रजनन करने में सक्षम व्यक्तियों की संख्या को सीमित करते हैं।जनसंख्या वृद्धि गतिशीलता को एस-आकार के वक्र में ग्राफ़िक रूप से दर्शाया जा सकता है, जिसे लॉजिस्टिक वक्र के रूप में जाना जाता है। लॉजिस्टिक वक्र (दाएं) विकास में प्रारंभिक अंतराल, घातीय वृद्धि का विस्फोट और अंत में जनसंख्या वृद्धि में गिरावट का प्रतिनिधित्व करता है। जब जनसंख्या घनत्व अधिक होता है, तो संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, शिकार या बीमारी के बढ़ते संक्रमण के कारण मृत्यु दर में वृद्धि होती है, जिसके परिणामस्वरूप वक्र के अंत में वृद्धि में पठार होता है। पर्यावरण में मौसमी विविधताओं के साथ सहसंबंध में जनसंख्या वृद्धि दर में भी उतार-चढ़ाव हो सकता है। उदाहरण के लिए, गहरी झीलों में, वसंत के पिघलने से झील की सतह पर ठंडा, गहरा पानी ऊपर उठता है, जिससे पोषक तत्व निकलते हैं जो फिर शैवाल, बैक्टीरिया और प्रोटोजोआ (पानी का खिलना देखें) सहित प्लवक की वृद्धि में तेजी लाते हैं।विभिन्न प्रजातियों की जनसंख्या वृद्धि शिकारी-शिकार संबंधों द्वारा भी निर्धारित की जा सकती है - उदाहरण के लिए, ज़ूप्लैंकटन (सूक्ष्म जलीय जानवर) की आबादी में वृद्धि के बाद, उनके शैवाल शिकार की आबादी कम हो सकती है या धीमी दर से बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप जनसंख्या पैटर्न में उतार-चढ़ाव होता है, जैसे कि स्नोशू हरे और लिंक्स की आबादी का चक्रीय उतार-चढ़ाव, होते हैं। हाल के दशकों में मनुष्यों में घटती मृत्यु दर ने जनसंख्या की आयु संरचना को बदल दिया है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग के जनसंख्या प्रभाग द्वारा यह भविष्यवाणी की गई है कि 2050 तक दुनिया की 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की आबादी 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की आबादी से दोगुनी हो जाएगी। इसका मतलब है कि आने वाले दशकों में आनुपातिक रूप से कम लोग प्रजनन आयु के होंगे, जो जनसंख्या वृद्धि में गिरावट में योगदान देगा। वहन क्षमता और घातीय बनाम तार्किक जनसंख्या वृद्धि एक आदर्श वातावरण में (जिसमें कोई सीमित कारक नहीं होते) जनसंख्या घातीय दर से बढ़ती है। इन आबादियों का विकास वक्र चिकना है और समय के साथ तेजी से बढ़ता जाता है (बाएं)। हालांकि, सभी आबादियों के लिए, खाद्य पदार्थों की कमी, अन्य संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा या बीमारी जैसे कारकों के कारण घातीय वृद्धि कम हो जाती है। जैसे-जैसे प्रतिस्पर्धा बढ़ती है और संसाधन तेजी से दुर्लभ होते जाते हैं, आबादी अपने पर्यावरण की वहन क्षमता (च) तक पहुँच जाती है, जिससे उनकी वृद्धि दर लगभग शून्य हो जाती है। यह आबादी वृद्धि का एक स्-आकार का वक्र बनाता है जिसे लॉजिस्टिक वक्र के रूप में जाना जाता है।वहन क्षमता, किसी प्रजाति का औसत जनसंख्या घनत्व या जनसंख्या आकार जिसके नीचे उसकी संख्या बढ़ने लगती है और जिसके ऊपर संसाधनों की कमी के कारण उसकी संख्या घटने लगती है। एक आवास में प्रत्येक प्रजाति के लिए वहन क्षमता अलग-अलग होती है क्योंकि उस प्रजाति के विशेष भोजन, आश्रय और सामाजिक आवश्यकताएँ होती हैं। अच्छे स्वास्थ्य की देखभाल भी बहुत महत्वपूर्ण है ।

-संजय गोस्वामी

स्वयंसेवक रचते हैं सेवा एवं संस्कृति के नये स्वस्तिक

सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस 5 दिसंबर को प्रतिवर्ष दुनिया भर में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 दिसंबर, 1985 को स्वयंसेवक दिवस मनाने की घोषणा की। तब से, अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस संयुक्त राष्ट्र प्रणाली, सरकारों, नागरिक समाज संगठनों आदि द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाने लगा। यह दिवस उन लोगों और संगठनों का सम्मान करता है जो दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए अपना समय और ऊर्जा स्वेच्छा से देते हैं। स्वयंसेवकों को मान्यता देने के साथ-साथ, इस दिन का उद्देश्य परोपकार, सेवा एवं सहायता के रूप में स्वयंसेवा को बढ़ावा देना भी है। यह स्वयंसेवकों से जुड़े संगठनों और व्यक्तिगत स्वयंसेवकों को स्वयंसेवा को बढ़ावा देने, सरकारों को स्वयंसेवी प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने और स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की उपलब्धि में स्वयंसेवकों के योगदान को मान्यता देने का अवसर प्रदान करता है। पूरी दुनिया में 970 मिलियन स्वयंसेवक हैं। भले ही लाखों स्वयंसेवक हों, लेकिन दुनिया को हमेशा और अधिक की आवश्यकता है। आज देश एवं दुनिया के विभिन्न विश्वविद्यालयों में जिस स्वयंसेवक संगठन की उपयोगिता एवं सार्थकता की चर्चा है, जिसकी विलक्षणताओं एवं विशेषताओं पर शोध हो रहा है, वह है भारत का शताब्दी वर्ष मना रहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जो दुनिया सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है। संघ देश की सरकारों तथा गैर-सरकारी संस्थाओं को आर्थिक तथा सामाजिक विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहन देने एवं राष्ट्रीय अस्तित्व एवं अस्मिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का स्मरण कराता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत का एक दक्षिणपंथी, हिन्दू राष्ट्रवादी, अर्धसैनिक, स्वयंसेवक संगठन हैं, जो भारत के सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी का व्यापक रूप से पैतृक संगठन माना जाता हैं। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अपेक्षा संघ या आर.एस.एस. के नाम से अधिक प्रसिद्ध है। बीबीसी के अनुसार संघ विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संस्थान है। इसकी स्थापना सन् 27 सितंबर 1925 को विजयदशमी के दिन मोहिते के बाड़े नामक स्थान पर डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने की थी। संघ के 5 स्वयंसेवकों के साथ शुरू हुई विश्व की पहली शाखा आज 50 हजार से अधिक शाखाओ में बदल गई और ये 5 स्वयंसेवक आज करोड़ों स्वयंसेवकों के रूप में हमारे समाने हैं, जो स्वयं में एक विलक्षण एवं अद्भूत उदाहरण है। संघ आर्थिक असंतुलन, सांस्कृतिक उन्नयन एवं गरीबी को दूर करने एवं समतामूलक समाज की स्थापना के लिये प्रतिबद्ध है। राष्ट्र कई क्षेत्रों में प्रगति करने के बाद भी देश में गरीबी एक राक्षस के रूप में खड़ी है। जिस तरह हम विजयादशमी के दिन राक्षस रूपी पुतला का वध कर बुराई पर अच्छाई को स्थापित करने का संकल्प लेते हैं उसी तरह हमें इस गरीबी पर विजय पाने का प्रण लेना होगा। इसके लिए देश में सभी को नौकरी सरकार या निजी संस्थाएं दे नहीं सकती हैं। इसलिए हमें स्वरोजगार एवं स्व उद्यमिता पर जोर देना होगा। स्वदेशी जागरण मंच की ओर से स्वावलंबी भारत के लिये संघ प्रयासरत है।

संघ की विचारधारा में राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, हिंदू राष्ट्र, राम जन्मभूमि, अखंड भारत, समान नागरिक संहिता जैसे विषय हैं, जो देशवासियों को देश की समरसता की ओर ले जाते हैं। 1975 के बाद से धीरे-धीरे इस संगठन का न केवल सामाजिक-सांस्कृतिक बल्कि राजनीतिक महत्व बढ़ता गया और इसकी परिणति भाजपा जैसे राजनीतिक दल के रूप में हुई जिसे आमतौर पर संघ की राजनीतिक शाखा के रूप में देखा जाता है। संघ की स्थापना के 75 वर्ष बाद सन् 2000 में प्रधानमन्त्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन की सरकार भारत की केन्द्रीय सत्ता पर आसीन हुई। इसके पश्चात 2014 एवं 2019 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री नेतृत्व इसकी सरकार बनी हैं। संघ का मूल उद्देश्य भारत को उसकी अपनी सभ्यता एवं संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में पहचान प्रदान करना है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संघ या आरएसएस के नाम से अधिक लोकप्रिय है। इसका मुख्यालय महाराष्ट्र के नागपुर में है। संघ के छोटे बड़े लगभग 55 स्वस्थ समाज निर्माण में जुटे संगठन एवं गतिविधियां हैं जो संसारभर में फैले हैं। महात्मा गाँधी ने 1934 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर की यात्रा के दौरान वहाँ पूर्ण अनुशासन, समर्पण देखा और छुआछूत की अनुपस्थिति पायी। इससे प्रभावित होकर उन्होंने संघ की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संसार का अकेला ऐसा संगठन है जिसमें आज तक भ्रष्टाचार, पदलिप्सा या अनैतिकता की स्थिति नहीं आई। इस समय संघ द्वारा करीब 25,028 सेवा-प्रकल्प चलाए जा रहे हैं। ये प्रकल्प देश के 30 प्रांतों में 11,498 स्थानों पर चल रहे हैं। ये सेवा कार्य भिन्न-भिन्न क्षेत्रों पर केन्द्रित हैं, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक, आर्थिक विकास, कौशल विकास, गोसेवा आदि। भौगोलिक दृष्टि से 16,101 सेवा कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में, 4,266 वनवासी क्षेत्रों में, 3,412 सेवा बस्तियों में और शेष स्थानों पर 1,249 सेवा कार्य चल रहे हैं। संघर्षों से जूझने की क्षमता संघ को अपने उदयकाल से ही प्राप्त है। इसके सामने प्रारंभ से जैसी संघर्षपूर्ण परिस्थितियां रही है, साधारण व्यक्ति या संस्था उसके सामने टिकने का साहस नहीं कर पाता। किन्तु जिसकी जन्मघूंटी के साथ ही अनुशासन, सहिष्णुता, संगठन, राष्ट्रीयता के संस्कार मिल जाये, वह कभी हार नहीं सकता।

अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस मनाते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थितियों का आकलन इस दिवस की सार्थकता को व्यक्त करता है। आरएसएस में स्वयंसेवक इस शब्द का अर्थ होता है- स्वेच्छा से काम करने वाला। संघ के विचारों को मानने वाले और नियमित तौर पर शाखा में जाने वाले लोगों को संघ का स्वयंसेवक कहा जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुख शैक्षणिक प्रवृत्ति एवं संगठनात्मक उपक्रम है विद्या भारती। जो आज 20 हजार से ज्यादा स्कूल चलाता है, लगभग दो दर्जन शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज, डेढ़ दर्जन कॉलेज, 10 से ज्यादा रोजगार एवं प्रशिक्षण संस्थाएं चलाता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को विश्व के सबसे बड़ा छात्र संगठन के रूप में भी जाना जाता है। विद्यार्थी परिषद का नारा है- ज्ञान, शील और एकता। स्वास्थ्य के क्षेत्र में संघ के कुल प्रकल्पों की संख्या 3,112 है। भारतीय किसान संघ की स्थापना 4 मार्च 1979 को राजस्थान के कोटा शहर में महान भारतीय तत्त्वचिंतक, आंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मजदूर नेता श्री दत्तोपंतजी ठेंगडी ने भारतीय किसानों के उत्थान हेतु की। इस सम्पूर्ण संगठन के पीछे की मूल भावना यह है कि निहित स्वार्थों की जगह सामूहिक हित, राष्ट्रीयता की भावना, स्व-संस्कृति एवं स्व-पहचान को प्राथमिकता देना है। इतनी अकल्पित उपलब्धियों से भरा-पूरा संघ सम्पूर्ण राष्ट्र को एक नई शक्ति, नई ताजगी, नया विश्वास देने वाला है। इसकी सफलता में संघ के शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ कार्यकर्ताओं, जन साधारण का उत्साह, हौसला एवं पुरुषार्थ का योग है। सुदृढ़ संगठन इसकी विरल विशेषता है, संगठन के क्षेत्र में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। यही कारण है कि आज संघ की तेजस्विता, वर्चस्विता एवं प्रखरता की चर्चा आम आदमी के मुंह पर है।

सूरज की एक किरण को देखकर सूरज बनने का सपना संजोने वाला संगठन महान होता है। वह और अधिक महान होता है, जो सूरज बनने का सपना देखकर परिपूर्ण सूरज बन जाता है। शताब्दियों के बाद कोई-कोई संगठन ऐसा होता है। वह अपनी रोशनी से एक समूची परंपरा एवं संस्कृति को उद्भासित कर देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ऐसा ही अनूठा स्वयंसेवी संगठन है। संघ का काम व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र निर्माण का है। व्यक्ति से समाज एवं समाज से राष्ट्र निर्मित होता हैं। प्रत्येक संघी यानी स्वयंसेवक समाज में आचरण में परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। यह स्वावलंबी पद्धति से, सामूहिकता से चलने वाला काम है। आइए संघ के हाथों स्वयंसेवक परम्परा को इतना मजबूत और विश्वसनीय बनायें कि निर्माण का हर क्षण इतिहास बने। नये एवं सशक्त भारत का निर्माण हो, जिसका हर रास्ता मुकाम तक ले जाये। सबकी सबके प्रति मंगलभावनाएं मन में बनी रहे। आज देश ने राष्ट्रीयता के ईमान को, कर्त्तव्य की ऊंचाई को, संकल्प की दृढ़ता को और मानवीय मूल्यों को सुरक्षित रखने के लिये 'यशस्वी भारत' एवं 'सशक्त भारत' के रूप में स्वयंसेवक की इस परम्परा ने फिर आह्वान किया है। आओ, फिर एक बार जागें, अराष्ट्रीयता, संकीर्णता एवं स्वार्थ की दीवारों को ध्वस्त करें।

- ललित गर्ग

इन्दौर बाजार भाव -

इन्दौर। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमले के विरोध में आज स्थानीय व्यापारिक संगठनों द्वारा बंद का आव्हान के मद्देनज़र बाजार आधे दिन बंद रखा गया। किराना बाजार में दोपहर बाद कामकाज शुरू हुआ। ग्राहकी अच्छी रही। खाद्य तेलों में मजबूती रही।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार आज स्थानीय प्रमुख बाजारों में आधे दिन का अवकाश रहा। अनाज मंडी में बंद ही देखा गया। किराना जिंसों में व्यापार अच्छा ही रहा। भाव इस प्रकार रहे -

किराना - शक्कर 3770-3810, खोपरा गोला 160-210, खोपरा बूरा 3800-6000 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 292-305, ऊंझा हल्का 288-292, मीडियम 310-316, बेस्ट 325-335, हल्दी निजामाबाद 200-220, सांगली 270-280, साबूदाना हल्का 5800-6000, मीडियम 5900-6050, बेस्ट 6100-6300, वरलक्ष्मी 6400, ग्लास 7000-7300, सौंफ मोटी 105-125, मीडियम 175-275, बेस्ट 285-310, सौंफ बार ?क 280-325, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 675-680, गरबल 655-658, मटरदाना 715-730, खसखस अनक्लीन 725-800, क्लीन 1050-1225, दालचीनी 245-262, जायफल 700-725, बेस्ट 735, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 350-380, बेस्ट 475-480, जावत्री 1675-1900, नाग केसर 925-950, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 760-775, बेस्ट 800-815, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2350-2450, मीडियम 2750-2950, बोल्ड 3100-3200, एक्ट्रा बोल्ड 3225-3250, पानबार 2250, बड़ी इलायची 1425-1675, बेस्ट 1650-1725, तरबूज मगज 440-450, बेस्ट 575-625, काजू (240) 1050, काजू (320) 925-950, काजू एस. डब्ल्यू 900, जे.एच. 890-900, टुकड़ी 840-850, बादाम मगज 750-800, सिंगापुरी 650-790, टांच 500-575, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना1025-1500, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4600 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2300-2400, (160) 2600-2650, (200) 2650-2700, (250) 2550-2700

तेल - सींगदाना 1450-1460, मुम्बई 1475, राजकोट तेलिया 2300-2310, सोया साल्वेंट 1220-1225, सोया रिफाइंड 1270-1280, कपास्या 1250-1260, धूलिया 1250, कड़ी 1260,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1450-1460, मुम्बई पाम 1385, मुम्बई सोया 1330,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 1830, देवास-उज्जैन 1830, खंडवा-बुरहानपुर 1800, अकोला 2700 (प्रति क्विंटल)

तिलहन - सरसो 5800-5850, एवरेज 5500-5600, रायडा 5400-5500, सोयाबीन 4250-4300, टोली (महुआ बीज) 4300-4350, करंज 4250-4300, अलसी 7500-7600,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 6650-6700, एवरेज 6500-6550, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5850-5900, मूंग देशी 8000-8100, पाला 8100-8200, चमकी 8200-8300, नायलोन 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 8900-9000, एवरेज 8700-8800, हल्की 8300-8500, तुअर महाराष्ट्र 9300-9500, उड़द बेस्ट 8700-8800, एवरेज 8500-8600, शंकर 8200-8300, हल्की 7800-8000,

दाल - चना दाल एवरेज 8800-8900, मीडियम 9000-9100, बोल्ड 9200-9400, तुअर दाल सवा नं. 13200-13300, तुअर दाल फूल 14300-14400, तुअर दाल बोल्ड 15100-15200, मसूर दाल एवरेज 7000-7100, मीडियम 7150-7200, बेस्ट 7350-7450, मूंग दाल 9400-9600, बोल्ड 9700-9900, मूंग मोगर 10200-10300, बोल्ड 10400-10500, उड़द दाल 11000-11100, बोल्ड 11200-11300, मोगर 10800-10900, बोल्ड 11000-11200,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2650-2700, लोकवन 2950-3000, एवरेज 2700-2800, (147) 2850-2900, एवरेज 2700-2800, मालवराज 2850-2875, पूर्णा 2850-2900, चन्द्रोसी 3400-4000, ज्वार देशी 2500-2650, मक्का पीली 2600-2625, गज्जर 2500-2550,

चावल - चावल हंसा सफेद 2800-3000, सेला 3400-3600, परमल 3200-3400, दुबराज 4500-5000, राजभोग 6500-7500, काली मुंछ 8000-8500, बासमती दुबार 8000-9000, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-7000, तिबार 9500-10500, बासमती (921) 11000-12000, बासमती सेला 7000-9500, पोहा 4700-5100,

मावा - इन्दौर 340, उज्जैन 260, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

अमेजन ने फाउंडेशन मॉडल की नई पीढ़ी 'नोवा' की घोषणा की

लास वेगास। अमेजन ने एडब्ल्यूएस के वार्षिक कार्यक्रम 'रीइन्वेंट' में एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने एक नई पीढ़ी के अक्षमता श्रृंखला नोवा का बोलबाला किया है। अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) की क्लाउड कंप्यूटिंग शाखा का फाउंडेशन मॉडल को 'नोवा' कहा जा रहा है। इस नई सेट में अमेजन नोवा माइक्रो, अमेजन नोवा लाइट और अमेजन नोवा प्रो शामिल हैं, जो अब उपलब्ध हैं। अमेजन नोवा प्रीमियर की भी जल्दी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा ?कि हम अपने फ्रंटियर मॉडल पर काम कर रहे हैं जो पिछले कुछ महीनों में बहुत प्रगति कर रहा है। हमारी उम्मीद है कि यह नया मॉडल भी हमें सफलता देगा। एडब्ल्यूएस के पूर्व सीईओ ने एक और धमाकेदार घोषणा की, जिसमें इमेज-जनरेशन मॉडल, अमेजन नोवा कैनवस और वीडियो-जनरेटिंग मॉडल शामिल हैं। इस नयी नई पीढ़ी ने तकनीकी दुनिया को दी है नई उम्मीदें।

मेष - मेष राशि के जातकों के लिए कल दिन ठीक-ठाक रहने वाला है. आपको एक के बाद खुशखबरी सुनने को मिलेगी. माताजी आपको कोई जिम्मेदारी देंगी, जिससे आप घबराएंगे नहीं. परिवार में यदि किसी बात को लेकर अनबन चल चल रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी. आप प्रॉपर्टी को लेकर बड़ा इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छा रहेगा. आपको किसी काम को लेकर ज्यादा परेशान होने की आवश्यकता नहीं है।

वृषभ - वृषभ राशि के जातकों के लिए कल दिन ऊर्जावान रहने वाला है. आपकी ऊर्जा भरपूर रहेगी. आपको कामों को करने में तरक्की मिलेगी. आपकी आय में वृद्धि होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा. यदि कोई डील प्रॉपर्टी की धन को लेकर रुकी हुई थी, तो उसके लिए आप कोई लोन अप्लाई कर सकते हैं. आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं और धार्मिक कामो में भी आपकी काफी रुचि रहेगी।

मिथुन - मिथुन राशि के जातकों के लिए कल दिन भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है. आपका माता-पिता के आशीर्वाद से कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है. आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्रो में कार्यरत लोग अपने कामों से कल लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे।

कर्क - कर्क राशि के जातकों के लिए कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. पारिवारिक जीवन में चल रही समस्याएं आपको परेशान करेंगी. आपको अपनी सेहत पर थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है. आपका कोई रुका हुआ काम आपको परेशान करेगा. सेहत में उतार चढाव रहने के कारण आपको कामों को करने में कुछ समस्या आएगी. आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं।

सिंह - सिंह राशि के जातकों के लिए कल दिन मौज मस्ती भरा रहने वाला है. आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम आपको परेशान करेगा. आपकी इन्कम के सोर्स बढ़ने से आपको खुशी होगी. विद्यार्थी अपनी पढ़ाई लिखाई पर पूरा ध्यान देंगे. आप कल किसी मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं, जहां आपकी कुछ रसूखदार लोगों से मुलाकात होगी।

कन्या - कन्या राशि के जातकों के लिए कल दिन किसी नई नौकरी की प्राप्ति के लिए रहेगा. आपको यदि नौकरी में बदलाव का मौका मिले, तो आप अवश्य करें. आप अपने घर की साज सज्जा के लिए कुछ नए इलेक्ट्रॉनिक आइटम खरीद सकते हैं. ऑनलाइन व्यवसाय कर रहे लोगों को थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है. बैंकिंग क्षेत्रो में कार्यरत लोग किसी अच्छी स्कीम में इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं।

तुला - तुला राशि के जातकों के लिए कल दिन में उत्तम रुप से फलदायक रहने वाला है. आपका कोई नया घर खरीदने का सपना पूरा होगा. आप अपने दोस्तों के साथ कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे. आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है. संतान की संगति पर आपको विशेष ध्यान देना होगा. आप किसी नए काम में इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छा रहेगा.

वृश्चिक - वृश्चिक राशि के जातकों के लिए कल दिन समस्याओं को लेकर आने वाला है. आप यदि किसी लोन के लिए अप्लाई करेंगे, तो उसे मिलने में भी आपको समस्या आएगी. जीवनसाथी आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं, जिसे आपको पूरी करना होगा. आपका मन संतान की किसी बात को लेकर परेशान रहेगा. आपको अपने माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालना होगा.

धनु - धनु राशि के जातकों के लिए कल दिन किसी बात को बहुत ही तोल मोल कर बोलने के लिए रहेगा. आप अपने मनमाने स्वभाव के कारण कुछ परेशान रहेंगे. पारिवारिक मामलों में आपको पूरा ध्यान देना होगा. आप किसी की बातों को लेकर ना बैठे, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते खराब हो सकते हैं. कार्य क्षेत्र में आपको कोई नई उपलब्धि मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा. आपका कोई सहयोगी आपके कामों में पूरा साथ देगा.

मकर - मकर राशि के जातकों का मन धार्मिक कामों में खूब लगेगा, जिसे देखकर परिवार के सदस्यों को खुशी होगी. प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी की बातों में आकर कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं. शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करने वाले लोगों को अच्छा लाभ मिलने की संभावना है. विद्यार्थियों का पठन-पाठन में खूब मन लगेगा, जिससे आप किसी एंट्रेंस को भी आसानी से क्लियर कर सकेंगे.

कुंभ - कुंभ राशि के जातकों का मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगी. आपको अपनी मन के चल रही उलझनों को लेकर अपने पिताजी से बातचीत करनी होगी. बिजनेस में भी आपके साथ कोई धोखा हो सकता है, इसलिए आप किसी पर आंख मूंद कर भरोसा ना करें. वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है. परिवार में किसी सदस्य को सेहत को लेकर भाग दौड़ अधिक रहेगी.

मीन - मीन राशि के जातकों के लिए कल दिन की शुरुआत कमजोर रहेगी. आप एक साथ कई कामों में हाथ ना डालें, नहीं तो आपके व्याग्रता बढ़ेगी. आपको अपनी जिम्मेदारियों में ढील देने से बचना होगा. आप किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझ कर बोले, नहीं तो उन्हें आपकी बात बुरी लग सकती है. आप अपने व्यवहार में बदलाव लाएं. कार्यक्षेत्र में आपको लोगों से काम को लेकर मदद लेनी पड़ सकती है.

शब्दजाल - 7740

अ	क	ल	व	दे	रं	गी	ला	न	ल	क
दि	म	ल	रु	व	ग	गी	र	इ	ट	ली
ल	स	मं	ल	द्र	दे	पु	चं	पा	व	त
क	व	ग	य	पु	ब	न	प	न	ल	ज
क	क	ल	ग	श्री	सं	या	तू	ग	झ	वा
जी	क	पां	व	ह	ती	पू	ग	ण	घ	नी
उ	आ	डे	न	ल	ल	ल	श	र	ला	जिं
क	त्त	दा	ई	गा	व	क	फ	लो	श	दा
च	बा	जी	न	न	जी	ल	री	ग	प	बा
मो	पा	ल	का	व	ह	इ	श्क	र	प	द
ली	क	ल	रा	ख	न	रा	बा	द	प	र

शब्दजाल में 'आमिर खान' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

लव लव लव, लगान, राख, दिल, जवानी जिंदाबाद, रंग दे बसंती, मंगल पांडे, रंगीला, बाजी, इश्क

शब्दजाल - 7739 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6684

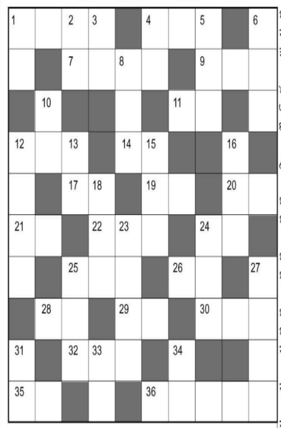

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6683

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 दिसम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.20 बजे से
चंद्र	मकर में	मकर	09.25 बजे से
मंगल	कर्क में	कुंभ	11.11 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.44 बजे से
गुरु	वृष में	मेष	14.15 बजे से
शुक्र	मकर में	वृष	15.55 बजे से
शनि	कुंभ में	मिथुन	17.53 बजे से
राहु	मीन में	कर्क	20.06 बजे से
केतु	कन्या में	सिंह	22.23 बजे से
		कन्या	00.34 बजे से
		तुला	02.45 बजे से
		वृश्चिक	05.00 ब.से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2024 वर्ष का 340 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्थी 12.50 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 17.27 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 12.28 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 12.50 बजे तदनन्तर बव 00.32 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 03.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 24' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 18721784 **जूलियन दिन** 2460649.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 02 **विशेष** अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: काम की लगन

संयुक्त राज्य अमेरिका के एक नौजवान ने परिश्रमपूर्वक इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उसने एक अच्छी नौकरी की तलाश आरंभ की। उसकी नजर में कई कंपनियां थीं, लेकिन उसने केवल ऐसी जगह आवेदन किया, जहां उसे काम सीखने और नई चीजें जानने का अच्छा मौका मिलने की उम्मीद थी। जब वह उस कंपनी के कार्यालय में गया तो उसे बताया गया कि वहां तो मात्र एक टाइपिस्ट की जगह खाली है। नौजवान के पास थी तो इंजीनियरिंग की डिग्री, किंतु उसने भविष्य में बेहतर अवसरों की आशा में टाइपिस्ट की नौकरी करने के लिए तत्काल हां कर दी। उसे उसी दिन से काम करने को कहा गया, मगर वह चार दिन बाद आने का वादा कर चला गया। चार दिन बाद जब उसने काम संभाला तो कंपनी के मैनेजर ने पूछा, 'आप पहले तो तत्काल काम करने को आतुर थे, फिर चार दिन बाद क्यों आए?' नौजवान ने उत्तर दिया, 'मुझे टाइप करना अच्छी तरह नहीं आता था। इसलिए इन चार दिनों में मैंने टाइपिंग का अच्छा अभ्यास किया और मुझे विश्वास है कि अब मैं यह काम करने में पूरी तरह सक्षम हूं।' अपने काम को पूरी तन्मयता व दक्षता से करने की इस आदत ने ही उस नौजवान को अंततः संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर पहुंचाया। उसका नाम था- हर्बर्ट क्लार्क हूवर। हूवर का कहना था, 'सौंपे गए किसी भी कार्य को मन की संपूर्ण लगन से करने पर उसके बेहतर परिणाम सामने आते हैं। इसलिए जो भी काम हाथ में लें, उसे पूरी दक्षता के साथ करें।'

सूडोकु नवताल- 6993

★★★✯✩ मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6992 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 8208

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -8207 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेत मिलने के साथ ही लिवाली से बाजार में ये बढ़त आई। एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में खरीदारी से भी बाजार ऊपर आया । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 110.58 अंक करीब14 फीसदी बढ़त लेकर 80,956.33 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.04 फीसदी तकरीबन 10.30 अंक बढ़कर 24,467.45 के स्तर पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंकअपने नए शीर्ष स्तर पर पहुंच गया। एचडीए?सी 1.82 फीसदी उछलकर 1860.05 रुपये पर बंद हुआ। यह शेयर पिछले एक महीने में 8.52 फीसदी बढ़ा है। वहीं पिछले छह महीने के दौरान इसमें 25 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। इसके अलावा एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस के शेयर भी उछले हैं।

वहीं भारती एयरटेल के शेयर में आज सबसे अधिक गिरावट रही । इसके अलावा टाटा मोटर्स, अदानी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, मारुति, रिलायंस के शेयर भी नीचे आकर बंद हुए।

एचडीएफसी बैंक और आईटी स्टॉक्स के शेयरों में खरीदारी से भी बाजार में आज उछाल आया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की हालिया खरीदारी से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। , एशिआई बाजारों में गिरावट के बाद भी घरेलू बाजारों में मजबूती रही।

वहीं गत सत्र में भी बाजार में तेजी रही थी। इससे पहले आज सुबह बुधवार ब ?त के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 190 अंक की ब ?त लेकर 81,036.22 पर खुला। इसी तरह निफ्टी-50 भी बढ़त में खुला और 24,500 के पास पहुंच गया।

आंध्र प्रदेश - अदाणी ग्रीन सौर ऊर्जा परियोजना में मंजूरी का मुद्दा

मुंबई। आंध्र प्रदेश के पिछले मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के शासनकाल में 2021 में विवादास्पद अदाणी ग्रीन सौर ऊर्जा परियोजना को नियामकीय मंजूरी मांगी गई थी। इस परियोजना के तहत ग्रामीण इलाकों और कृषि क्षेत्रों को सस्ती बिजली मुफ्त मिलने की योजना थी लेकिन इस परियोजना के चारों ओर विवाद उभरने लगे हैं। 2021 से 2024 के बीच, आंध्र प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (एपीईआरसी) और केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) के बीच हुई जानकारियों से पता चलता है कि प्रोजेक्ट की शर्तों में ग्रामीण इलाकों को मुफ्त बिजली की 9 घंटे मिलने का दावा किया गया था। इसके साथ ही भारत सरकार के निर्धारित 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को पाने में योगदान देने की बात की गई थी। अदाणी ग्रीन और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) के साथ हस्ताक्षरित बिजली बिक्री समझौते में तो यह सभी उद्देश्य शामिल थे, लेकिन यह समझौता एक विवाद की मंजूरी से गुजरना पड़ा। एसईसी की जांच के अनुसार, अदाणी ग्रीन और एज्योर पावर के अधिकारियों ने राज्य के अधिकारियों को रिश्वत की पेशकश की थी। इस कार्रवाई में कई कानूनी मामलों का सामना करना पड़ा है। सीईआरसी ने 2022 में आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों के बीच बिजली खरीद-बिक्री अनुबंध पर मंजूरी दी थी, जिसमें से 7 गीगावॉट बिजली आंध्र प्रदेश के लिए थी। बाकी भाग के अथवा पूरी खरीद को संभावित वारंट के कारण रोक दिया गया था। आंध्र प्रदेश सरकार ने अपने लिए इस परियोजना को ग्रामीण इलाकों में सीधे बिजली आपूर्ति करने के लिए एपी रूरल एग्रीकल्चर पावर सप्लाई कंपनी के साथ संपर्क स्थापित किया था। इस सभी विवादों और उलझनों से जगन मोहन रेड्डी की सरकार को उठने वाले चुनौतियों का सामना करना होगा। इस मुद्दे पर सरकार और नियामक संस्थानों के बीच सहयोग और सहयोग की आवश्यकता है ताकि सवालों का सही समाधान निकाला जा सके।

लोकसभा में बैंकिंग लॉ अमेंडमेंट बिल 2024 पास

नई दिल्ली। लोकसभा में बैंकिंग अमेंडमेंट बिल 2024 पारित हो गया है, जिससे भारतीय बैंक कार्यप्रणाली में कई महत्वपूर्ण सुधार होंगे। यह बिल बारह साल में बैंक खाते में चार नॉमिनी की स्थापना की अनुमति देता है, जिससे निवेशकों की सुरक्षा में सुधार होगा। अब निवेशक आईईपीएफ के माध्यम से डिविडेंड, शेयर, इंटरेस्ट और बॉन्ड की रकम का दावा कर सकेंगे। बिल द्वारा स्थापित किए गए नियमों के अनुसार, बैंक खाताधारकों को पैसे देने के लिए दो विकल्प उपलब्ध होंगे। इन नियमों के माध्यम से अनक्लेम्ड धन को सही उत्तराधिकारी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बैंकिंग अमेंडमेंट विधेयक के लागू होने से सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के डायरेक्टर्स को अब स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक में भी काम करने की अनुमति मिलेगी। डायरेक्टर्स का कार्यकाल अब 10 साल तक बढ़ा दिया गया है। इस अद्यतनीकरण के माध्यम से सरकारी बैंकों को ऑडिटर्स की फीस तय करने और उच्चस्तरीय प्रतिष्ठित कामगारों को भर्ती करने की अनुमति होगी। यह बदलाव बैंक की ऑडिट क्षमता को मजबूत करेगा। साथ ही बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक को रिपोर्ट देने की समय सीमा में बदलाव करने की भी अनुमति होगी।

इससे बैंकों को रिपोर्ट प्रस्तुत करने में अधिक विश्वसनीयता और सुचारूति मिलेगी। यह बैंकिंग अमेंडमेंट बिल 2024 एक महत्वपूर्ण कदम है जो निवेशकों के हितों को सुरक्षित करने के साथ-साथ भारतीय बैंक संस्थानों को भी मजबूती देगा।

शासकीय प्राथमिक शाला ढूडवा मे शिक्षकों के नही होने से पालकों मे नाराजगी

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। विकासखण्ड किरनापुर अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला ढूडवा मे शिक्षकों की कमी के चलते स्कूल के बच्चों की पढ़ाई नही हो पाने के कारण ग्रामीणों एवं बच्चों के पालकों मे प्रशासन के प्रति नाराजगी व्याप्त है। जनशिक्षा केन्द्र शा.हाई स्कूल हिर्री एवं संकुल शा. उच्च. माध्य. वि. भानेगांव अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला ढूडवा मे शान द्वारा निर्धारित दो शिक्षकों की नियुक्ति किया जाना निश्चित है। लेकिन उक्त स्कूल मे दो शिक्षकों मे एक शिक्षिका प्रसूति अवकाश एवं मेडिकल अवकाश पर होने से विद्यालय नहीं आ पा रही है जिससे वर्तमान समय में एकमात्र शिक्षक के भरोसे विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था संचालित हो रही है। लेकिन 4 दिसम्बर 2024 को विद्यालय मे पदस्थ शिक्षक अरुण कुमार मंसूरे को अचानक आवश्यक कार्य आ जाने से वे स्कूल नही जा पाए। जिसके कारण सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक विद्यालय मे कोई भी शिक्षक उपस्थित नहीं हो पाए। इस बीच बच्चों के नाराज़ पालकों ने विभाग के अधिकारीयो से स्कूल मे कोई भी शिक्षक के नही होने की सूचना दी तो जानकारी लगी कि विद्यालय के शिक्षक ने अपने अवकाश का आवेदन संकुल प्राचार्य से स्वीकृत कराए बिना छुट्टी का आवेदन वाट्सअप ग्रुप मे डाल दिया था जिसे संकुल प्राचार्य देख ही नहीं पाए थे। और जब पालकों ने सूचना दी तो संकुल प्राचार्य द्वारा लगभग 12:30 बजे शा. माध्यमिक विद्यालय कांद्रीकला के प्रधान पाठक को मोबाइल पर डुडवा स्कूल मे किसी शिक्षक को भिजवाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिस पर शा. माध्यमिक विद्यालय कांद्रीकला मे पदस्थ शिक्षक शैलेश कुमार पिछोड़े को भिजवाया गया जो लगभग 1 बजे शासकीय प्राथमिक शाला ढूडवा पहुंचे। बताया गया कि इस स्कूल मे कक्षा पहली से 5 वीं तक 31 बच्चे अध्ययन करते हैं। और 4 दिसम्बर को 29 बच्चे विद्यालय पहुंचे थे।

लेकिन इस तरह की अफरातफरी मे बच्चों की आज की पढ़ाई पूरी तरह से प्रभावित होकर रह गई। इस प्रकार से बच्चों की पढ़ाई नहीं होने से नाराज़ अभिभावकों ने स्कूल मे शिक्षकों की व्यवस्था करवाएं जाने की मांग को लेकर आगामी दिनों मे जिला कलेक्टर से मुलाकात कर विद्यालय मे शिक्षकों की कमी की समस्या से अवगत कराए जाने की बात कही है। बहरहाल ग्राम ढूडवा के जागरूक ग्रामीणों महेंद्र बहेकार, निशा भाजीपाले, प्रमिला गायधने, पिंकी मेंडे, महेश कोरे, अजय पाथोडे, खेमराज कोरे, संगीता कोरे, ज्योति कुर्वे, सुनीता सुनीता डोये, अक्षय भाजीपाले, महेंद्र शिवनकर, दिलीप बाहेकार, आकाश कुंभलवार, श्यामकला भाजीपाले, शंकर सहित अन्य लोगों ने प्रशासन से विद्यालय मे पर्याप्त शिक्षकों की व्यवस्था करवाएं जाने की मांग की है।

इनका कहना है

स्कूल मे दो वर्षों से स्थायी रूप से शिक्षकों की कमी बनी हुई है, जिससे बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है। अनेक बार शिक्षा विभाग के अधिकारीयो को समस्या से अवगत कराया गया लेकिन कोई समाधान नहीं हो पाया है। अब जनसुनवाई बालाघाट में जाकर कलेक्टर महोदय को भी स्कूल मे शिक्षकों के प्रबंध करने ज्ञापन देंगे।

महेन्द्र बहेकार, अध्यक्ष
पालक शिक्षक संघ डुडवा

मुझे शा.माध्यमिक विद्यालय कांद्रीकला के प्रधान पाठक ने बोला कि संकुल प्राचार्य से निर्देश मिले हैं कि शासकीय प्राथमिक शाला ढूडवा के शिक्षक मंसूरे सर आज अवकाश पर है आप वहां जाकर वहां की शैक्षणिक व्यवस्था देखे, उन से मिले निर्देश पर ही मै यहां आया हूं।

शैलेश कुमार पिछोड़े
प्राथमिक शिक्षक कांद्रीकला

पूर्व में संकुल स्तर पर अतिथि शिक्षको की व्यवस्था कर सकते थे किन्तु शासन ने अब यह व्यवस्था बन्द कर दी है जिससे डुडवा स्कूल मे हम अपने स्तर पर शिक्षकों की व्यवस्था नही कर पा रहे हैं। आसपास के स्कूलों में अधिक शिक्षकों के नही होने से ऐसी स्थिति बन गई है। डुडवा स्कूल के शिक्षक अरुण मंसूरे के अवकाश पर जाने से माध्यमिक शाला कांद्रीकला के प्रधान पाठक से आज किसी शिक्षक की व्यवस्था करवाएं जाने को बोला गया था। मंसूरे जी ने अपना आवेदन ग्रुप मे डाल दिया था जिसे हम देख नहीं पाए थे।

चन्द्रभूषण चौहान, प्रभारी संकुल प्राचार्य
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानेगांव

रोजगार मेले में दृष्टि कम्प्यूटर व शासकीय आईटी आई की छात्र-छात्राऐं हुए शामिल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट में 2 दिसंबर से स्वदेशी मेला का आयोजन किया जा रहा है जो कि 10 दिसंबर तक संचालित होगा इसी मेले में रोजगार मेले का भी आयोजन विभिन्न कंपनियों के द्वारा किया गया जिसमे जिले के लगभग 4000 विद्यार्थी युवा साथी पंहुचे थे। 3 दिसंबर को इसी स्वदेशी एवं रोजगार मेले में मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शिरकत की तथा रोजगार मेले में आये विद्यार्थीयो से रूबरू होकर कुछ बेरोजगार युवा साथियों को नियुक्त पत्र भी प्रदान किया। इस मेले में लांजी नगर में संचालित कम्प्यूटर शिक्षा में अग्रणी संस्था दृष्टि कम्प्यूटर लांजी से सैकड़ो छात्र छात्राऐं तथा पालडोंगरी आईटी आई से भी छात्र छात्राऐं रोजगार मेले में पंहुचे जिनके लिये शासन के द्वारा बस सहित नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई। इन नोडल अधिकारी सहित दृष्टि कम्प्यूटर लांजी के शैक्षणिक स्टाफ के दिशा निर्देश पर सभी विद्यार्थी रोजगार मेले में पंहुचे। इस संबध में दृष्टि कम्प्यूटर के संचालक सचिन चावड़ा भी उपस्थित रहे जिनके द्वारा मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव का स्वागत वंदन भी किया गया। आयोजित रोजगार मेले एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में सैकड़ो विद्यार्थी पंहुचे थे जिनके मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के हस्ते अलग अलग कंपनियों के द्वारा चयनित कुछ विद्यार्थीयों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया । लगभग 30 कंपनियों ने आवेदकों के द्वारा दी गई जानकारी को एकत्रित किया एवं रोजगार देने हेतु कुछ दिनों में आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर चयनित आवेदकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाने हेतु अपनी हामी भरी । प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के अंतर्गत विभिन्न राज्यों में चयनित एजेंसी के द्वारा भिन्न भिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण प्रदान कर एवं परीक्षा कराकर प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते है । लगभग 250 विद्यार्थी जिन्होंने पारंपरिक हाथ की कढ़ाई (ट्रेडिशनल हैण्ड एम्ब्रायडरी) का प्रशिक्षण प्राप्त किया था उन्हें इसी मंच पर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सत्र जुलाई 2023 में प्रवेशित पीजीडीसीए एवं डीसीए में अध्ययनरत विद्यार्थियो में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली दो विद्यार्थी कु. स्वाति बागड़े एवं रानी धनवले को संस्था की ओर से एन्ड्रॉयड स्मार्ट मोबाईल फोन पूर्व विधायक रमेश भटेरे जी एवं भाजपा नेत्री सामाजिक कार्यकर्ता मौसम बिसेन हरिनखेड़े के हस्ते प्रदान किया गया। इनके द्वारा विद्यार्थीयों को बधाई प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस संबध दृष्टि कम्प्यूटर के संचालक सचिन चावड़ा ने कहा कि स्वदेशी मेले के समस्त वरिष्ठजनों एवं युवाओं की मेहनत के कारण ही मेला इतना सुंदर प्रतीत हो रहा है। बालाघाट में प्रथम बार स्वदेशी मेला आयोजित किया गया है इसके पीछे एक संदेश भी है इनके बनाएं स्लोगन में कहा जाता है जब भी बाजार जायेंगे माल स्वदेशी लायेंगे । ये कहना भी बहुत ही सार्थक है । जब देशी वस्तुओं का निर्माण देशी कंपनी करेगी और इसे देश के नागरिक खरीदेंगे तो पैसा देश में रहेगा विदेश नहीं जायेगा । जिससे देश की आर्थिक स्थिति में इजाफा होगा। आपने यह भी कहा कि ऐसी कोई भी पहल जो नागरिकों एवं विद्यार्थियो के हित में हो हमारी संस्था उसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती आई है और लेती रहेगी भी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के डायरेक्टर सचिन चावड़ा, शिक्षक दिगंबर सहारे, चंद्रकिशोर कुतरीये, शिक्षिका आस्था श्रीवास्तव, शिक्षिका अंजली डोंगरे, सहायक हर्षाली नागदेवे, फिरदोस अली, संजय बैठवार, कुमेंद्र कावरे आदि ने अपना सराहनीय योगदान दिया ।

शास. उमावि टेमनी में हम होंगे कामयाब के तहत बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की दिलाई शपथ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। महिला केंद्रित मुद्दों पर जागरूकता और महिला आधारित योजनाओं को जन - जन तक पहुंचने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला कलेक्टर के निर्देशन में विशेष जागरूकता अभियान हम होंगे कामयाब पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन अंतर्गत बाल विवाह मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत 4 दिसम्बर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेमनी में प्राचार्य जे के बेदरे ने विशेष जागरूकता अभियान हम

होंगे कामयाब पखवाड़ा अंतर्गत बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शपथ दिलाई। इस अवसर पर खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई और कानून का उल्लंघन है, जो बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और विकास में बाधा है, तथा उनके सपनों को साकार होने से रोकता है। इस दौरान प्राचार्य जे के बेदरे, सुनील कुमार येड़े, संदीप सोनटेके, अशोक खोब्रागड़े, रितेश सोनवाने, कु.प्रगति गौतम, श्री मेहरकर, श्रीमती पूजा तुरकर, दीपक रामटेके, चन्द्रकांत दोनाड़कर सहित विद्यालय की छात्र-छात्राएं व शिक्षक स्टाफ उपस्थित था।

शासकीय महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विश्व एड्स दिवस के अन्तर्गत आयोजित किये जा रहे एड्स पखवाड़े के तहत विभिन्न चयनित स्थानों पर एड्स जागरूकता को लेकरे स्वास्थ्य विभाग के अमले के द्वारा कार्यशालाऐं आयोजित कर जागरूक किया जा रहा है। जिसके तहत 3 दिसंबर 2024 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी बालाघाट के मार्गदर्शन में

शासकीय महाविद्यालय लांजी में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रभारी बीएमओं डॉ अक्षय उपराडे, आईसीटीसी काउंसलर प्रमिला कटरे, कुष्ठ विभाग से मालती बंसोड़,. पीपीए धर्मेंद्र बागडे लिंक वर्कर स्कीम से प्रीती कावड़े, उमंग स्वास्थ्य केंद्र से शिव हरिनखेड़े एवं महाविद्यालस से प्रो. कांता वर्मा,डा डालेश विजयवार तथा समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में बीएमओ डॉ अक्षय उपराड़े द्वारा एड्स दिवस की थीम मेरा स्वास्थ मेरा अधिकार के तहत कार्य किया जा रहा है। इस थीम का तात्पर्य यह है स्वास्थ्य प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है अधिकारों की रक्षा की जाए तो एड्स महामारी को विश्व से समाप्त किया जा सकता है इस दौरान छात्रों द्वारा मानव श्रंखला, तात्कालिक भाषण, पोस्टर मेकिंग एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इन सभी प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक अपनी भागीदारी दी कार्यशाला के समापन पर मंचासीन अतिथियों द्वारा एचआईवी एड्स एचडीआई टीबी एवं कुष्ठ रोग हेपेटाइटिस बी एवं अन्य बीमारियों के बारे में बताया गया। वहीं उमंग स्वास्थ्य केंद्र द्वारा दी जानें वाली सेवाओं के बारे में बताया गया। उक्त सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने आज चिकमारा केप में बुलाई आपातकालीन बैठक

तीसरे दिन भी जारी रहा किसानों का धरना

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। सरकार से धान का 31 सौ रुपए समर्थन मूल्य और गत वर्ष का 917 रुपए बकाया बोनस प्रदान करने की मांग को लेकर जिले भर के उपार्जन केंद्रों के सामने चल रहा किसानों का धरना प्रदर्शन तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा है. जिस कारण उपार्जन केंद्रों में वीरानी छाई रही. राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ और किसान गर्जना के आह्वान पर जिले के तमाम उपार्जन केंद्रों के सामने किसान धरना प्रदर्शन कर रहे है. वहीं बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज को केंद्रों में ना लाकर घर पर बैठकर ही धरना प्रदर्शन को समर्थन दे रहे है. किसानों के धरना प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मंगलवार को बालाघाट में स्वदेशी मेला और धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट गए. मगर, ताज्जुब की बात यह है कि उन्होंने किसानों की मांग पर अपना रुख साफ नहीं किया और ना ही धरना प्रदर्शन कर रहे किसानों के लिए कुछ कहा। दरअसल, किसान संगठनों को यह आशा थी कि मुख्यमंत्री बालाघाट में किसानों की मांग को लेकर अपना रुख साफ कर सकते है. मगर, मुख्यमंत्री ने धरने पर बैठे किसानों के लिए एक शब्द तक नहीं कहा. जिससे किसान संगठनों में निराशा है. जिसके चलते अब राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने कटंगी-तिरोड़ी और रामपायली ब्रांच की सभी समितियों के किसानों

की गुरूवार को चिकमारा केप में आपाताकालीन बैठक बुलाई है. इस बैठक में आगामी समय में धरना प्रदर्शन को वृहद आंदोलन का स्वरूप देने पर चर्चा होनी है. बुधवार की शाम राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ जिला संयोजक ईश्वरी प्रसाद बिसेन ने एक बयान जारी कर किसानों से बैठक में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है. बता दें कि बालाघाट जिले की 06 विधानसभा सीटों में 04 पर कांग्रेस पार्टी के विधायक है जबकि दो विधानसभा पर भाजपा पार्टी के विधायक है. बालाघाट से कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे, वारासिवनी विधायक विवेक पटेल, परसवाड़ा विधायक मधु भगत और पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने किसानों के आंदोलन को समर्थन किया है और उनकी मांगों को जायज ठहराया है. कंकर मुंजारे को तो सीएम के बालाघाट आने पर पुलिस ने हिरासत में भी लिया था. जबकि सत्ता दल के कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी और लांजी विधायक राजकुमार करहि की ओर से किसानों की मांगों को लेकर कोई प्रतिक्रिया अब तक नहीं आई है. जबकि सत्ताधारी दल के इन विधायकों ने अपने चुनावी पर्चे में मध्य प्रदेश का संकल्प मोदी की गारंटी में धान का 31 सौ रुपए समर्थन मूल्य के नाम पर किसानों से वोट मांगा था. लेकिन आज जब किसान धरने पर बैठे है तो सत्ताधारी दल के विधायक चुप्पी साधे बैठे हुए है। बालाघाट जिले में धान उपार्जन के लिए 185 केंद्र बनाए गए है पता चला है कि मंगलवार को बैहर, लांजी और लालबर्रा में इक्का-दुक्का किसानों ने उपज लाकर बेची थी. हालांकि बड़ी संख्या में उपार्जन केद्र सूनसान ही पड़े है. खरीदी कर्मचारी किसानों के आने का इंतजार कर रहे है लेकिन दुसरी तरफ किसान सरकार से संकल्प पत्र के मुताबिक 31 सौ रुपए का समर्थन मूल्य देने की मांग पर अड़े है. बता दें कि 02 दिसंबर से सरकार ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत कर दी है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भानेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बोलेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

6 महिला जजों की बरखास्तगी पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई आपत्ति, जस्टिस नागरत्ना बोली-

पुरुष यदि मासिक धर्म का अनुभव करते तब स्थिति समझते

भोपाल । जून 2023 में मप्र की 6 महिला जजों की बरखास्तगी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने जजों की बरखास्तगी के लिए इस्तेमाल किए गए मापदंडों की आलोचना करते हुए सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि,अगर पुरुष मासिक धर्म का अनुभव करते तो वे स्थिति को समझते। मध्यप्रदेश के विधि और विधायी कार्य विभाग ने हाईकोर्ट की सिफारिश पर 23 मई 2023 को आदेश जारी कर 6 न्यायाधीशों की सेवाएं समाप्त कर दी थीं। यह आदेश हाई कोर्ट की प्रशासनिक समिति और फुल कोर्ट मीटिंग के फैसले के आधार पर दिया गया था। बर्खास्त जजों के निर्णय संबंधी यह बैठकें मई 2023 में अलग-अलग तिथियों में हुई थीं। परिवीक्षा अवधि के दौरान महिला जजों का परफॉर्मेंस पुअर पाए जाने पर उनके विरुद्ध यह कार्यवाही करने की सिफारिश की गई। आदेश का गजट नोटिफिकेशन 9 जून 2023 को हुआ था।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और एन कोटिश्वर सिंह की बैंच ने मध्य प्रदेश में महिला सिविल जजों की बरखास्तगी से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। मप्र में छह महिला सिविल जज को बर्खास्त कर दिया गया, जिनमें से दो को अभी बहाल किया जाना है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी तब आई जब उसने इस मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा अपनाए गए मापदंडों को देखा। मप्र के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि केसों के निपटारे के मामलों के खराब निपटान दर के कारण न्यायाधीशों को बर्खास्त किया गया था। जवाब में, कोर्ट ने कहा कि उनके पास पुरुष न्यायाधीशों के लिए समान मापदंड होंगे। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, काश उन्हें मासिक धर्म होता, तभी वे समझ पाते। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर महिलाएं शारीरिक और मानसिक रूप से पीड़ित हैं तो उन्हें धीमी गति से काम करने वाला न कहें और उन्हें घर भेज दें।

12 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

अब इस मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने जून 2023 में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा छह न्यायाधीशों की बर्खास्तगी पर जनवरी में स्वतः संज्ञान लिया था। एक प्रशासनिक समिति और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की एक पूर्ण-न्यायालय बैठक में परिवीक्षा अवधि के दौरान उनके प्रदर्शन को असंतोषजनक पाए जाने के बाद कानून विभाग द्वारा सेवा समाप्ति आदेश पारित किए गए थे। फरवरी की सुनवाई में शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से उच्च न्यायालय से पूछा था कि क्या वह अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को तैयार है। जुलाई में सुप्रीम कोर्ट ने फिर से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को एक महीने के भीतर प्रभावित न्यायाधीशों के अभ्यावेदन पर नए सिरे से विचार करने को कहा। वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने इस मामले में न्याय मित्र के रूप में कार्य किया। जजों की ओर से वरिष्ठ वकील इंदिरा जय सिंह और आर बसंत पेश हुए। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ओर से वकील अर्जुन गर्ग पेश हुए।

इन न्यायाधीशों की सेवा की गई थी समाप्त

जिन न्यायाधीशों की सेवाएं समाप्त की गई थीं, उनमें उमरिया में पदस्थ रहीं सरिता चौधरी, रीवा में रचना अतुलकर जोशी, इंदौर में प्रिया शर्मा, मुरैना में सोनाक्षी जोशी, टीकमगढ़ में अदिति कुमार शर्मा और टिमरनी में सेवा दे रहीं ज्योति बरखेड़े शामिल थीं।

बिजली चोरी के पाँच मामलों में अर्थदंड की सजा

एक आरोपी को दो वर्ष कारावास सहित 2 लाख 97 हजार 548 रूपये जुर्माना

भोपाल/बैतूल/दतिया। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के दतिया, बैतूल एवं सबलगढ़ में विशेष न्यााया‍धीश विद्युत अधिनियम एवं जिला न्योयालय द्वारा बिजली चोरी के मामलों में दोष सिद्ध होने पर पाँच आरोपियों को अर्थदंड सहित एक आरोपी को 2 लाख 97 हजार 548 रूपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा दतिया वृत्तर अंतर्गत चेकिंग के दौरान दिनेश साहू आत्मलज सुरेश साहू द्वारा उनकी राइस मिल में स्थावपित कनेक्शलन के मीटर को बायपास कर विद्युत चोरी पकड़ते हुए माननीय न्यासयायल के समक्ष परिवाद दायर किया गया था, जिस पर विशेष न्यापयाधीश विद्युत अधिनियम दतिया श्री सुदीप कुमार श्रीवास्तयव द्वारा दोष सिद्ध पाए जाने पर आरोपी दिनेश साहू को दो वर्ष की सजा एवं 2 लाख 97 हजार 548 रूपये जुर्माने की सजा सुनाई है। इसी प्रकार बैतूल वृत्तस के मुलताई ग्रामीण वितरण केन्द्रा अंतर्गत विनोदीलाल कवड़े द्वारा अपने परिसर में स्थाईपित घरेलू कनेक्शून के मीटर को बायपास कर विद्युत चोरी के मामले में विशेष न्यााया‍धीश विद्युत अधिनियम मुलताई जिला बैतूल पंकज चतुर्वेदी द्वारा आरोपी विनोदीलाल कवड़े के विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत दोष सिद्ध पाए जाने पर वित्तीसय लाभ का तीन गुना 22 हजार 071 रूपये का जुर्माना तथा अदायगी नहीं करने पर चार माह की सजा सुनाई है। इसी तरह सबलगढ़ अंतर्गत बिजली चोरी के मामलों में माननीय न्याअयालय द्वितीय अति सत्र न्यायुाधीश उपेन्द्र देशवाल द्वारा तीन आरोपियों को तीन गुना जुर्माना तथा अदायगी नहीं करने पर चार माह की सजा सुनाई है।

हफ्ते में एक दिन डीजीपी करेंगे जनसुनवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश के नए डीजीपी कैलाश मकवाना शपथ लेने के बाद एक्शन मोड में है। वे हफ्ते में एक दिन जनसुनवाई करेंगे। लोगों की प्रतिक्रिया और समस्या हल करने के लिए नवनियुक्ति डीजीपी कैलाश ने यह फैसला लिया है। भोपाल के पुराने मुख्यालय में यह जनसुनवाई होगी।

आईपीएस कैलाश मकवाना डीजीपी की शपथ लेने के बाद एक्शन मोड में है। पद संभालने के बाद उन्होंने कहा था कि पुलिस, अनुशासन और कानून का पालन प्राथमिकता है। आगामी सिंहस्थ के लिए पुलिस की मजबूत तैयारी है। साइबर अपराध चुनौती, जनता को जागरूक करना और पुलिस को इसके लिए तैयार करना प्राथमिकता है। पुलिस को तकनीकी रूप से सुदृढ़ करना, जनता की सुनवाई हो, शिकायतों पर पुलिस स्टेशन में त्वरित कार्रवाई हो। वहीं अब नवनियुक्त डीजीपी ने हफ्ते में एक दिन जनसुनवाई करने का फैसला लिया है।

मप्र में होगा देश का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल पार्क

भोपाल । मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के विकास और विभागीय कार्यों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। कैबिनेट मीटिंग में मप्र में औद्योगिक विकास और रोजगार के सुनहरे अवसर देने वाली परियोजनाओं और कार्यों को मंजूरी दी गई है। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सीएम मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट मीटिंग में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2025 मध्य प्रदेशभर में उद्योग और रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जाएगा, उद्योग विभाग, विशेषकर विज्ञान-तकनीक, कुटीर और ग्रामोद्योग, माइनिंग, नवीनीकरण ऊर्जा, उद्यानिकी, फूड प्रोसेसिंग आदि विभागों में सालभर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वहीं इन सभी विभागों को ज्यादा से ज्यादा निवेश लाने के प्रयास करने की चुनौती भी दी गई है।

मप्र में देश का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल पार्क बनाया जाएगा। इसके लिए इंदौर-उज्जैन के बीच ग्रीन फील्ड रोड बन रही है। इसकी लंबाई 48 किलोमीटर है। ये भी 4 लेन है। इसकी लागत 1370 करोड़ से बनेगी। इसकी खासियत ये होगी कि ये इंदौर-उज्जैन को तो जोड़ेगी,

पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्र से भी जुड़ेगी, इसलिए औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। एयरपोर्ट के करीब से निकलेगी इसलिए इसका महत्व और बढ़ जाता है। लेफ्ट से ये पीथमपुर से तो राइट साइड में उज्जैन से जुड़ेगी। ये महत्वपूर्ण सडक़ है, जो विकास और रोजगार साथ लेकर आएगी।

मप्र बनेगा औद्योगिक विकास का हब

कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट मीटिंग की जानकारी देते हुए बताया कि औद्योगिकीकरण जब होता है तो उसके साथ रोजगार का सृजन होता है। एमपी के सीएम ने लगातार संभागों में जाकर एक ऐसा औद्योगिक वातारण बनाया है, जिसका परिणाम अब देखने को मिल रहा है। उन्होंने सीएम के यूके और जर्मनी के दौरे पर चर्चा करते हुए कहा कि पिछले दिनों सीएम मोहन यादव यूके और जर्मनी के दौरे पर गए और वहां के बड़े उद्योगपतियों और उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उन्हें एमपी में निवेश के लिए आकर्षित किया। सीएम का ये टूर उनके उद्देश्य पूरे करने में सफल रहा। इसी का परिणाम रहा कि एमपी में यूके और जर्मनी से 78 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए हैं। इन निवेशों के प्रस्ताव जल्द ही हकीकत में बदलेंगे और मध्य प्रदेश देशभर में औद्योगिक विकास का बड़ा डेस्टिनेशन बन जाएगा। भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर सम्मिट में भी जर्मनी और यूके के ये सभी निवेशक पार्टनर बनेंगे। मंदी के वातावरण में भी ये निवेश आना एमपी की औद्योगिक नीति दोस्ताना नीति और सीएम का एमपी में विदेशी निवेश का संकल्प सफल होता नजर आ रहा है।

नए साल के मौके पर भीड़ कंट्रोल करने के लिए फैसला

-नए साल में 10 लाख भक्तों के आने का अनुमान

भोपाल। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में साल के आखिरी सप्ताह में भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग को ब्लॉक कर दिया गया है। इन दिनों में भस्म आरती दर्शन करने की इच्छा रखने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर के भस्म आरती बुकिंग काउंटर से ऑफलाइन अनुमति प्राप्त करना होगी। बता दें, मंदिर समिति द्वारा प्रतिदिन 400 भक्तों को भस्म आरती दर्शन की ऑनलाइन अनुमति दी जाती है। हालांकि कुछ महत्वपूर्ण अवसरों पर भीड़ नियंत्रण की दृष्टि से इस सुविधा को बंद रखा जाता है।

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक आस्था का सैलाब उमड़ता है। इस बार भी नए साल में 10 लाख से अधिक भक्तों के भगवान महाकाल के दर्शन करने आने का अनुमान है। देशभर से महाकाल दर्शन करने आने वाले श्रद्धालु तडक़े 4 बजे होने वाली भस्म आरती के दर्शन अवश्य करना चाहते हैं। दिसंबर माह में 25 दिसंबर तक भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग फुल है। इसके बाद 26 दिसंबर से 1 जनवरी तक ऑनलाइन बुकिंग को ब्लॉक कर दिया गया है। भीड़ वाले इन दिनों में भक्तों को मंदिर कार्यालय के समीप स्थित भस्म आरती बुकिंग काउंटर से ऑफलाइन अनुमति दी जाएगी।

महाशिवरात्रि की बुकिंग भी ब्लॉक

महाकाल मंदिर की वेबसाइट पर भक्त अब दो माह पहले से भस्म आरती दर्शन के लिए ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। दिसंबर माह में जनवरी व फरवरी 2025 के लिए बुकिंग का विकल्प खुला हुआ है। हालांकि फरवरी में 26 व 27 फरवरी की बुकिंग ब्लॉक है। वजह 26 फरवरी को महाशिवरात्रि तथा 27 फरवरी को साल में एक बार दिन में दोपहर 12 बजे भस्म आरती होगी। दोनों ही दिन हजारों श्रद्धालु भस्म आरती दर्शन करना चाहते हैं। लेकिन मंदिर प्रशासन ने दोनों दिन की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा को ब्लॉक कर दिया है।

10 हजार भक्त रोज कर सकेंगे भोजन

इस बीच, महाकाल मंदिर के अन्नक्षेत्र की क्षमता को दो गुना करने की तैयारी की जा रही है। अब प्रतिदिन 10 हजार भक्त भोजन कर सकेंगे। मंदिर प्रशासन द्वारा इसे लेकर बुधवार को बैठक आयोजित होगी। इसमें सात दिन की व्यंजन सूची भी निर्धारित होगी। प्रतिदिन बनने वाले भोजन की गुणवत्ता में सुधार भी किया जाएगा। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति द्वारा श्री महाकाल महालोक के नंदी द्वार के सामने पार्किंग परिसर में अन्नक्षेत्र का संचालन किया जाता है। दो मंजिला अत्याधुनिक अन्नक्षेत्र में 1500 भक्तों के एक साथ बैठकर भोजन करने की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में केवल तल मंजिल का मंजिल का उपयोग किया जा रहा है। प्रतिदिन करीब 4 से 5 हजार भक्त भोजन प्रसादी ग्रहण कर रहे हैं। नई योजना तल मंजिल के साथ प्रथम तल के उपयोग की है। इस व्यवस्था से दिनभर में करीब 10 हजार भक्त महाप्रसादी ग्रहण कर सकेंगे।

अत्याधुनिक किचन में मशीनों से बनता है भोजन

महाकाल मंदिर का अन्नक्षेत्र देश के बड़े मंदिरों के अन्नक्षेत्र की तरह विशाल व अत्याधुनिक है। इसमें मशीनों से भोजन तैयार किया जाता है। सुबह 11 बजे भगवान महाकाल को भोग अर्पित करने के बाद भक्तों को प्रसाद रूप में भोजन कराया जाता है। भक्तों के लिए प्रसादी की सुविधा रात 9 बजे तक मिलती है।

हर दिन मिलेगा नया स्वाद

अन्नक्षेत्र में वर्तमान में दाल, चावल, रोटी, सब्जी तथा केसरिया भात, बेसन चक्की, खीर आदि के रूप एक मिठाई बनाई जाती है। यह मैन्यू सालों से चला आ रहा है। मंदिर समिति ने सब्जी के लिए टेंडर कर रखा है बावजूद इसके आए दिन लौकी, गिलकी जैसी एक ही प्रकार की सब्जी बनाई जाती है। कई बार चावल, काबुली चना आदि की गुणवत्ता भी कमजोर रहती है। इस संबंध में मंदिर प्रशासन को भी कई शिकायत मिली है। मामले में अधिकारी भोजन की गुणवत्ता सुधारने के साथ सात दिन की व्यंजन सूची निर्धारित करेंगे। इस व्यवस्था से देशभर से आने वाले भक्तों को भोजन में हर दिन नया स्वाद मिलेगा।

देश में राजनीतिक झूठ बोलने वाला यदि कोई व्यक्ति हैं, तो वह हैं शिवराज सिंह चौहान-जीतू पटवारी

भोपाल । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुये कहा कि भारत के संविधान में दूसरे नंबर की सबसे बड़ी कुर्सी पर विराजित देश के उपराष्ट्रपति जी ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के वर्तमान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति अपनी प्रतिक्रिया देते हुये यह कहा कि आप झूठ बोलते हो, यह प्रदेश और देश के लिए बड़ी गंभीर स्थिति है और उनकी इस प्रतिक्रिया ने जहां एक ओर देश की मोदी सरकार को आइना दिखाया है, वहीं प्रदेश में उनकी साख पर प्रष्नचिन्ह लगा है।

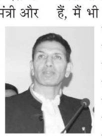

श्री पटवारी ने कहा कि यदि कोई झूठ बोलने वाला राजनैतिक व्यक्ति हैं तो वह है शिवराजसिंह चौहान। यदि गूगल करके देखो तो सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाले व्यक्ति में शिवराज सिंह चौहान का नाम आता है। उन्होंने कहा कि मप्र में कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष बनने के बाद मैंने और कांग्रेस ने लगातार यह बात कहीं है कि शिवराज सिंह चौहान जनता से भी झूठ बोलते हैं, व्यवस्था से भी झूठ बोलते हैं। पिछले 12 मंगलवार बीते चुके हैं, मैंने उनसे समय मांगा और आप देष के कृषि मंत्री हैं, मैं भी कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष हूं। विपक्ष के नाते किसानों के हित में आपसे बात करना चाहता हूं, लेकिन उन्होंने मुझे कोई समय देना उचित नहीं समझा। यह मेरा व्यक्तिगत रूप से कोई अपमान नहीं है यह व्यवस्था का अपमान है। शिवराज सिंह चौहान में थोड़ी सी भी राजनैतिक मर्यादा बची हो तो देश के उपराष्ट्रपति ने आपके काम की तरीके पर सवाल क्यों उठाए हैं? और यह कहा है कि आप कर क्या रहे हो, इतने साल से किसान अपनी फसलों के दाम मांग रहे हैं, आप मौन हैं, किसानों के लिए आपने क्या प्रयास किया। तीन दिन पहले संसद में शिवराज सिंह चौहान ने संसद में कहा किसानों को लागत से दोगुना समर्थन मूल्य नरेंद्र मोदी की सरकार देती है।

श्री पटवारी ने कहा कि इसका साफ मतलब है या तो धनकड़ साहब की भावना गलत थी या शिवराज सिंह चौहान ने संसद के अंदर झूठ बोला, मैं धनगढ़ साहब को साधुवाद देता हूं, किसानों के हित और अधिकारों की बात कही मैं व्यक्तिगत रूप से उनसे मिलूंगा और आग्रह करूंगा कि इतनी हिम्मत से अपने सरकार को आइना दिखा नरेंद्र मोदी और शिवराज सिंह चौहान को आइना दिखाया। मैं आग्रह करूंगा कि यही बात संसद की आसंदी पर बैठकर करें और सरकार को आईना दिखायें।

श्री पटवारी ने कहा कि शिवराज जी आपका झूठ और पाखंड सर चढ़कर बोल रहा है। एक साल पहले षिवराज ने कहा कि 3100 रुपए धान, 2700 गेहूं के दाम मिलना चाहिए। अभी केवल 2300 में धान की खरीदी हो रही है।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ से हटाए गए अजय शर्मा

भोपाल। मध्य प्रदेश में पुलिस अधिकारियों का तबादला किया गया है। अजय कुमार शर्मा को एमपी पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले वे आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ में पदस्थ थे। वहीं उपेंद्र जैन को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के नए डीजी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कैलाश मकवाना के डीजीपी बनने के बाद पुलिस हाउंसिंग कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष का पद खाली था। इस संबंध में पुलिस विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

मप्र में पर्यटकों की पहली पसंद उज्जैन

टॉप-5 में ओंकारेश्वर, इंदौर, भोपाल और मैहर भी

भोपाल। मप्र के प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक और पौराणिक महत्व की दुनियाभर में पहचान है। इसीलिए पर्यटक बड़ी संख्या में मध्यप्रदेश पहुंच रहे हैं। जनवरी से नवंबर तक रिकॉर्ड 6.57 करोड़ पर्यटक उज्जैन आए। मप्र के अन्य पर्यटन स्थलों में 10 करोड़ 66 लाख पर्यटक पहुंचे। 2017 में यह आंकड़ा 5 करोड़ था। यानी आठ साल में दोगुना पर्यटक बढ़े हैं। सबसे खास बात यह है कि देसी पर्यटकों के टॉप-5 डेस्टिनेशन में उज्जैन, ओंकारेश्वर, इंदौर, भोपाल और मैहर शामिल हैं। इस वर्ष 10 लाख 85 हजार विदेशी पर्यटक भी मप्र पहुंचे। विदेशियों सैलानियों में मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थल खास आकर्षण का केंद्र रहे। टॉप-5 डेस्टिनेशन में खजुराहो, बांधवगढ़,

कान्हा, पन्ना और ओरछा हैं। देसी पर्यटकों की रुचि धार्मिक क्षेत्रों में अधिक है।

ओंकारेश्वर में 21 लाख 29 हजार लोगों ने दर्शन किए। इसी तरह 97 लाख लोग मैहर पहुंचे। हालांकि, इस साल प्रदेश में पर्यटकों की संख्या पिछले साल के मुकाबले घटी है। साल 2023 में प्रदेश में 11.21 करोड़ पर्यटक पहुंचे थे। वहीं, साल 2022 में यह आंकड़ा 3.41 करोड़ का था। पिछले दो साल की ही बात करें तो प्रदेश में 21.87 करोड़ पर्यटक पहुंचे। यह दो साल में पर्यटकों की संख्या का रिकॉर्ड है।

महाकाल लोक बनने के बाद बदली तस्वीर

महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। अभी फेज-2 के काम चल रहे हैं। महाकाल मंदिर प्रशासक गणेशकुमार धाकड़ ने बताया कि मंदिर में कम समय में दर्शन होते। भस्मआरती में आरएफ बैंड सिस्टम शुरू किया है। इससे अवैध रूप से भस्मआरती में शामिल होने वालों पर अंकुश लगा है। श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए दो भक्त निवास बन चुके हैं। तीसरा अभी बन रहा है। महाकाल लोक बनने के बाद सेलीब्रिटी भी बड़ी संख्या में पहुंच रही हैं।

1 हजार करोड़ बकाया, अनिश्चितकालीन हड़ताल पर राइस मिलर्स

भोपाल। मध्यप्रदेश में 2 दिसंबर से धान खरीदी की शुरुआत हो चुकी है, जो 20 जनवरी तक चलेगी। लेकिन इसे लेकर मध्यप्रदेश में दिक्कतें आ सकती है। क्योंकि, सरकार से पिछले कुछ सालों की बकाया राशि न मिलने पर राइस मिलर्स एसोसिएशन ने आंदोलन शुरू कर दिया है और नाराज होकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। राइस मिलर्स को करीब 1000 करोड रुपए बकाया लेना है। उनका कहना है कि सरकार से बकाया राशि नहीं मिलने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति काफी कमजोर हो गई है। इसलिए मजबूरन अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं।

बता दें कि इस बार सरकार का लक्ष्य 45 लाख मीट्रिक टन धान, 3 लाख मीट्रिक टन बाजरा और 50 हजार मीट्रिक टन ज्वार की खरीद करना है। लेकिन बारदाना की कमी की वजह से सरकार अपने लक्ष्य से चूक न जाए। मध्यप्रदेश चावल उद्योग महासंघ के मुताबिक राइस मिलर्स संगठन के हड़ताल पर जाने के कारण धान खरीदी के दौरान बारदाना की दिक्कत आ सकती है। क्योंकि धान खरीदी के लिए 50 फीसदी बारदाना सरकार को राइस मिलर्स उपलब्ध करवाता है। लेकिन इस बार वे नहीं देंगे। इसके अलावा बात की जाए तो राइस मिलर प्रोसेसिंग के लिए धान भी अपनी मिल में नहीं रखेंगे। अभी तक होता यह था कि धान खरीदी के बाद काफी बड़ी संख्या में राइस मिलर प्रोसेसिंग के लिए सरकार तक पहुंचा देती थी। जिससे सरकार को फायदा होता था। उन्हें वेयरहाउस में कम धान रखना पड़ता था और इसके साथ ही राइस मिल से पैसा मिलने पर किसानों को तुरंत भुगतान कर दिया जाता था।

शीतकालीन सत्र में पेश होगा 10,000 करोड़ का अनुपूरक बजट

भोपाल। मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से शुरू होगा। इस सत्र में मोहन सरकार अपना प्रथम अनुपूरक बजट प्रस्तुत करेगी। अनुपूरक बजट 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक का हो सकता है। अनुपूरक बजट के कारण वित्त वर्ष 2025-26 के बजट की तैयारी में जुटे अधिकारियों ने अपना काम रोक दिया है और पूरा फोकस अनुपूरक बजट पर कर दिया है। विभिन्न विभागों की ओर से भेजी गई मांगों के आधार पर वित्त विभाग प्रथम अनुपूरक बजट फायनल कर रहा है। वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रथम अनुपूरक बजट विधानसभा में 17 दिसंबर को पेश करने की तैयारी है।

गौरतलब है कि इस बार सरकार जीरो बेस बजटिंग प्रक्रिया से बजट तैयार करवा रही है। मप्र सरकार अक्टूबर से वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट की तैयारियां कर रही है। बजट तैयार करने को लेकर मंत्रालय में उप सचिव स्तर की बैठकें समाप्त हो गई हैं। वित्त विभाग के उप सचिवों ने जिन विभागों के अधिकारियों के साथ बजट को लेकर चर्चा की है, वे उसकी रिपोर्ट तैयार कर वित्त विभाग को सौंपेंगे। इस बीच वित्त विभाग के अधिकारी प्रथम अनुपूरक बजट की तैयारियों में जुट गए, जिससे मुख्य बजट का काम अभी रुका हुआ है।

आधी-अधूरी तैयारी से पहुंचे अधिकारी

विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से शुरू होगा। चूंकि वित्त विभाग नई पहल करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट जीरो बेस बजटिंग प्रक्रिया के आधार पर तैयार कर रहा है, इसलिए इस साल बजट तैयार करने की प्रक्रिया जल्दी शुरू कर दी गई है। बजट पर चर्चा करने को लेकर उप सचिव स्तर की बैठकें समाप्त हो गई हैं। वित्त विभाग के उप सचिवों को अन्य विभागों के अफसरों के साथ बजट संबंधी चचर्चा की जिम्मेदारी दी गई थी। मजेदार बात यह है कि अन्य विभागों के अधिकारी आधी-अधूरी तैयारियों के साथ बैठकों में पहुंचे, जिससे वित्त विभाग के उप सचिवों को उन्हें जीरो बेस बजटिंग के बारे में जानकारी देने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना पड़े। इस कारण कई बार बैठकें आगे बढ़ानी पड़ीं। बजट कैलेंडर के अनुसार सचिव , प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों के बीच 23 दिसंबर से 15 जनवरी के बीच बजट पर चर्चा होगी। वित्त मंत्री अन्य विभागों के मंत्रियों के साथ बजट प्रस्तावों पर 27 जनवरी से 30 जनवरी तक चर्चा करेंगे। वित्त मंत्री के बजट भाषण के लिए विभागों से 15 जनवरी तक जानकारी देने को कहा गया है। वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि निर्धारित शेड्यूल के अनुसार बजट तैयार करने की प्रक्रिया जारी है। समय पर उक्त कार्रवाई पूरी कर ली जाएगी।

चार लाख करोड़ से अधिक का हो सकता बजट

मप्र का वित्त वर्ष 2025-26 का बजट चार लाख करोड़ रुपए से अधिक का हो सकता है। इसमें महिला एवं बाल विकास विभाग को लगभग 27 हजार करोड़ रुपये मिलेंगे। इससे लाड़ली बहना योजना और 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने जैसी योजना के लिए प्रविधान रहेगा। लाड़ली बहना योजना पर वर्षभर में लगभग 18 हजार करोड़ रुपये व्यय हो रहे हैं। इसी तरह सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए दिए जाने वाले अनुदान के लिए विभिन्न विभागों के बजट में 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रविधान रखा जाएगा। अधोसंरचना विकास के कार्यों को गति देने की प्राथमिकता को पूरा करने के लिए पूंजीगत व्यय 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक किया जाएगा। वित्त विभाग की संचालक (बजट) तन्वी सुन्द्रियाल ने सभी विभागों को बजट की अंतरिम सीमा दी है ताकि वे इसके अनुसार प्रस्ताव तैयार कर सकें। बता दें, वर्ष 2024-25 का बजट तीन लाख 65 हजार करोड़ रुपये से अधिक का है।

सभी योजनाओं की समीक्षा

इस बार शून्य बजट की प्रक्रिया अपनाई गई है यानी एक-एक योजना की समीक्षा कराई जा रही है। इसमें उनकी उपयोगिता के बारे में पूछने के साथ अब तक की उपलब्धियों का ब्योरा भी मांगा जा रहा है। प्रस्तावों पर विचार करने के लिए उप सचिव स्तर के अधिकारियों की बैठकें चल रही हैं। इसके बाद सचिव और फिर मंत्री स्तरीय बैठकें करके प्रस्तावों को अंतिम देने के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। व्यय सूत्रों का कहना है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिए 19 हजार 203 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। इसमें प्रधानमंत्री आवास से लेकर अन्य योजनाओं के लिए प्रविधान किया जाएगा।

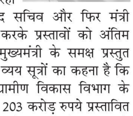

आज पहले एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया पर जीत के इरादे से उतरेगी

ब्रिसबेन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार से यहां मेजबान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच में खेलेगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम का प्रयास इस मैच को जीतकर अच्छी शुरआत करना रहेगा।

भारतीय टीम ने पिछले महीने ही न्यूजीलैंड को घरेलू एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हराया। भारतीय टीम का रिकार्ड हालांकि ऑस्ट्रेलिया में अच्छा हनीं रहा है और उसे की सोलह एकदिवसीय में से चार में ही जीत मिली है।

वहीं पिछले करीब 9 महीने से इस प्रारूप में नहीं खेली गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया की नजरें अब अगले साल भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप से पहले अपने को अच्छे फार्म में लाना रहेगा। वहीं भारत की बल्लेबाजी अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत पर आधारित रहेगी। मंधाना ने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक एकदिवसीय में शतक लगाकर भारत को जीत दिलाई। अब मंधान पर इस सीरीज में अच्छी शुरुआत की जिम्मेदारी रहेगी। भारतीय टीम को विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की कमी खलेगी जो कलाई की चोट के कारण बाहर हैं। उनकी जगह टीम में शामिल की गई युवा विकेटकीपर उमा छेत्री पहली बार एदिवसीय मुकाबला खेंलेगी।

वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में कप्तान एलिसा हीली के बिना उतरेगी। हीली घुटने की चोट के कारण बाहर हैं। हीली की जगह बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को पदार्पण का मौका दिया गया है। हरफनमौला ताहलिया मैकग्रा टीम की कप्तानी संभालेंगी। यह सीरीज आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा है जिसमें आस्ट्रेलिया फिलहाल 18 में से 13 एकदिवसीय जीतकर पहले स्थान पर है। इस चैम्पियनशिप से मेजबान भारत के अलावा पांच टीमों को अगले साल होने वाले विश्व कप में भी जगह मिलेगी।

ताहलिया ने कहा, 'भारतीय टीम में कई बड़े खिलाड़ी है। इस कारण उनके खिलाफ हर मुकाबला कठिन होता है। मैच में कई अहम क्षण होते हैं। हमारे घरेलू मैचों में भी भारतीय टीम को दर्शकों का काफी समर्थन मिलता है।

विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष की भी टीम में वापसी हुई है जो परीक्षा के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेल सकी थी। वहीं हरलीन देयोल, टिटास साधू और मिन्नू मनी भी टीम में शामिल हैं। अनुभवी गेंदबाज पूजा वस्त्राकर को न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर रहने के बाद वापसी का मौका नहीं मिला है। दीप्ति शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 3.6 की इकॉनॉमी रेट से गेंदबाजी की और वह इसी प्रकार का प्रदर्शन इस मैच में भी करना चाहेंगी।

टीमें -

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, हरलीन देयोल, रिचा घोष, तेजल हसाबनिस, मिन्नू मनी, प्रिया मिश्रा, प्रिया पूनिया, अरूंधति रेड्डी, जेमिमा रौड्रिग्स, टिटास साधू, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, साइमा ठाकौर, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया - ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), एशले गार्डनर, डार्सी ब्राउन, किम गार्थ, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, सोफी मोलिनू, बेथ मूनी, एलिसे पैरी, मेगान शट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड और न्यूजीलैंड पर जुर्माना

क्राइस्टचर्च। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पहले टेस्ट में धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड और न्यूजीलैंड पर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। इससे अब विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंकतालिका में इनके तीन अंक भी कम हुए हैं। वहीं आईसीसी ने अपने एक बयान में कहा, मैच रेफरी के एलीट पैनल के प्रमुख डेविड बून ने दोनो ही टीमों को तय समय तक तीन-तीन ओवर कम करने के कारण प्रतिबंध लगाया है।

गौरततब है कि खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनके तय समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच फीसदी जुर्माना लगाया जाता है। इसके अलावा, आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की खेल शर्तों के नियम 16.11.2 के अनुसार, प्रत्येक ओवर कम होने पर टीम को एक अंक का दंड दिया जाता है। ऑन-फील्ड अंपायर अहसान रजा और रॉड टकर, तीसरे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और चौथे अधिकारी किम कॉटन ने धीमी ओवर गति के आरोप लगाए थे। इस मामले मे दोनों कप्तानों ने अपराध स्वीकार किया और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए इस मामले में आगे औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं पायी गयी। इंग्लैंड की टीम जहां विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की रेसे से बाहर हो गयी है। वहीं तीन अंक कम होना न्यूजीलैंड के लिए एक बड़ा झटका है, जो स्टैंडिंग में बराबर चौथे से पांचवें स्थान पर फिसल गयी है।

न्यूजीलैंड अब अंक प्रतिशत (पीसीटी) में 47.92 फीसदी पर है और अब वह इंग्लैंड के खिलाफ अपने बचे हुए दो मुकाबलों में जीत जाती है तो भी 55.36 फीसदी तक ही पहुंच सकती है। इससे साफ है कि किवी टीम की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने की राह बेहद कठिन है।

दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए क्लासेन को बनाया कप्तान

टीम में नॉर्टजे और शम्सी की वापसी

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 क्रिकेट सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी हेनरिक क्लासेन को मिली है। दोनो ही टीमें 10 दिसंबर से तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगी। टी20 सीरीज में टीम को नियमित कप्तान एडेन मार्कराम के अलावा, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा और ट्रिस्टन स्टब्स की कमी खलेगी । ये सभी खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ अभी टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं।

मुख्य खिलाड़ियों के नहीं होने बाद भी दक्षिण अफ्रीकी टी20 टीम में काफी अच्छे खिलाड़ी हैं, जिसमें एनरिक नॉर्टजे और तबरेज शम्सी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के बाद पहली बार वापसी कर रहे हैं। वहीं ऑलराउंडर जॉर्ज लिंडे भी तीन साल के अंतराल के बाद टी20आई टीम में वापस आ गए हैं, उन्होंने आखिरी बार 2021 में खेला था। लिंडे सीएसके ञ20 चैलेंज के दौरान बेहतरीन फॉर्म में थे, उन्होंने 178.12 की स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए और 18.33 की शानदार औसत से नौ विकेट लिए।

वहीं दक्षिण अफ्रीका के व्हाइट-बॉल हेड

कोच रॉब वाल्टर ने कहा, सभी 15 खिलाड़ी कैप्ड हैं, और हम बेहतर टीम का निर्माण करना चाहते हैं क्योंकि हम एक इकाई के रूप में आगे बढ़ना चाहते हैं। एडेन की अनुपस्थिति में हेनरिक टीम का नेतृत्व करेंगे। वह एक बहुत अनुभवी खिलाड़ी है जो खेल को अच्छी तरह समझता है । हम 2021 में उनके पिछले अनुभवों के बाद उन्हें इस भूमिका में उपयोग करने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा, हमने जॉर्ज को फिर से मौका दिया है। उन्होंने घरेलू क्रिकेट के दम पर अपनी जगह बनाई है और स्पिनिंग ऑलराउंडर के रूप में उनके कौशल ने टीम में महत्वपूर्ण संतुलन जोड़ा है। एनरिक और तबरेज की वापसी से टीम को अनुभवी खिलाड़ी मिले हैं। उनके अनुभव और कौशल की भरमार हमारी गेंदबाजी इकाई को और बेहतर बनाएगी।

दक्षिण अफ्रीकी टीम -

हेनरिक क्लासेन (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जके, डोनोवन फेरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, पैट्रिक क्रूगर, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्टजे, नकाबा पीटर, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, एंडिले सिमेलाने और रस्सी वैन डेर डुसेन।

सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव अच्छा रहा - रानी

रोहतक । पिछले महीने माह ही हॉकी को अलविदा भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल आजकल जूनियर महिला टीम की कोच के तौर पर काम कर रही हैं। इसी को लेकर रानी ने कहा, "सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करने का मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैंने इससे काफी कुछ सीखा। वे युवा लड़कियां थीं जो मेरे जैसी ही पृष्ठभूमि से आती हैं। उनकी परेशानियों को समझना और उनका मार्गदर्शन करना आसान था।" उन्होंने कोच के तौर पर अपने अनुभव के बारे में कहा,"मैंने उनसे कहा कि अगर मैं सफल हो सकती हूं तो आप भी हो सकती हो। उन्हें मार्गदर्शन की जरूरत है और मैंने उनके साथ अपने अनुभव साझा करके उन्हें वह मार्गदर्शन देने का प्रयास किया है।" वह आगामी हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिए मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में भी काम करेंगी। इसमें पहली बार महिलाओं का टूर्नामेंट

भी होगा। रानी ने साल 2008 में 14 साल की उम्र में ओलंपिक क्वालीफायर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। इसलिए उन्हें पता है कि एक युवा खिलाड़ी किस तरहके दबाव का अनुभव करता है। उन्होंने कहा,"मैं सूरमा क्लब की मेंटर बनने जा रही हूं इसलिए मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से उस भूमिका को निभाने का प्रयास करुंगी। युवा खिलाड़ियों पर मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होता है। में इसमें उनकी मदद करना चाहूंगी। वहीं सीनियार हॉकी टीम को इस पूर्व कप्तान कहा है कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर भारतीय टीम ने एक प्रकार से 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारी शुरु कर दी है। इससे पता चलता है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। रानी ने कहा, "एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत हमारी महिला हॉकी टीम को और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। यह अच्छी शुरुआत है। इससे तय है कि कोच हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी।"

सचिन की बेटी सारा तेंदुलकर बनी एसटीएफ इंडिया फाउंडेशन की डायरेक्टर

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का फाउंडेशन (एसटीएफ इंडिया) मुख्य रूप से गरीब बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल से जोड़ने का काम करता है की कमान अब उनकी बेटी सारा तेंदुलकर संभालेंगी। सचिन ने सोशल मीडिया पर बताया कि उनकी बेटी सारा अब इस फाउंडेशन में डायरेक्टर के पद पर काम करेंगी। तेंदुलकर ने अपने पोस्ट में कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरी बेटी सारा तेंदुलकर एसटीएफ इंडिया में डायरेक्टर के तौर पर शामिल हो गई हैं। अब सारा भारत में खेल, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने की यात्रा पर निकल रही हैं।

टी20 में मोहित अहलावत के नाम है तिहरे शतक का रिकार्ड

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाज मोहित अहलावत के नाम टी20 क्रिकेट में तिहरे शतक का रिकार्ड है। मोहित ने दिल्ली के स्थानीय टूर्नामेंट फ्रेंड्स प्रीमियर लीग में मावी इलेवन की ओर से फ्रेंड्स इलेवन के खिलाफ 302 रन की नाबाद पारी खेली थी। मोहित ने इस मुकाबले में 39 छक्के लगाये। इससे पहले टी20 की एक पारी में किसी टीम के लिए सबसे ज्यादा छक्के 21 थे। ट्वेंटी20 के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के की बात करें तो रिकॉर्ड 34 छक्कों का था। अहलावत ने सभी को पीछे छोड़ दिया। मोहित की इस पारी से मावी इलेवन ने दो विकेट पर 416 रन बनाये। यह किसी भी ट्वेंटी20 मैच में एक रिकॉर्ड है। मावी इलेवन की ओर से पारी की शुरुआत करने उतरे मोहित अहलावत ने इस मैच में 234 रन बनाये। मोहित के तिहरे शतक की सहायता से मावी इलेवन ने 20 ओवरो में 416 रन बनाये।

मार्श के दूसरे टेस्ट में केवल बल्लेबाज के तौर पर उतरने की संभावना

भारत-ऑस्ट्रेलिया दूसरा टेस्ट

एडिलेड । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श के भारतीय टीम के खिलाफ यहां 6 दिसंबर से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलने की उम्मीदें हैं हालांकि मार्श इस मैच में केवल बल्लेबाजी ही कर पायेंगे और गेंदबाजी शायद ही कर पायें। मार्श पहले टेस्ट मैच में चोटिल हो गये थे। इसके बाद से ही वह फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

मार्श अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताने के बाद गत दिवस टीम से जुड़ गये। वह नेट्स में बल्लेबाज़ी करते दिखे। उन्होंने ट्रेनिंग में गेंदबाज़ी नहीं की लेकिन यह तेज़ गेंदबाज़ी के लिए आराम का दिन था, इसी कारण मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस भी गेंदबाजी से दूर थे।

ऑस्ट्रेलिया में प्रमुख ट्रेनिंग सत्र के बाद ही ये तय होगा कि मार्श गेंदबाजी कर पायेंगे या नहीं। इसी कारण अनकैप्ड तस्मानिया ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को मार्श के कवर के रूप में टीम के साथ शामिल किया गया है। ऐसे में मार्श विशेषज्ञ बल्लेबाज़ के तौर पर दूसरे टेस्ट में उतर सकते हैं। कप्तानी पैट कमिंस और कोच ऐंड्रयू मैक्डोनाल्ड का मानना है कि मार्श की टीम में जगह बनती हैं क्योंकि वह देश के शीर्ष छह टेस्ट बल्लेबाज़ों में से एक हैं। पिछले साल हेडिंग्ले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ वापसी पर उन्होंने शतक लगाया था और तब से वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं, जहां उन्होंने 41.06 की औसत से 657 रन बनाए हैं। केवल संन्यास ले चुके डेविड वॉर्नर और चोटिल कैमरन ग्रीन का औसत ही उनसे अधिक है।

वहीं अगर मार्श खेलते हैं और गेंदबाज़ी नहीं करते हैं तो ऑस्ट्रेलिया को अपने पुराने संयोजन की ओर जाना होगा।

मेरी धोनी से बात नहीं होती - हरभजन

मुम्मई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि उनकी पिछले दस साल से पूर्व कप्तान महेन्द सिंह धोनी से बात नहीं हुई है। इससे पता चलता है कि दोनो के बीच मतभेद हैं। अंतिम बार हरभजन और धोनी ने एक साथ भारत की ओर से साल 2015 में खेला था। इसके तीन साल बाद फिर से दोनो ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कुछ सत्र खेले। इस दौरान भी मैदान पर बातों खेल को लेकर ही होती थीं।

हरभजन ने कहा, नहीं, मैं अब धोनी से बात नहीं करता। जब मैं सीएसके में खेल रहा था, तब हमने बात की थी पर इसके अलावा, हमने बात नहीं की। हरभजन ने हालांकि कहा कि बात न करने का कोई कारण नहीं है। जब हम सीएसके में आईपीएल में खेल रहे थे, तब हम बात करते थे, और वह भी मैदान तक ही सीमित थी। उसके बाद वह मेरे कमरे में नहीं आया, न ही मैं उसके कमरे में गया।

हरभजन ने कहा कि वह युवराज सिंह और आशीष नेहरा से संपर्क में रहे हैं। हरभजन ने कहा, धोनी के खिलाफ मेरे दिल में कुछ नहीं है। अगर उन्हें कुछ कहना है, तो वे मुझे बता सकते हैं। लेकिन अगर उन्होंने कहा होता, तो वे अब तक मुझे बता चुके होते। मैंने उन्हें कभी फोन नहीं किया क्योंकि मेरे अंदर बहुत जुनून है। मैं सिर्फ उन्हीं को फोन करता हूँ, जो मेरा फोन उठाते हैं। मेरे पास इसके अलावा समय नहीं है। मैं उन लोगों के संपर्क के रहता हूं, जो मेरे दोस्त हैं। एक रिश्ता हमेशा देने और लेने के बारे में होता है। अगर मैं आपका सम्मान करता हूं, तो मुझे उम्मीद है कि आप भी मेरा सम्मान करेंगे। या आप मुझे जवाब देंगे। लेकिन अगर मैं आपको एक या दो बार फोन करता हूं और कोई जवाब नहीं मिलता, तो मैं शायद आपसे सिर्फ उतनी ही बार मिलूंगा, जितनी मेरी जरूरत होगी।

जब धोनी ने दिसंबर 2004 में भारत के लिए पदार्पण किया तो हरभजन पहले से ही टीम में सीनियर खिलाड़ी थे। वे अनिल कुंबले को पीछे छोड़कर भारत के प्रमुख स्पिनर बन गए थे तथा घर और विदेश में अपनी योग्यता साबित करते रहे। वे तब भी ऐसे ही बने रहे, जब उनके आस-पास के कप्तान बदल गए।

बांग्लादेश ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को 101 रनों से हराया

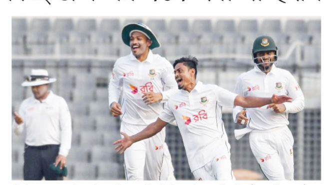

किंग्स्टन। बांग्लादेश ने यहां खेले गये दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 101 रनों से हरा दिया। बांग्लादेश की जीत में दूसरी पारी में जाकिर अली की शानदार 91 रनों की पारी की अहम भूमिका रही। इसी पारी की सहायता से बांग्लादेश ने मेजबान वेस्टइंडीज को जीत के लिए 287 रनों का लक्ष्य दिया। जिसका पीछा करते हुए वह 185 रनों पर ही सिमट गयी। बांग्लादेश की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर तैजुल इस्लाम ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए। इसी के साथ ही बांग्लादेश को 15 साल बाद वेस्टइंडीज में टेस्ट जीत मिली है। इससे पहले उसे जुलाई 2009 में पहली जीत मिली थी। तैजुल ने कहा, विदेश में टेस्ट मैच जीतना बहुत खास है, जो हम अक्सर नहीं कर पाते। सभी खिलाड़ियों ने इसके लिए प्रयास किये इस जीत से बांग्लादेश ने दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप रैंकिंग में आठवां स्थान हासिल किया। ने तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने भी इस मैच में पहली पारी में 61 रन देकर पांच विकेट लिए। मेजबान टीम की ओर से कावेम हॉज 55 और कप्तान क्रैग ब्रैथवेट 43 के अलावा कोई टिक नहीं पाया। इस हार के बाद वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने कहा कि शुरुआत हमने ठीक की थी पर उसे जारी नहीं रख पाये।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए अभी किसी टीम का स्थान पक्का नहीं हुआ

मुम्बई। आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल के लिए अभी 15 मैच बाकी हैं पर किसी भी टीम की जगह अभी पक्की नहीं हुई है। न्यूजीलैंड की इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद जहां एक प्रकार से फाइनल की रेस से वह बाहर हो गयी है। वहीं भारत , ऑस्ट्रेलिया , दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें रेस में बनी हुई हैं।

इंग्लैंड ओर न्यूजीलैंड टेस्ट तक के अंकों के आधार पर अंतिम दो स्थानों के लिए अभी भी 6 टीमें रेस में बनी हुई हैं। हालांकि टूर्नामेंट के दौरान अंकों पर टीमों की संभावना को नुकसान भी पहुंचा सकती है। चैम्पियनशिप की शुरुआत टीमों के साथ हुई थी, जिनमें से बांग्लादेश, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड बाहर हो गयी हैं। इन दिनों वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच आपसी श्रृंखला खेली जा रही है, लेकिन उसके नतीजे का असर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की अंक तालिका पर नहीं पड़ेगा।

भारत

ऑस्ट्रेलिया से अगर भारतीय टीम तीन मैच जीतती है तो भारतीय टीम का जीत प्रतिशत 62.28 हो जाएगा और सिर्फ दक्षिण अफ्रीका आगे निकलने की स्थिति में रहेगा। यदि टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हारती भी है, तो भी लगातार तीसरे फाइनल का मौका बन सकता है। इसके लिए उसे न्यूजीलैंड-इंग्लैंड, अफ्रीका-श्रीलंका और अफ्रीका-पाक सीरीज 1-1 से ड्रॉ होनी चाहिए तथा दुआ करनी होगी कि ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका के बीच दो मैचों की सीरीज 0-0 पर खत्म हो।

दक्षिण अफ्रीका

श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज के पहले मैच में मिली जीत से अफ्रीका ने फाइनल की ओर एक और कदम बढ़ा दिया है। अफ्रीकी टीम के तीन मैच बचे हैं। इन सभी को जीतकर टीम निश्चित रूप से फाइनल में होगी। वहीं अफ्रीकी टीम अगर एक मैच भी हार जाती है तो 61.11 प्रतिशत अंक तक पहुंच सकेगी और फाइनल के लिए अन्य टीमों पर निर्भर हो जाएगी। इतने अंकों पर ऑस्ट्रेलिया, भारत और श्रीलंका के पास उससे आगे निकलने का मौका रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया को अपने बल पर फाइनल में पहुंचने के लिए बचे 6 मैचों में कम से कम 4 जीत और 1 ड्रॉ चाहिए। ऐसा होने पर सिर्फ दक्षिण अफ्रीका उससे आगे जा सकता है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया अगर भारत के खिलाफ 2-3 से हारता भी है, तो श्रीलंका को 2-0 से स्वीप कर फाइनल में पहुंच सकता है। इस स्थिति में ऑस्ट्रेलिया भारत के 58.77 अंक से आगे 60.53 पर समाप्ति करेगा। यहां अब उसे केवल दक्षिण अफ्रीका पछाड़ सकता है।

श्रीलंका

श्रीलंका भी दक्षिण अफ्रीका जैसी स्थिति में है। उसके तीन मैच बचे हैं और ये सभी जीतकर टीम 61.54त्न अंकों के साथ फाइनल में पहुंच सकती है। इस स्तर पर भारत या ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक ही उससे आगे निकलने की स्थिति में होगा। वहीं एक मैच भी हारे तो चार अन्य टीम आगे निकल सकेंगी।

घबरायी हुई है ऑस्ट्रेलियाई टीम - गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि पहले टेस्ट में मिली करारी हार के दबाव से अभी तक ऑस्ट्रेलियाई टीम उबर नहीं पायी है। इसी कारण एडीलेड में 6 दिसंबर से होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम में घबराहट देखी गयी है। यही कारण है कि टीम में मतभेद तक उभर रहे हैं। इसी कारण तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर सवाल उठाये थे। पर्थ में पहले टेस्ट में भारत से 295 रनों से हारने के बाद मेजबान टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से पीछे है। इसी कारण पूर्व खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे खिलाड़ियों को हटाने के लिए कहा है।

गावस्कर ने कहा, हेजलवुड खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गये हैं पर ये हैरानी की बात है कि किसी ने भी हेज़लवुड को अनफिट नहीं देखा था। । उन्होंने पहले टेस्ट में बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की दूसरी पारी में उनके शानदार 161 रन के लिए सराहना की, और बताया कि कैसे उन्होंने पर्थ में छाने के लिए पहली पारी में आठ गेंदों पर शून्य पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में अपने खेल से ऑस्ट्रेलिया को और

अधिक मुश्किल में डाल दिया।

गावस्कर ने कहा, युवा यशस्वी जायसवाल ने दिखाया कि वह एक तेज सीखने वाला खिलाड़ी है, जो दूसरी पारी की शुरुआत में उसके बल्ले की ताकत से स्पष्ट था। वह दूसरे छोर पर केएल राहुल के मार्गदर्शन में जम गया जिससे मेजबान गेंदबाजों पर दबाव आ गया। वहीं विराट कोहली ने एक और शतक बनाने के लिए सलामी जोड़ी की दी गयी अच्छी शुरुआत का पूरा लाभ उठाया।।

गावस्कर ने ऑलराउंडर नितीश रेड्डी की पर्थ में तेज बल्लेबाजी के लिए प्रशंसा की। नितीश ने यहां 47 और नाबाद 38 रन बनाए, साथ ही एक विकेट भी लिया। गावस्कर ने कहा कि भारतीय पारी के दो शतक शानदार थे, जैसा कि 200 से अधिक की ओपनिंग साझेदारी थी, लेकिन सबसे प्रभावशाली पारी नितीश की थी। उन्होंने दिखाया कि क्या आवश्यक है, जिसने किसी को लगा नहीं कि वह पहला टेस्ट खेल रहे थे। पहली पारी में भी, उन्होंने रन बनाने के अवसरों का अच्छा लाभ उठाया। उनकी गेंदबाजी भी काम आई और उनका क्षेत्ररक्षण भी शानदार था। यह भविष्य के लिए एक और बेहतर खिलाड़ी है।उन्होंने कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह की उनके आठ विकेट के लिए प्रशंसा की, जिसने भारत को जीत की ओर अग्रसर किया।

राजस्व महाअभियान 3.0 की कलेक्टर ने की समीक्षा

खसरा लिंकिंग, इकेवायसी के कार्यों में प्रगति न होने पर लांजी तहसीलदार को जारी होगा नोटिस

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर मृणाल मीना ने बुधवार को राजस्व अभियान 3.0 के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में समस्त राजस्व अधिकारियों की राजस्व संबंधी कार्यो की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए। बैठक में उन्होंने तहसीलवार राजस्व अभियान अंतर्गत तहसीलवार कार्यो में प्रगति होने पर अधिकारियों के कार्यो की सराहना की । वहीं कार्य प्रगति न रुके इसके लिए नामांकन के लंबीत प्रकरणों को चार दिनों में पूर्ण करने के लिए भी कहा। बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने राजस्व अभियान-3.0 के तहत तहसील स्तर पर कोर्ट में समय सीमा में वाले केशो को लंबित न रखकर उनका जल्द ही समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए ।

इकेवायसी, खसरा लिंकिंग जैसे कार्यों को सुगमता से करे

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने ई-केवाईसी के पेंडिंग कार्य, खसरे को आधार से लिंकिंग के कार्य में प्रगति नहीं पायी जाने पर लांजी तहसीलदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में प्रगति नहीं आने पर तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए कहा कि फॉर्मर रजिस्ट्री के लिये पंचायत स्तर पर प्रचार कर मुनादी कराकर कार्य में प्रगति लाए और योजना का लाभ किसानों को मिल पाए। समस्त तहसीलदारों से कहा गया कि कार्यो में प्रगति नहीं पाई गई है, वहां पर पेंडेंसी ज्यादा होने पर पटवारियों को टारगेट दिया जाए और प्रतिदिन कार्य की मॉनिटरिंग कर प्रगति की समीक्षा करे और रिपोर्ट प्रस्तूत की जाए।

लंबित कार्यो को 15 दिवसों में करे पूर्ण

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि सभी तहसील ये सुनिश्चित कर ले की राजस्व अभियान 3.0 में खसरे को आधार से लिंकिंग, स?वामित?व योजना के कार्य एवं खसरे को आधार से लिंकिंग के लंबीत कार्यो को 15 दिवस में पुरा करना होगा। इसमे सभी एसडीएम को भी फोकस करना होगा। वहीं पीएम किसान सम्मान योजना के लिये इकेवायसी के कार्य नही हो पा रही है तो कैंप लगा कर कार्य पुर्ण करना सुनिश्चित करे।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित हुए कार्यक्रम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को प्राचार्य डॉ.निधि ठाकुर की अध्यक्षता एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ.सरोज घोड़ेश्वर के मार्गदर्शन में भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित विविध गतिविधियो का आयोजन किया गया। जिसका समापन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम में भाषण, निबंध, पोस्टर, सामान्य ज्ञान जैसी विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की गई। जिसमे महाविद्यालय की लगभग 100-150 छात्राओं ने प्रतिभागी के रूप में विविध गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ.सुरेन्द्रनाथ त्रिपाठी, श्रीमती तृषा माहुले, डॉ.श्वेता मोर, डॉ. अरूण बोरकर, श्रीमती बबली शेंडे, डॉ. राहुल सूर्यवंशी एवं समस्त महाविद्यालय स्टाफ का सहयोग रहा।

कोर्ट रूम में ही पढ़वाया माइनिंग एक्ट

हाईकोर्ट ने माइनिंग अधिकारी को लगाई फटकार...

भोपाल। ग्वालियर हाईकोर्ट ने जेसीबी जब्त करने से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट रूम में ही माइनिंग अधिकारी को माइनिंग एक्ट पढ़वाया। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने कलेक्टर को नोटिस जारी कर उनसे जवाब तलब भी किया।

दरअसल, मुरार थाना क्षेत्र के रहने वाले एक शख्स की जेसीबी को खनन विभाग ने सीज किया था। साथ ही उस पर 80 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। ऐसे में जेसीबी मालिक द्वारा ग्वालियर हाई कोर्ट में माइनिंग विभाग की कार्रवाई के खिलाफ याचिका दायर की। जिस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने खनन अधिकारी को जमकर फटकार लगाई। साथ ही कोर्ट रूम में पूछा कि उनके द्वारा किस अधिकार और कानून के तहत जेसीबी को जब्त किया गया। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान माइनिंग अधिकारी को कोर्ट रूम में ही माइनिंग एक्ट पढने् के लिए कहा और फिर एक्ट से जुड़े सवाल जवाब भी किए। साथ ही कलेक्टर को लेकर भी पूछा कि उनके द्वारा बिना पढ़े कार्रवाई का आदेश कैसे पास कर दिया गया। ऐसे में हाई कोर्ट ने कलेक्टर को भी नोटिस जारी कर इस आदेश को लेकर उनसे जवाब तलब किया है। बता दें कि ग्वालियर चंबल अंचल में अवैध खनन से जुड़ी कार्रवाई माइनिंग विभाग द्वारा की जाती है। इस दौरान अवैध खनन में उपयोग किए जाने वाले वाहनों और मशीनों को विभाग द्वारा जब्त करने के साथ उन पर जुर्माने की कार्रवाई की जाती है।

तेजराम लिल्हारे की धान की खरी, व पैरा में लगी आग, एक लाख से अधिक की नुकसानी

लांजी(पद्मेश न्यूज़)। लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत सिंगोला मेन रोड़ नहर के पास स्थित तेजराम लिल्हारे के निवास स्थान पर घर के सामने रखी पैरा, फिर घर एवं उसके धान की खरी में आग लगी जिसके पीछे कारण अज्ञात है, समय रहते आग पर काबू पाया नही तो बड़ी घटना घटित हो सकती थी क्योंकि पैरा एवं खरी के जलने के साथ की मकान में भी आग पकड़ ली थी। इस संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त स्थान में तेजराम लिल्हारे का मकान है जिनके द्वारा अपने 3 एकड़ की फसल को काटकर उसका पैरा एवं खरी घर के सामने रखी गई थी। 4 दिसंबर को सुबह करीब 7 से 8 बजे के बीच अज्ञात कारणों से आग लग गई। आगजनी की जानकारी सर्वप्रथम घर के लोगों को ही लगी देखा की पैरा से आग निकल रही है मकान मालिक तेजराम लिल्हारे के द्वारा आस पास के लोगो एवं ग्राम के सरपंच प्रतिनिधि छत्रपाल मचिया और जनपद सदस्य महेन्द्र पटले को दी गई जिनके द्वारा नगर परिषद लांजी में फायर ब्रिगेड का समय रहते सूचित किया, त्वरित फायर ब्रिगेड वाहन सिंगोला

घटना स्थल पर पंहुचा तथा आग पर काबू पाया गया, फायर ब्रिगेड आने के पूर्व घर में लगी मोटर पंप से आग पर काबू पाने की कोशिश की गई थी। इसके बाद करीब 9 बजे मेरे छोटे भाई बेनीराम लिल्हारे के मकान व कोठे से धुंआ निकलते दिखाई दिया फिर हम लोगो ने मकान व कोठे के अन्दर जाकर देखा तो मकान व कोठे से आग की लपटे निकलते दिखी फिर हम लोगो ने अपने अपने घरो से पानी लाकर आग को बुझाया एवं फायर ब्रिगेड को फोन लगाकर दोबारा बुलाया तथा आग को बुझाया इसी दौरान वहीं पास मे रखी धान की खरी मे भी आग लग गई जिसको फायर ब्रिगेड के द्वारा बुझाया गया। मुझे मेरे घर में रखे पैरा एवं धान की खरी में आग लगने से 1 लाख रूपये की नुकसानी हुई है तथा मेरे छोटे भाई बेनीराम को मकान कोठा जलने से॰70 हजार रूपये की नुकसानी हुई। आग लगने का कारण अज्ञात है। उक्त कथन के आधार पर लांजी पुलिस के द्वारा आगजनी क्रमांक 11/24 कायम कर विवेचना में लिया गया है साथ राजस्व विभाग से पटवारी के द्वारा मौका स्थल पर पंहुचकर पंचनामा कार्यवाही की गई है।

सीएम राइस विद्यालय लांजी हेल्थ केयर ट्रेड के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

लांजी(पद्मेश न्यूज़)। सीएम राइस विद्यालय, लांजी के हेल्थ केयर ट्रेड के छात्रों ने एक शैक्षणिक दौरे के तहत बालाघाट पंहुचकर मिताली हॉस्पिटल का भ्रमण किया। इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा प्रक्रिया से परिचित कराना था। छात्रों ने अस्पताल की विभिन्न विभागों, सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवा प्रक्रियाओं को नजदीक से समझा। उन्होंने डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के कार्यप्रणाली को देखा और जाना कि किस प्रकार से अस्पताल में मरीजों का उपचार और देखभाल की जाती है। इस महत्वपूर्ण दौरे में व्यवसायिक प्रशिक्षक यमुना लिल्हारे ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। उनके साथ शिक्षक सुरेश बनसोड, हिरेंद्र दशरीया और धर्मेंद्र सुलाखे, ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इन सभी शिक्षकों ने छात्रों को अस्पताल की विभिन्न प्रक्रियाओं को समझाने और उनके सवालों के जवाब देने में सहयोग किया।

विद्यालय के प्राचार्य पी. के. भीमटे और व्यवसायिक नोडल अधिकारी डी. के. फुल्लारे ने इस दौरे के आयोजन में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण छात्रों के व्यावसायिक ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए बहुत आवश्यक हैं। यह दौरा छात्रों के लिए बेहद ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। उन्होंने न केवल चिकित्सा क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया, बल्कि स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी बारीकियों को भी समझा। इस भ्रमण ने छात्रों को अपने करिअर के प्रति अधिक जागरूक और प्रेरित किया है।

नगर परिषद लांजी में हुआ मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

लांजी(पद्मेश न्यूज़)। नगर परिषद लांजी में 4 दिसंबर को दोपहर 12:30 बजे से शासन के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा अनुग्रह राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया गया जिसका सीधा प्रसारण एवं लाभार्थीयों॰लाभ प्रदान करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले अध्यक्ष नगर परिषद लांजी, सभापति किशोर रामटेक्कर, श्रीमती कस्तुरा वाकडे पार्षद सौरभ (मोनू) मशीने एवं सांसद प्रतिनिधि ताराचंद कालबेले, पूर्व सरपंच लांजी योगेश रामटेक्कर, पूर्व पार्षद लीलाधर डोलस उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती मॉता की प्रतिमा की पूजा/अर्चना कर, उपस्थित अतिथियों का स्वागत वंदन किया गया। तद्उपरांत दोपहर 12.30 बजे मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अनुग्रह राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण कार्यक्रम सीधा प्रसारण एलईडी टिव्ही के माध्यम से दिखाया गया। प्रसारण कार्यक्रम के उपरांत संबल योजना के लाभार्थियों को फुलचंद पांडे

वार्ड क्रमांक 05, राधेश्याम मानकर वार्ड क्रमांक 05 एवं श्रीमती रेखा सोनवाने वार्ड क्रमांक 15 नगर परिषद लांजी को मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना अंतर्गत राशि स्वीकृति पत्र अध्यक्ष श्रीमती ताराचंद कालबेले के हस्ते प्रदाय किये गये। इस दौरान कार्यक्रम प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी बी.एल.लिल्हारे, श्रीमती वंदना भार्गव सहायक ग्रेड-1, योजना शाखा प्रभारी रनदिप वराडे, तेजराम आसटकर पम्प अटेंडेंट, श्रीमती सुशीला रणदिवें भृत्य, छगनलाल मिश्रा भृत्य, गोविन्द राऊत, विनोद रहमतकर, नितिन बरगैया, संजय भण्डारकर,देवेन्द्र भण्डारकर, श्रीमती जैवंती कचवाहे, श्रीमती रेखा नगपुरे, श्रीमती रामबती नेताम, श्रीमती मोहिनी शुक्ला, लक्ष्मीकांत सोनवाने, उमेन्द्र सोमनकर, श्रीमती पुजा श्रीवास्तव, आकाश महोबिया, बिहारी महोबिया, शैलेन्द्र पांडे, मचलेश चोरवाडे, श्याम वगारे, कैलाश उरोडे, शैलेन्द्र दुरूगकर, उपकेन वराडे एंव अन्य कर्मचारियों उपस्थित रहे।

शास. कन्या हाईस्कूल लांजी में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की दिलाई शपथ

लांजी(पद्मेश न्यूज़)। महिला केंद्रित मुद्दों पर जागरूकता और महिला आधारित योजनाओं को जन - जन तक पहुंचने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला कलेक्टर के निर्देशन में विशेष जागरूकता अभियान हम होंगे कामयाब पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन अंतर्गत बाल विवाह मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत 4 दिसम्बर को नगर के शासकीय कन्या हाई स्कूल विद्यालय लांजी में शिक्षक बी एल भोण्डेकर ने विशेष जागरूकता अभियान हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अंतर्गत बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शपथ दिलाई। इस अवसर पर खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा ने बेटी बचाओ बेटी बढाओ योजना अंतर्गत लिंग चयन का निषेध अधिनियम 1994 पी.सी. एंड पी.एन.डी.टी.अधिनियम (2023 में यथा संशोधित) अंतर्गत कानून के उल्लंघन करने की सजा, बेटी बेटा दोनों एक समान, बेटी की शिक्षा, स्वास्थ्य व पोषण के सम्बन्ध में जागरूकता एवं योजना की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बाल विवाह से रोकथाम, भिक्षा वृत्ति उन्मूलन, मिशन वात्सल्य योजना, बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना, वन स्टॉप सेण्टर एवं अन्य विभागीय योजनाओ की जानकारी दी। इस दौरान प्रभारी प्राचार्य एस बसेना, एल एल भटेरे, बी आर वाकड़े, श्रीमती पूनम गुर्दे, अनिता लिल्हारे, सुषमा लिल्हारे, चिंतन चोरवाड़े भृत्य सहित विद्यालय की छात्राएं एवं शिक्षक स्टाफ उपस्थित था।

4 लेन होगा सिंहस्थ बायपास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट बैठक में बुधवार को उज्जैन सिंहस्थ बायपास को टू लेन से 4 लेन करने पर मुहर लग गई है। इसकी लागत 701 करोड़ होगी और 20 किमी रोड बनाई जाएगी। उज्जैन-इंदौर के बीच 48 किमी का फोर लेन ग्रीन फील्ड रोड बनेगा। 1370 करोड़ की लागत वाली इस सडक़ की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। यह सडक़ पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्र को भी जोड़ेगी। हिंगोरिया देपालपुर के बीच टू लेन रोड बनेगी। 32 किमी सडक़ के निर्माण की लागत 239.38 करोड़ की लागत आएगी। इसके साथ ही एक हफ्ते की विदेश यात्रा से लौटने के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक में जर्मनी और लंदन से मिले 78 हजार करोड़ रुपए के प्रस्तावों पर चर्चा की।

सूने मकान में दिन-दहाड़े चोरी, नगदी रकम, सोने-चांदी के जेवर और सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर लेकर भागा चोर

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। दो नकाबपोश चोरों ने मिलकर योजनाबद्ध तरीके से कटंगी शहर के गंगोत्री कॉलोनी में शिक्षक दंपत्ति के निवास पर नगदी रुपए और सोने-चांदी के जेवर की चोरी की वारदात को अंजाम दिया है. वहीं चोरी की यह वारदात घर में लगे जिन सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है चोर उसका डीवीआर भी अपने साथ लेकर भाग गए है. चोरी की इस वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो रहे चोर को स्थानीय लोगों पकड़ने की खूब कोशिश की लेकिन चोर सभी को चकमा देकर अपने साथी के साथ बिना नंबर की बाइक में बैठकर फरार हो गया. जिसे स्थानीय लोगों ने पुलिस के साथ कपड़ों के आधार पर पहचान कर कई जगह तलाश करने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली. मिली जानकारी अनुसार गंगोत्री कॉलोनी निवासी शिक्षक संजय टेंभरे के निवास पर अज्ञात चोरों ने बुधवार को दिन-दहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम दिया है. संजय टेंभरे और उनकी धर्मपत्नी गायत्री टेंभरे ने बताया कि चोरों ने करीब 45 हजार रुपए की नगदी रकम, 05 जोड़ी चांदी की पायल और सोने

का एक मंगलसूत्र चोरी किया है. चोरी का खुलासा उस वक्त हुआ जब शिक्षक की बेटी दोपहर में तीन बजे स्कूल से घर पहुंची. जिसे देख घर के भीतर मौजूद चोर पीछे बाउंड्री वॉल कूदकर भाग रहा था. जिसे पड़ोस में रहने वाले एक शख्स ने देखा और चोर का पीछा किया और चोर-चोर का शोर किया. शोर सुनकर आस-पास के अन्य लोग भी चोर के पीछे भागे लेकिन मुख्य सड़क मार्ग पर बाइक लेकर खड़ा चोर का साथी उसे लेकर रफुचक्कर हो गया. चोरी की सूचना मिलने पर कटंगी पुलिस मौके पर पहुंची. जिसने घटनास्थल का जायजा लिया है. देर शाम टेंभरे दंपत्ति ने कटंगी थाना पहुंचकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई है. पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी अनुसार संजय टेंभरे गंगेरूआ के हायर सेकेण्डरी स्कूल में पदस्थ है जबकि उनकी उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गायत्री टेंभरे लोहमारा के स्कूल में पदस्थ है. प्रतिदिन की तरफ यह दोनों स्कूल गए हुए थे और बच्ची स्कूल गई थी. बच्ची दोपहर तीन बजे अपने घर वापस लौटी जिसे देखकर घर के अंदर मौजूद चोर भाग गया. जिसे पड़ोसियों ने पकड़ने की कोशिश की. वहीं शिक्षक और शिक्षिका दोनों को घर पर चोरी होने की सूचना दी गई. सूचना मिलने पर जब टेंभरे दंपत्ति घर पहुंचे तो वह भी घर का हाल देखकर दंग रह गए. बता दें कि चोर ने मुख्य द्वार पर लगा ताला खोलकर घर के प्रवेश किया. घर के भीतर बिखरी पड़ी सामग्री को देखकर ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि अज्ञात चोर करीब 12 से 01 बजे के बीच घर के अंदर घुसे होगें. चोरों ने पूरे घर के एक-एक कोने को खंगाला है. बहरहाल, दिन-दहाड़े हुई इस चोरी की वारदात से लोगों में भय का माहौल बना हुआ है. वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठाएं जा रहे है. दरअसल, गंगोत्री कॉलोनी में बीते कुछ महीनों में लगातार चोरी की वारदातें हो रही है. मगर, किसी भी चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चोरों को पुलिस पता नहीं लगा पाई है। नागरिकों का कहना है कि पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली से चोरों के हौसले बुलंद है. चोर जहां लगातार चोरियों की वारदात को अंजाम दे रहे है. वहीं पुलिस आज तक एक भी चोरी का खुलासा नहीं कर पाई है. भले ही पुलिस रात्रि में शहर में गश्ती करती है लेकिन दिन-दहाड़े होने वाली चोरी की वारदात इस बात के संकेत देती है कि चोरों में पुलिस का कोई डर नहीं है. जिस कारण दिन-दहाड़े चोरी की वारदात हो रही है. चोरी की इस वारदात के बाद नगर परिषद के सीसीटीवी कैमरों का भी सवाल फिर एक बार खड़ा हो गया है. नगर परिषद ने कई लाख रुपए खर्च कर शहर में कई जगह सीसीटीवी कैमरे तो लगाए लेकिन इन कैमरों की क्वालिटी इतनी घटिया थी कि चंद महीनों में ही यह कैमरे बंद हो गए जो आज तक बंद ही है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का विरोध

भोपाल। भोपाल में बुधवार को सकल हिंदू समाज के आह्वान पर बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही घटनाओं के विरोध में प्रदर्शन किया। भारत माता चौराहा पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, बीजेपी जिलाध्यक्ष समित पचौरी, पूर्व विधायक ध्रुव नारायण सिंह, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, सुरेश पचौरी सहित हजारों के तादाद में लोग मौजूद रहे।

प्रदर्शन में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय, रामप्रवेश जी महाराज समेत संत गण और समाज के वरिष्ठ मंच पर रहे। वहीं कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री, विधायक मंच के ठीक सामने बैठे। सांसद आलोक शर्मा जनता के बीच में कुर्सी पर और विधायक रामेश्वर शर्मा कार्यकर्ताओं के साथ जमीन पर ही बैठे। इस दौरान भोपाल के बाजार आधे दिन तक बंद रहे। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में व्यापारी भी सडक़ पर उतरे। कृषि उपज मंडी में व्यापारियों ने अनाज की खरीदी नहीं की वहीं, भोपाल का थोक दवा बाजार भी पूरी तरह से बंद रहे।

बाजार बंद कराने पहुंचे कार्यकर्ताओं की झड़प

भोपाल में टीला जमालपुरा में मार्केट बंद करने पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं से कुछ लोगों की झड़प हो गई। दोनों पक्ष ने एक दूसरे पर मारपीट के आरोप लगाए।

ये संगठन प्रदर्शन में शामिल

भोपाल में भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, भोपाल किराना व्यापारी महासंघ, थोक दाल-चावल संगठन हनुमानगंज, भोपाल ग्रैंड मर्चेंट एंड ऑयल सीड्स एसोसिएशन गल्ला मंडी शामिल हैं। वहीं, राजधानी किराना व्यापारी एसोसिएशन, थोक तेल व्यापारी एसोसिएशन,ओल्ड भोपाल थोक रेडिमेड होजरी एसोसिएशन भोपाल, भोपाल व्यवसायी महासंघ भोपाल, भोपाल सराफा व्यापारी महासंघ, घोड़ा निक्कास व्यापारी महासंघ, न्यू मार्केट व्यापारी संघ, लोहा बाजार व्यापारी संघ, इब्राहिमपुरा व्यापारी महासंघ, सुभाष चौक व्यापारी एसोसिएशन सहित भोपाल शहर की अन्य व्यापारिक संस्था प्रदर्शन में शामिल रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं और साधु संतो पर हो रहे अत्याचार पर सनातन चेतना मंच ने किया विरोध प्रदर्शन

शहर में सभा कर रैली निकालकर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदाय पर हो रहे अत्याचार को लेकर सनातन चेतना मंच बालाघाट द्वारा विरोध प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया गया, जिसमें इस कार्यक्रम की अगवाही सनातन मंच के संयोजक सुरेश सोनी और सत्यनारायण बाबा मौर्य की अगवाई में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सबसे पहले स्थानीय अंबेडकर चौक में एक सभा का आयोजन किया गया और बांग्लादेश में हो रही घटनाओं को याद करते हुए उनका विरोध किया गया, उसके बाद अंबेडकर चौक से एक विशाल आक्रोश रैली निकाली गई, जो शहर के प्रमुख चौक का भ्रमण करते हुए मेन रोड से हनुमान चौक पहुंची, जहां इस कार्यक्रम का समापन किया गया वही इस कार्यक्रम के दौरान भारी पुलिस बल और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित नजर आए। आपको बता दे कि 4 दिसंबर को दोपहर 02 बजे से शाम 4.30 बजे तक मुख्यालय में सनातन चेतना मंच के बैनर तले, बांग्लादेश में हिन्दू समाज और संतो पर हो रहे अत्याचार को लेकर, हिन्दु समाज ने गंभीर चिंता जाहिर करते हुए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर ठोस कदम उठाए जाने की मांग की। पहले आंबेडकर चौक में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने बांग्लादेश में हो रहे हिन्दुओं और संतो पर अत्याचार के खिलाफ अपनी बात रखी। वक्ताओं ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है और मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं और उनके प्रतिष्ठानों को जलाया जा रहा है। उनकी हत्याएं की जा रही हैं। जिसके बाद सनातन चेतना मंच संयोजक सुरेश सोनी और सत्यनारायण बाबा मौर्य के की अगुवाही में हिन्दु समाज के लोगों ने आंबेडकर चौक से रैली निकाली। यह रैली काली पुतली चौक, मेनरोड होते हुए हनुमान चौक पहुंची। जहां राष्ट्रपति के नाम एसडीएम गोपाल सोनी को ज्ञापन सौंपा।

आज हिन्दुओं को एक होना होगा - सत्यनारायण मौर्य

सभा में वक्ता अंतर्राष्ट्रीय लेखक सत्यनारायण बाबा मौर्य ने कहा कि आज हिन्दुओं को एक होना होगा। उन्होंने बढ़ेंगे नहीं तो घटेंगे का नारा देते हुए कहा कि हमें, ज्यादा संताने पैदा करनी चाहिए। एक धर्म विशेष को लेकर उन्होंने कहा कि देश के राजनीतिज्ञ, उनमें कुछ लोगो को खराब कहते है, हमारा मानना है कि यदि कुछ लोग खराब है तो अच्छे कहां है। उन्होंने हिन्दुओं के आक्रोश रैली में संख्या पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि हम चुनाव और शादी की तरह ठान लेते तो आज यहां संख्या काफी बड़ी होती।

हमें भारत सरकार पर दबाव बनाना हैं - सुरेश सोनी

सनातन चेतना मंच के संयोजक सुरेश सोनी द्वारा भी बांग्लादेश में हो रहे हिंदू और साधुओं पर अत्याचार को लेकर सभा को संबोधित किया गया और बताया गया कि आज बांग्लादेश में हिंदू देवी देवताओं की प्रतिमाओं को तोड़ा जा रहा है, वहां की पुलिस आज हिंदुओं की नहीं सुन रही है इसलिए वह भी चाहते हैं कि इस विषय पर हम सब एकजुट होकर भारत सरकार पर दबाव बनाएं और बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं के अत्याचार पर संज्ञान ले।

इस प्रकार हैं ज्ञापन में मांगे

राष्टपति के नाम संबोधित ज्ञापन में सनातन चेतना मंच के माध्यम से हिन्दु समाज ने बांग्लादेश सरकार पर भारत सरकार का दबाव बनाकर अल्पसंख्यको की सुरक्षा सुनिश्चित करने, हिन्दु संत स्वामी चिन्मय प्रभु की बिना शर्त रिहाई, बांग्लादेश में हिन्दुओं और संतो पर हो रहे अत्याचार पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करवाने, अत्याचारों की निष्पक्ष जांच और दोषियों को सजा, बेदखल हिन्दुओं का पुर्नविस्थापन की मांग की गई। हिन्दु चेतना मंच ने कहा कि यह केवल मानवाधिकार का उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह हमारी साझा सांस्कृतिक धरोहर, धार्मिक अस्मिता और पारस्परिक सम्मान पर भी हमला है। जिस पर ठोस कदम उठाया जाए ताकि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों को सुरक्षा मिल सके और अत्याचार पर रोक लगे।

गायत्री महायज्ञ के आयोजन में लगे टेंट के ऊपर से निचे गिरने से मृत मजदूर सुरेंद्र जिला सिवनी निवासी था

1 दिसंबर की रात्रि सरदार पटेल कॉलेज डोंगरिया में हुई थी घटना

इस घटना को कॉलेज प्रबंधन और गायत्री परिवार के लोगों द्वारा रखा गया था गुप्त

जीवित अवस्था की फोटो

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। वारासिवनी रोड स्थित सरदार पटेल कॉलेज डोंगरिया में 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के आयोजन के लिए लगाए गए टेंट का पर्दा निकलते समय नीचे गिरने से मृत मजदूर सुरेंद्र पिता रामचरण डेहरिया 32 वर्ष ग्राम गोहना सिमरिया थाना बरघाट जिला सिवनी निवासी है। जिसके शव का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल में ही किया गया था। किंतु 1 दिसंबर की रात्रि 11 बजे हुई इस घटना को सरदार पटेल कॉलेज प्रबंधन और गायत्री परिवार से जुड़े लोगों के द्वारा गुप्त रखा गया था और 3 दिसंबर को इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के शामिल होने के कारण इस घटना के संबंध में किसी को भी भनक लगने नहीं दी गई। किंतु सरदार पटेल कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान कुछ हुआ है की चर्चा जोरों पर चल रही। जानकारी के मुताबिक 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक वारासिवनी रोड स्थित सरदार पटेल कॉलेज में 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया था और इस आयोजन के लिए सिवनी के विनय डेकोरेशन के द्वारा यहा टेंट लगाए गए थे। यह कार्य इस आयोजन के 15 दिन पहले से चल रहा था और इस टेंट लगाने में सिवनी जिले के ही करीब एक दर्जन मजदूर लगे हुए थे। 1 दिसंबर की रात्रि 11 बजे कार्यक्रम स्थल के ऊपर टेंट में लगे 30 फीट ऊंचाई के पर्दे को निकालने के लिए सुरेंद्र डहेरिया, प्रवीण, आनंद एवं मिथिलेश यादव सहित अन्य मजदूर ऊपर चढ़े हुए थे। पर्दा निकालने का कार्य किया जा रहा था। तभी पर्दा निकलते समय अचानक असंतुलित होकर सुरेंद्र डहेरिया ऊपर से नीचे गिर गया और जिसजे सिर मुंह हाथ, पैर में चोट आई थी और उसके मुंह नाक से खून निकलने लगा था। सुरेंद्र डहरिया को नीचे गिरते और घायल हालत देख अन्य मजदूर चिल्लाये आवाज सुनकर कॉलेज का स्टाफ के साथ ही कॉलेज का मालिक दिवाकर सिंह मौके पर आए। गंभीर चोट लगने से सुरेंद्र डेहरिया की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। कॉलेज की एंबुलेंस से सुरेंद्र डहरिया को नगर के प्राइवेट अस्पताल में ले गए। वहां भर्ती नहीं लेने के बाद सुरेंद्र डहेरिया को जिला अस्पताल लाया गया। सुरेंद्र बेहोशी की हालत में होने की संभावना को देखते हुए उसे ऑक्सीजन लगाया गया। किंतु कुछ देर बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था। सुरेंद्रडहेरिया की पूर्व में ही मौत हो चुकी थी। रात्रि में सुरेंद्र डेहरिया का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में ही रखवा दिया गया था। 2 दिसंबर को सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने सुरेंद्र डहेरिया के शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिए। चुकी यह घटना वारासिवनी थाना क्षेत्र में हुई थी। जिला अस्पताल पुलिस ने 0/024 धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस थाना वारासिवनी भिजवा दी है। इस मामले की आगे जांच वारासिवनी पुलिस द्वारा की जा

बेटे और बहू के बीच हो रहे विवाद को समझाने गए व्यक्ति के सर में बेटे ने पटका ईंट

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम गायखुरी में बेटे और बहू के बीच हो रहे विवाद को समझाने गए एक व्यक्ति को उसके बेटे ने सिर में ईंट मारकर घायल कर दिया। यह घटना 30 दिसंबर की शाम 6 बजे हुई ।घायल व्यक्ति महेश पिता दागोंजी ठाकरे 55 वर्ष वार्ड नंबर 33 गायखुरी बालाघाट निवासी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। वही कोतवाली पुलिस में इस व्यक्ति के बेटे राजेश ठाकरे के विरुद्ध मारपीट और धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेश ठाकरे खेती किसानी करते हैं। 3 दिसंबर के शाम 6 बजे महेश ठाकरे ग्राम भांडी पिपरिया झाड़गांव से अपने घर गायखुरी पहुंचा था और अपने नाती से बातचीत कर रहा था। तभी उसका छोटा लड़का राकेश ठाकरे और बहू रानी ठाकरे दोनो घर के अंदर वाद विवाद कर रहे थे। बेटा और बहू के बीच वाद विवाद होता देख महेश ठाकरे उन्हें समझाने के लिए गया था । तभी महेश ठाकरे को उसके छोटे लड़के राकेश ठाकरे ने बाहर जाने के लिए बोला। महेश ठाकरे बाहर नहीं गया और अपने बेटे राकेश से पूछ लिया कि किस बात का झगड़ा विवाद हो रहा है। तभी राकेश ठाकरे ने आवेश में आकर वहीं पड़े ईंट का टुकड़ा उठाकर अपने पिता महेश ठाकरे के सिर पर मारकर उसका सिर फोड़ दिया। इसी दौरान महेश ठाकरे के बड़े लड़के आकाश ठाकरे आया और उसने अपने मामा विजय पोगडे के साथ अपने पिता महेश ठाकरे को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल लाया। जो उसका इलाज किया गया जिला अस्पताल पुलिस ने महेश ठाकरे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
Govt.Reg.No. : 0359
शादी के पहले और शादी के बाद कमजोरी और नि:संतान का इलाज
आयुर्वेद अमृत है, इसे अपनाएं
डॉ. भरत चौहान DNYS.SHC
शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, स्वप्न दोष, धात का जाना, कमजोरी, नि:संतान आदि समस्याओं का शर्तिया इलाज किया जाता है।
अत्याधुनिक मशीनों के साथ
सम्पर्क- धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
केसर प्लाजा, वैद्य लॉन रोड, हनुमान चौक, बालाघाट
मो.नं.-7693919621, 6261222348

मोटरसाइकिल की ठोकर से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मौत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बालाघाट लालबर्रा थाना अंतर्गत समनापुर रोड पर स्थित ग्राम बमनी के पास मोटरसाइकिल की ठोकर से गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की मौत हो गई मृतक तोपराम पिता भीवा जी नखाते 45 वर्ष ग्राम बिरसोला थाना लालबर्रा निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने मौके की कार्रवाई करने के बाद इस व्यक्ति का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तोपराम नखाते टाइल्स लगाने का काम करता था जिसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। 24 नवंबर को तोपराम नखाते अपने परिवार के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम बम्हनी लालबर्रा रिश्तेदारी में गया था और इसी दिन तोपराम अपने भाई तिलकराम नखाते के साथ बैनगंगा नदी में आयोजित पोटिया पाठ का मेला चले गए थे। शाम 6 बजे दोनों भाई पोटियापाठ मेले से पैदल बम्हनी लौट रहे थे। तभी बम्हनी के पास तेज रफ्तार पीछे से आ रही मोटरसाइकिल ने तोपराम को ठोस मार दी। मोटरसाइकिल की ठोकर से तोपराम गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गया था। जिसे लालबर्रा के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था । जिला अस्पताल से भी। तोपराम को उसके परिवार वालों ने बेहतर उपचार हेतु गोंदिया के एक अस्पताल में भर्ती की थे। जहां से कुछ ठीक होने के बाद 30 नवंबर को तोपराम को छुट्टी दे दी गई थी । जिस घर ला लिया गया था किंतु दो दिन पहले अचानक तबीयत खराब होने पर तोपराम को पुन: गोंदिया के अस्पताल में भर्ती किए थे। 4 दिसंबर को तोपराम को उसके परिवार के लोग गोंदिया से अपने घर ले जा रहे थे। किंतु गोंदिया रोड पर ही संभवत तोपराम की मौत हो चुकी थी। जिसे जिला अस्पताल लाया गया। जिला अस्पताल के चिकित्सक ने तोपराम को मृत घोषित कर दिए। जिला अस्पताल पुलिस ने शाम होने से इस व्यक्ति का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दी है। जिसका पोस्टमार्टम 5 दिसंबर को किया जाएगा।

एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी से की मारपीट और दी जान से मारने की धमकी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बघोली में एक महिला को उसके पति ने लकड़ी से मारपीट कर जान से मार डालने की धमकी दे दी।3 दिसंबर को 2 बजे यह घटना मिस्त्री के काम करने वाले सामान को लेकर हुई । भरवेली पुलिस ने उमा पति अनिल पांचे 35 वर्ष वार्ड नंबर 15 ग्राम बघोली निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति अनिल पिता सुखदास पांचे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बघोली निवासी उमा मजदूरी करती है। 3 दिसंबर को 2 बजे उमा अपने सास के साथ घर में थी और घरेलू काम कर रही थी । तभी उसका पति अनिल पांचे शराब पीकर घर आया और उसने अपनी पत्नी उमा से कहा कि मेरे मिस्त्री का काम करने का सामान कहां रखी है तो उमा ने उसे बोली की समान तुमने ही रखे हो, मुझे नहीं मालूम ,उमा के यह कहने के साथ ही अनिल उसे अश्लील गालियां देने लगा, उमा ने उन्हें गाली देने से मना की तो । अनिल ने वही रखी लकड़ी उठाकर उमा को मारपीट कर दिया। लकड़ी वार उमा के बाय पैर के टखने और दाहिने पैर की जांघ में लगने से उसे चोटे आई जिससे उमा घायल हो गई ।वहीं दोनों पति-पत्नी का हल्ला सुनकर उमा की सास शकुंतला पाचे आई और बीच बचाव की। इस दौरान अनिल ने पत्नी उमा को मेरा मिस्त्री का सामान सही ढंग से नहीं रखने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। इसके बाद उमा रिपोर्ट करने के लिए भरवेली थाना पहुंची। भरवेली पुलिस थाने में उमा द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति अनिल पिता सुखदाज पांचे के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

पति द्वारा एक थप्पड़ जड़ने से गुसाईं महिला ने खाई कीटनाशक

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। पति के द्वारा एक थप्पड़ जड़ने से गुस्साई महिला ने दीमक मार किटनाशक दवाई का सेवन कर ली। यह महिला श्रीमती कांति बाई पति मुन्ना लाल लिल्हारे 30 वर्ष ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बगदरा निवासी है जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कांतिबाई अपने पति मुन्नालाल के साथ मजदूरी करती है। जिसके दो बच्चे हैं कांतिबाई की पिछले कुछ दिनों से तबीयत खराब थी। जिसकी दवाई चल रही थी। 4 दिसंबर को सुबह 10 बजे कांति बाई ने अपने पति मुन्नालाल से बोली की दवाई असर नहीं कर रही है तबीयत ठीक नहीं हो रही है और उसने अपने पति मुन्नालाल को दूसरी जगह इलाज करवाने के लिए बोली तभी मुन्नालाल ने उसे बोला कि एक-दो दिन दवाई खा लो ,आराम नहीं होने पर दूसरी जगह इलाज इलाज करवाने चलेंगे। मुन्नालाल के यह कहते ही कांतिबाई गुस्सा हो गई और वह गुस्से में अपने पति को बुरा भला कहने लगी ।तभी आवेश में आकर मुन्नालाल ने कांति बाई को एक थप्पड़ जड़ दिए थे। इसके कुछ देर बाद कांतिबाई अपने घर में उल्टी करने लगी थी ।जिसे उसके पति मुन्नालाल ने पूछा की उल्टी क्यों कर रही है तो उसने कुछ नहीं बताई। उल्टी में कीटनाशक की दुर्गंध आ रही थी ।तब मुन्नालाल ने अलमारी के ऊपर पानी की बोतल में भारी दीमक मार दवाई देखी जिसमे दवाई नहीं थी। तब मुन्नालाल ने अपने परिवार के साथ पत्नी कांति बाई को जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया। कांतिबाई ने पति मुन्ना लाल द्वारा एक थप्पड़ जड़ने से गुस्सा होकर दीमक मार कीटनाशक दवाई का सेवन कर ली थी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट